# नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

• 23 अप्रैल 2025 बुधवार • बोकारो संस्करण • वर्ष : 08 • अंक : 329 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित


**देश और दुनिया के इतिहास में आज की प्रमुख घटनाएं**

1660 : स्वीडन और पोलैंड के बीच ओलिवा समझौते पर सहमति बनी।

1661 : ब्रिटिश सम्राट चार्ल्स द्वितीय का लंदन में राज्याभिषेक।

1984 : वैज्ञानिकों ने एड्स के वायरस के बारे में पता लगाया।

2005 : यूट्यूब पर पहला वीडियो अपलोड हुआ।

2013 : हिन्दी फिल्मों की प्रसिद्ध पार्श्वगायिका शमशाद बेगम का निधन हुआ था।

# भारत के लोगों में बढ़ रही खादी पहनने की रूचि

**प्रधानमंत्री के नेतृत्व में खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने रचा नया कीर्तिमान | केवीआईसी अध्यक्ष मनोज कुमार ने जारी किये वित्त वर्ष 2024-25 के अनंतिम आंकड़े**

## स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार खादी और ग्रामोद्योग का कारोबार 1 लाख 70 हजार करोड़ रुपये के पार

**नवबिहार टाइम्स ब्यूरो**

**नई दिल्ली।** देश में आत्मनिर्भरता की भावना को सशक्त करने वाले खादी और ग्रामोद्योग क्षेत्र ने बीते 11 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गतिशील नेतृत्व और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के मार्गदर्शन में न केवल नई ऊंचाइयों को छुआ है बल्कि करोड़ों ग्रामीणों के जीवन में भी नयी रोशनी का संचार किया है। पूज्य बापू की विरासत खादी अब केवल एक वस्त्र नहीं, बल्कि 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के निर्माण का प्रतीक बन चुकी है। सोमवार को नई दिल्ली के राजघाट स्थित कार्यालय में खादी और ग्रामोद्योग के वित्तवर्ष 2024-25 के अनंतिम आंकड़े जारी करते हुए यह बातें अध्यक्ष केवीआईसी मनोज कुमार ने कही। उन्होंने बताया कि केवीआईसी ने वित्त वर्ष 2024-25 में उत्पादन, बिक्री और नये रोजगार सृजन का नया रिकॉर्ड बनाया है। बीते 11 वर्षों में बिक्री में 447 प्रतिशत, उत्पादन में 347 प्रतिशत और रोजगार सृजन में 49.23 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है। बता दें कि वित्त वर्ष 2023-24 में वर्ष 2013-14 की तुलना में बिक्री में 399.69%और उत्पादन में 314.79% की वृद्धि दर्ज की गयी थी। अध्यक्ष मनोज कुमार ने कहा कि केवीआईसी के इस शानदार प्रदर्शन ने वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' के संकल्प को साकार करने और भारत को विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में बड़ा योगदान दिया है। उन्होंने इस ऐतिहासिक उपलब्धि का पूज्य बापू की प्रेरणा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी, एमएसएमई मंत्रालय के मार्गदर्शन और देश के सुदूर गांवों में कार्यरत करोड़ों

कारीगरों की अथक मेहनत को दिया है। अध्यक्ष केवीआईसी ने बताया कि वित्त वर्ष 2013-14 में खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों का उत्पादन जहां 26109 करोड़ रुपये था, वहीं वित्त वर्ष 2024-25 में यह करीब चार गुना बढ़कर 347 प्रतिशत के उछाल के साथ 116599 करोड़ रुपये पहुंच गया जबकि वित्त वर्ष 2013-14 में बिक्री जहां 31154 करोड़ रुपये थी, वहीं करीब पांच गुना बढ़कर 447 प्रतिशत की अभूतपूर्व वृद्धि के साथ यह वित्त वर्ष 2024-25 में 170551 करोड़ रुपये पहुंच गई, जो कि अब तक की सर्वाधिक बिक्री है। पिछले 11 वर्षों में खादी कपड़ों के उत्पादन में भी अभूतपूर्व वृद्धि देखने को मिली है। वित्त वर्ष 2013-14 में जहां खादी कपड़ों का उत्पादन 811 करोड़ रुपये था वहीं 366 प्रतिशत उछाल के साथ यह साढ़े चार गुना बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में यह 3783 करोड़ रुपये के आंकड़े तक पहुंच गया, जो कि अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। खादी कपड़ों की बिक्री में भी जबरदस्त उछाल आया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बड़े मंच से खादी का प्रचार करने का व्यापक असर खादी के कपड़ों की बिक्री पर पड़ा है। खादी और ग्रामोद्योग आयोग का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादा से ज्यादा रोजगार के अवसर उपलब्ध करना है। इस क्षेत्र में भी केवीआईसी ने पिछले 11 वर्षों में रिकॉर्ड कायम किया है। पीएमईजीपी के माध्यम से अभी तक 90,04,541 लोगों को रोजगार मिल रहा है। महिला सशक्तिकरण की दिशा में भी केवीआईसी ने अहम योगदान दिया है। पिछले 10 वर्षों में केवीआईसी के 18 विभागीय और 17 गैर-विभागीय प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से 7,43,904 प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण दिया गया है, जिसमें 4,27,394 महिलाएं हैं। इसके अलावा 5 लाख खादी कारीगरों में भी 80 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी है। पिछले 11 वर्षों में खादी कारीगरों की पारिश्रमिक में 275 प्रतिशत जबकि पिछले तीन वर्षों में शत-प्रतिशत की वृद्धि की गयी है।

### जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर सबसे बड़ा आतंकी हमला

# 26 की मौत, कई घायल

**नवबिहार टाइम्स ब्यूरो**

**श्रीनगर।** दक्षिण कश्मीर के प्रमुख पर्यटक स्थल पहलगाम में मंगलवार को आतंकवादियों ने कायराना हरकत की है। आतंकियों ने अंधाधुंध गोलीबारी की और 26 लोगों की जान ले ली। इस आतंकी हमले में कई लोग घायल भी बताए जा रहे हैं। हमले के तुरंत बाद सुरक्षाबलों ने इलाके की घेराबंदी कर घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ ने आतंकियों की तलाश में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। पहलगाम में आतंकी हमले से माहौल तनावपूर्ण हो गया है। सुरक्षाबलों की अतिरिक्त टुकड़ियां घटनास्थल पर पहुंच गई हैं। ऊंचाई वाला इलाका होने के कारण घायलों को घोड़े वालों की मदद से सड़क तक लाया गया, जहां से उन्हें

नौ एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया है। बता दें कि हमला मंगलवार को अपराह्न करीब तीन बजे हुआ, जब आतंकवादी बैसरन घाटी में पहाड़ से नीचे उतरे और वहां पर्यटकों पर गोलीबारी शुरू कर दी। इस स्थान को लंबे हरे-भरे घास के मैदानों के कारण 'मिनी स्विट्जरलैंड' कहा जाता है। केंद्र सरकार ने इस हमले की गंभीरता को देखते हुए एनआईए को जांच की जिम्मेदारी दी है ताकि हमले की साजिश, आतंकियों के नेटवर्क और उनके विदेशी कनेक्शन की गहराई से जांच की जा सके। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले के पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकी हमले में एक बेहद ही दिल दहला देना वाला वीडियो सामने आया है। वीडियो इतना भयावह है कि हम आपको दिखा नहीं सकते लेकिन जो बात वीडियो में कही गई है वो बता रहे हैं। एक महिला रोती हुई मदद मांग रही है वह वहां मौजूद किसी स्थानीय व्यक्ति से कह रही है कि आतंकी धर्म पूछ-पूछकर लोगों को गोली मार रहे थे। अनंतनाग पुलिस ने स्थिति की गंभीरता से देखते हुए कि पर्यटकों की मदद के लिए 24/7 आपातकालीन सहायता डेस्क बनाई है। पर्यटक और उनके परिजन किसी भी जानकारी के लिए 9596777669, 01932225870 और व्हाट्सएप 9419051940 पर संपर्क कर सकते हैं। इस हमले के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से फोन पर बातचीत की और उनसे सभी उचित कदम उठाने को कहा है। इसके साथ प्रधानमंत्री ने गृह मंत्री से घटनास्थल का दौरा करने को भी कहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट करते हुए लिखा, 'मैं जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा करता हूं। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति मेरी संवेदना है। मैं प्रार्थना करता हूं कि घायल लोग जल्द से जल्द ठीक हो जाएं। प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है। इस जघन्य कृत्य के पीछे जो लोग हैं, उन्हें न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। उनका नापाक एजेंडा कभी सफल नहीं होगा। आतंकवाद से लड़ने का हमारा संकल्प अडिग है और यह और भी मजबूत होगा।'

## झारखंड में मतदाता सूची में सुधार से संबंधित एक भी अपील नहीं

**नवबिहार टाइम्स ब्यूरो**

**रांची।** भारत निर्वाचन आयोग के प्रावधानों के अनुसार हर मतदान केंद्र पर एक बूथ लेवल अधिकारी नियुक्त किया जाता है और हर बूथ पर हर राजनीतिक दल को बूथ लेवल एजेंट नामित करने का अधिकार होता है। देश का हर नागरिक जिसकी उम्र 18 वर्ष से अधिक है वह निर्वाचक बन सकता है। इस हेतु नए मतदाता के रूप में नाम जोड़ने के लिए फॉर्म 6, मतदाता सूची से नाम हटाने के लिए फार्म 7 एवं मतदाता सूची में प्रविष्टि में सुधार या बदलाव करने के लिए फॉर्म 8 का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके उपरांत बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा इसका सत्यापन किया जाता है एवं उक्त सूची पर निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी (ईआरओ) द्वार संशोधन करने हेतु अंतिम निर्णय लिया जाता है। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 24(क) के तहत अगर किसी व्यक्ति को निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी के निर्णय पर आपत्ति है तो, वह जिला निर्वाचन पदाधिकारी/ डीईओ के समक्ष प्रथम अपील कर सकता है, साथ ही जिला निर्वाचन पदाधिकारी/ डीईओ के निर्णय के विरुद्ध मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के समक्ष द्वितीय अपील दायर की जा सकती है। झारखंड में लगभग 2 करोड़ 62 लाख निर्वाचक हैं। राज्य में 29 हजार से भी अधिक बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रमों में घर-घर जाकर मतदाता सूची में पंजीकृत निर्वाचकों को सत्यापित एवं नये निर्वाचकों का पंजीकरण का कार्य किया जाता है। इस दौरान मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त बूथ लेवल एजेंट्स ने भी बूथ स्तर पर इन सूचियों को सत्यापित करने का कार्य किया है। वर्तमान में झारखंड में एक भी जिला निर्वाचन पदाधिकारी/ डीईओ या सीईओ कार्यालय के समक्ष मतदाता सूची में संशोधन हेतु कोई भी अपील लंबित नहीं है, जिसका मतलब है कि झारखंड में मतदाता सूची मतदाताओं एवं अन्य सभी के शत प्रतिशत संतुष्टि के करीब है।

## एनडीए में हो रही अध्यक्ष की नियुक्ति की तैयारी

**नवबिहार टाइम्स ब्यूरो**

**पटना।** बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर सूबे में जारी सियासी हलचल के बीच एनडीए में पहली बार बड़ा बदलाव होने जा रहा है। भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में पहली बार अध्यक्ष का पद सृजित किए जाने की तैयारी हो रही है। इस पद की जिम्मेदारी भाजपा के एक वरिष्ठ नेता को सौंपी जाएगी। भाजपा सूत्रों के अनुसार पहले पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना जाएगा और उसके बाद एनडीए अध्यक्ष की नियुक्ति की जाएगी। सूत्रों के अनुसार, यह अहम जिम्मा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह या रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जैसे कद्दावर नेताओं को दिया जा सकता है। एनडीए के एक घटक दल के नेता ने बताया कि गठबंधन को लंबे समय से एक ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता महसूस हो रही थी, जो सभी दलों के बीच समन्वय स्थापित कर सके। एक अन्य सहयोगी दल के वरिष्ठ नेता ने बताया कि एनडीए में शामिल 41 दल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बेहतर कार्य कर रहे हैं, लेकिन यह महसूस किया गया है कि एक वरिष्ठ नेता की आवश्यकता है। जिसके सामने सभी घटक दल अपने मुद्दे रख सकें, जिससे संवाद और तालमेल बेहतर हो सके।

## सड़क दुर्घटना में तीन युवकों की मौत

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता**

**समस्तीपुर।** अंगार घाट थाना क्षेत्र के समस्तीपुर-रोसड़ा मुख्य पथ पर राजेश्वर चौक के पास मंगलवार को दो बाइकों के बीच हुई टक्कर में तीन युवकों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान अंगार घाट थाना क्षेत्र के डढ़िया असाधार राजेश्वर चौक निवासी दिनेश पासवान के पुत्र श्रवण पासवान, बेगूसराय के खोदावंदपुर थाना अंतर्गत मालपुर गांव निवासी उमेश पासवान के पुत्र नीरज कुमार और विभूतिपुर थाना के सुरौली शाहपुर गांव निवासी नीतीश कुमार (16) के रूप में की गई है। स्थानीय राजेश्वर चौक निवासी सोनू कुमार ने कहा कि गांव का श्रवण कुमार पल्सर से अंगार घाट की ओर जा रहा था।

## विदेशी निवेशकों ने झारखंड में निवेश की दिखाई रुचि

**नवबिहार टाइम्स ब्यूरो**

**रांची।** विदेशी निवेशकों को आकर्षित करने के लिए इन दिनों मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य सरकार का उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल स्वीडन और स्पेन दौरे पर है। इस क्रम में राज्य सरकार की नीतियों से प्रभावित होकर कई क्षेत्रों में विदेशी निवेश के प्रस्ताव मिल रहे हैं। बार्सिलोना में आयोजित बैठक के दौरान राज्य सरकार को एक फुटबॉल क्लब ने यहां के खेल के विकास, विशेषकर फुटबॉल कोचों के प्रशिक्षण हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने का प्रस्ताव दिया है। यह सहयोग बार्सिलोना के उत्कृष्ट खेल इकोसिस्टम, झारखंड में खेल खास कर फुटबॉल के विकास को बढ़ावा देगा। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा दी गई

जानकारी के अनुसार इस यात्रा के क्रम में स्टार्टअप मेंटरशिप, क्लीन एनर्जी, पर्यावरणीय स्थिरता, सप्लाई चेन, बायो-फार्मास्यूटिकल्स, खेल विपणन, क्रिकेट टीम ओनरशिप, डीप-टेक बी2बी मार्केटिंग, लीगल, डेंटिस्ट्री और मेडटेक जैसे विभिन्न क्षेत्रों पर चर्चा हुई है। प्रतिनिधिमंडल ने उद्यमिता, नवाचार और स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए सुझाव दिए और झारखंड में एक जीवंत स्टार्टअप इकोसिस्टम के निर्माण में सहयोग देने की इच्छा जताई है। जानी-मानी कंपनी टेसला ने राज्य में निवेश की इच्छा जताई है। यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री ने टेसला ग्रुप एएस (चेकोस्लोवाकिया) के सीईओ एवं सह-संस्थापक डुशान लिचार्डस से भी भेंट की है। उन्होंने झारखंड में एक गीगा फैक्ट्री स्थापित करने का प्रस्ताव दिया, जो वाणिज्यिक और औद्योगिक बैटरी भंडारण उत्पादों के असेंबली पर केंद्रित होगी। यह संयंत्र नवीकरणीय ऊर्जा भंडारण के क्षेत्र में कंपनी के रोमानिया के ब्रेइला में किए गए निवेश के समान होगा। मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि स्पेनिश कंपनियों के साथ सतत संवाद, बैठकें और कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे ताकि, सहयोग की दिशा में ठोस प्रगति हो सके।

## संवाद कार्यक्रम से शासन में और सुदृढ़ होगा नागरिकों का विश्वास : नीतीश

**नवबिहार टाइम्स ब्यूरो**

**पटना।** मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज 1, अण्णे मार्ग स्थित 'संकल्प' में नगर विकास एवं आवास विभाग के अन्तर्गत 'आपका शहर आपकी बात' बिहार में शहरीकरण के बढ़ते कदम कार्यक्रम की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान नगर विकास एवं आवास विभाग के सचिव अभय कुमार सिंह ने बताया कि ईसाई धर्मगुरू पोप फ्रांसिस के निधन के कारण देश में राष्ट्रीय शोक घोषित है इसके चलते 'आपका शहर आपकी बात' कार्यक्रम अभियान का शुभारंभ 25 अप्रैल को किया जायेगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इसमें नागरिकों की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित किया जा रहा है। जिला प्रशासन एवं निकायों के अधिकारी आम जन से संवाद स्थापित कर उनकी प्राथमिकताओं एवं आवश्यकताओं को जानेंगे और विकास योजनाओं को उनके अनुसार प्राथमिकता देंगे। इस पहल से न केवल नगरों की भौतिक स्थिति में सुधार होगा, बल्कि नागरिकों का शासन में विश्वास और सुदृढ़ होगा। मुख्यमंत्री के इस दूरदर्शी विचार के अनुरूप यह अभियान शहरी जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने तथा सशक्त और समावेशी शहरी बिहार के निर्माण की दिशा में एक प्रभावी प्रयास है। ज्ञातव्य है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार, शहरी विकास को एक समावेशी जनोन्मुखी एवं भागीदारी आधारित प्रक्रिया मानते हुए निरंतर कार्य कर रही है। इस दिशा में 'आपका शहर आपकी बात' बिहार में शहरीकरण के बढ़ते कदम कार्यक्रम का शुभारंभ एक महत्वपूर्ण कदम होगा जिसका उद्देश्य शहरी क्षेत्री में नागरिकों को बुनियादी सुविधाएं सुलभ कराना एवं विकास कार्यों को जन सहभागिता से गति देना है। राज्य में 2006 में 123 नगर निकाय थे जो वर्ष 2025 में बढ़कर 261 हो गये हैं और बेहतर ढंग से फंक्शनल है। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार राज्य की शहरी जनसंख्या 1.57 करोड़ है जो कि राज्य की कुल जनसख्या का 15.23 प्रतिशत है। इन आंकड़ों से यह स्पष्ट है कि शहरीकरण तेजी से बढ़ रहा है और इसके साथ ही नागरिक सुविधाओं की मांग भी बढ़ी है। शहरीकरण के तेजी से बढ़ते क्रम में कई ऐसे क्षेत्र चिन्हित किए गए हैं जहां नागरिकों को आवश्यक सुविधाओं जैसे आवास, सड़क, नाला, पार्क, स्ट्रीट लाइट, बहुउद्देशीय सम्राट अशोक भवन घाट, मोक्षधाम, स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज, जलापूर्ति, शौचालय एवं सिवरेज आदि की उपलब्धता एवं उन्नयन अत्यंत आवश्यक है ताकि शहरी जीवन को सुगम और व्यवस्थित बनाया जा सके। कार्यक्रम के दौरान 'आपका शहर आपकी बात' कार्यक्रम पर आधारित एक लघु फिल्म प्रस्तुत की गई। मुख्यमंत्री ने 'आपका शहर आपकी बात' विवरणिका का अवलोकन किया और मोबाइल ऐप से सूचना संग्रहण की जानकारी ली। समीक्षा के पश्चात मुख्यमंत्री ने 1, अण्णे मार्ग में 'आपका शहर आपकी बात' जागरूकता रथ का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, नगर विकास एवं आवास मंत्री जिवेश कुमार, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, विकास आयुक्त प्रत्यय अमृत, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ, नगर विकास एवं आवास विभाग के सचिव अभय कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, नगर विकास एवं आवास विभाग के विशेष सचिव अनिमेश कुमार पराशर, नगर विकास एवं आवास विभाग की अपर सचिव वर्षा सिंह, नगर विकास एवं आवास विभाग के अपर सचिव विजय प्रकाश मीणा, राजीव कुमार श्रीवास्तव सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।


FOR REGISTRATION : ISO, TRADE MARK, PATENT

DESIGN AND COPYRIGHT, ATTORNEY

GLOBAL VISION

(A Complete Solution in Professional Services)

: Regd. Office/ Head Office :

Manaitand, Near Water Tank

Dhanbad, Jharkhand- 826001

Command Office : Jagat Trade Centre, Patna

Contact No.- 9835333441, 8210823092

E-Mail : globalvision96@yahoo.in

# बिहार को मिलेगी नमो भारत और अमृत भारत हाई स्पीड ट्रेन की सौगात

**पटना, एजेंसी।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वंदे भारत, अमृत भारत और नमो भारत रैपिड रेल को आधुनिक भारतीय रेल की त्रिवेणी कहा है। इस त्रिवेणी की दो नई रेलगाड़ियां का परिचालन बिहार से होने वाला है। बिहार में पहले से ही कई वंदे भारत एक्सप्रेस का परिचालन किया जा रहा है, जबकि एक अमृत भारतीय एक्सप्रेस का परिचालन पहले से दरभंगा और आनंद विहार टर्मिनल के बीच वाया अयोध्या किया जा रहा है। हाल ही में, रेलवे ने बिहार के लिए कई नई परियोजनाएं स्वीकृत की है। पर्याप्त फंड आवंटन से पुरानी परियोजनाओं के निर्माण काम में भी तेजी आई है जिसकी बदौलत परियोजनाएं तेजी से पूरी हो रही हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बिहार की ऐसी ही तीन परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित भी करने वाले हैं। नई गाड़ियों के परिचालन और नवनिर्मित परियोजनाओं के प्रारंभ होने से बिहार का रेल परिदृश्य पहले से और भी बेहतर हो जाएगा। परियोजनाओं में सुपौल पिपरा नई लाइन, खगड़िया अलौली नई लाइन और हसनपुर विथान नई लाइन शामिल हैं। इन नई लाइनों पर दो पैसेंजर गाड़ियों का परिचालन भी प्रारंभ किया जाएगा। लेकिन बिहार वासियों के बीच सबसे अधिक उत्साह नमो भारत रैपिड रेल और सहरसा से लोकमान्य तिलक के बीच प्रारंभ की जा रही है अमृत भारत एक्सप्रेस के परिचालन को लेकर है। नमो भारत रैपिड रेल वंदे भारत एक्सप्रेस के साथ ही ने भारत की नई पहचान बनी है।

कम दूरी के शहरों के बीच विश्वस्तरीय रेल सेवा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तैयार किए गए नमो भारत रैपिड रेल ने इंटरसिटी ट्रैवल के क्षेत्र में एक नया मुकाम गढ़ा है। पहले नमो भारत रैपिड रेल का परिचालन गुजरात के अहमदाबाद और भुज के बीच किया गया और अब दूसरी नमो भारत रैपिड रेल का परिचालन जयनगर और पटना के बीच किए जाने की घोषणा की गई है।

### 16 कोच वाली नमो भारत

पहले नमो भारत में जहां एयर कंडीशन्ड 12 कोच थे, वहीं बिहार की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए जयनगर-पटना नमो भारत रैपिड रेल में 16 कोचों की व्यवस्था की गई है। जिसमें 2000 से अधिक यात्री एक साथ सफर कर सकते हैं। नमो भारत रैपिड रेल जो मेड इन इंडिया कार्यक्रम के तहत बनाया गया है, कई नए सेफ्टी एवं पैसेंजर एमेनिटी फीचर से लैस है। इस ट्रेन में कवच सुरक्षा सिस्टम लगाया गया है।

### सीसीटीवी और एडवांस टेक्नोलॉजी से लैस

सभी कोचों में सीसीटीवी तथा फायर डिटेक्शन सिस्टम भी इंस्टॉल किया गया है। आपातकालीन स्थिति में ट्रेन के मैनेजर से यात्री बात कर सकें, इसके लिए प्रत्येक कोच में आपातकालीन टॉकबैक सिस्टम भी लगाया गया है। वंदे भारत एक्सप्रेस की तर्ज पर नमो भारत रैपिड रेल में भी दोनों छोर पर लोको पायलट कैब लगाया गया है जिससे इंजन रिवर्सल की समस्या समाप्त हो गई है। इस ट्रेन में यात्रियों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की एर्गोनॉमिकली डिजाइन सीटें लगाई गई है जो काफी कंफर्टेबल हैं।

### नमो भारत में एडवांस वॉशरूम

ट्रेन में यात्रियों की सुविधा के लिए टाइप सी और टाइप ए चार्जिंग सॉकेट लगाए गए हैं। ट्रेन के सभी टॉयलेट्स को आधुनिक वैक्यूम आधारित बनाया गया है। दिव्यांगों के लिए अलग से फ्रेंडली शौचालय की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। ट्रेन में ऑटोमेटिक दरवाजे और डस्ट प्रूफ शील्ड गैंगवे की व्यवस्था की गई है। ट्रेन में सेमी परमानेंट कपलर भी लगाए गए हैं। मेट्रो ट्रेन की तर्ज पर रेलवे ओपन लाइन में पहली बार हर कोच में रूट मैप इंडिकेटर की व्यवस्था की गई है जो यात्रियों को आने वाले स्टेशनों के संबंध में जानकारी देगी।

### 130 किमी/ घंटे की रफ्तार से दौड़ेगी अमृत भारत

सहरसा से लोकमान्य तिलक टर्मिनस के लिए चलाई जाने वाली अमृत भारत एक्सप्रेस देश की तीसरी अमृत भारत एक्सप्रेस है। पहले दो अमृत भारतीय एक्सप्रेस गाड़ियों का परिचालन दरभंगा से आनंद विहार टर्मिनल तथा मालदा टाउन से कर एम विश्वेश्वरैया टर्मिनल बेंगलुरू के बीच में किया जा रहा है। इस अमृत भारत एक्सप्रेस को 130 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार के हिसाब से डिजाइन किया गया है।

### अमृत भारत एक्सप्रेस

इस आधुनिक ट्रेन का निर्माण मेड इन इंडिया अभियान के तहत इंटीग्रेटेड कोच फैक्ट्री, श्री पेरम्बूर, चेन्नई में किया गया है। ट्रेन में पुश एंड पुल टेक्नोलॉजी है जिससे गाड़ी को दोनों दिशाओं में चलाया जा सकता है। वंदे भारत की तरह की सुविधा इस नॉन एसी एक्सप्रेस में उपलब्ध कराई गई है। इसके सभी कोच स्लीपर और नॉन एसी अनरिजर्व्ड क्लास के होंगे।

## बेटी के जन्म पर पौधे लगवाते हैं , अबतक 5 लाख लगवा चुके

**पटना, एजेंसी।** लोग खुली हवा में सांस ले सकें, इसके लिए ग्रीन पाठशाला काम कर रही है। ऑक्सीजन बचाओ हरित यात्रा अभियान के तहत राजेश कुमार सुमन इन दिनों पर्यावरण संरक्षण का संदेश दे रहे हैं। वह किसी के घर बेटी के जन्म लेने पर उसके नाम से पौधा लगवाते हैं। पौधे का नाम भी बच्ची के नाम पर होता है, ताकि बच्ची की तरह पौधे की देखभाल भी हो सके। यही नहीं, बच्चों के जन्मदिन पर भी राजेश कुमार सुमन गिफ्ट के रूप में पौधे देते हैं। वे लोगों से अपील करते हैं कि जन्मदिन पर केक काटने के साथ ही पौधा गिफ्ट में दें। जब पौधे बड़े होंगे, तो हर साल उस जन्मदिन की याद आएगी। वह शादी में वर-वधू को पौधे ही गिफ्ट करते हैं। वे बताते हैं कि इस हरित यात्रा के तहत पांच लाख से अधिक पौधे लगा चुके हैं। राजेश कुमार सुमन अपनी पीठ पर पानी का खाली जार लेकर चलते हैं। इस जार में एक पौधा होता है, जिससे निकली पाइप को नाक तक लगाए रखते हैं। इसके माध्यम से वह संदेश देते हैं कि पौधे ऑक्सीजन देते हैं। अगर हमें प्रदूषण से बचना है, तो पौधरोपण करना होगा।

वरना, आने वाले समय में हर किसी को पीठ पर ऑक्सीजन सिलेंडर लेकर चलना होगा। उन्होंने साल 2008 में इस अभियान की शुरुआत की थी। अब तक करीब 25 राज्यों में 80 हजार किलोमीटर की यात्रा कर लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक कर चुके हैं। पर्यावरण भारती भी इस काम में जुटी पर्यावरण भारती बिहार के अलग-अलग स्थानों पर पर्यावरण संरक्षण को लेकर काम कर रही है। इसकी शुरुआत अजीत कुमार सिन्हा ने 2008 की है। यह संस्था पटना, जमुई, लखीसराय, कैमूर, आरा, बक्सर, वैशाली, मुजफ्फरपुर, खगड़िया, गया, सासाराम, नवादा सहित अन्य स्थानों पर अभियान चला रही है।

## बालू घोटाला : खनन अधिकारी ने ठेकेदारों का 33 करोड़ का जुर्माना 33 लाख में सेट किया, अब गिरी गाज

**पटना, एजेंसी।** गया जिले के चार बालू घाट संवेदकों से दो साल पुराने मामले में 30.69 करोड़ रुपये जुर्माना की वसूली होगी। साथ ही जुर्माना राशि को 33 लाख तक घटा देने वाली आरोपित तथा निलंबित जिला खनन पदाधिकारी निधि भारती के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही होगी। सोमवार को खान एवं भूतत्व विभाग के मंत्री सह उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने विभागीय कक्ष में आयोजित प्रेस वार्ता में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि खान आयुक्त के न्यायालय ने स्वत~संज्ञान लेते हुए फरवरी से जून 2023 के

बीच गया के चार बालू क्लस्टर खिजरसराय, बैजूधाम, बनाही एवं महुआमा और विष्णुबिगहा में बालू उत्खनन की जांच कराई थी।

जिसमें मिली अनियमितता के बाद खिजरसराय बालूघाट के संचालक मेसर्स जय भगवती माइंस पर करीब 19.35 करोड़, बैजूधाम बालूघाट के संचालक रंजीत कुमार पर 8.14 करोड़, बनाही एवं महुआमा बालूघाट के संचालक मेसर्स मलिक ट्रांसपोर्ट पर करीब 3.28 करोड़ और विष्णु विगहा बालूघाट के संचालक रामजी प्रसाद सिन्हा पर 48.83 लाख रुपये का जुर्माना लगाया था। जुर्माने के खिलाफ घाट संवेदक हाईकोर्ट भी गये, लेकिन सभी मामलों में परिवाद अमान्य करार दिए गए। मंत्री ने बताया कि गया की तत्कालीन खनिज विकास पदाधिकारी निधि भारती ने उस वर्ष मानसून के बाद अधिरोपित जुर्माना की राशि को आश्चर्यजनक रूप से संशोधित कर बेहद कम मात्र 33 लाख कर दिया। यह राजस्व सग्रहण को प्रभावित करने के साथ ही नियमों की भी प्रत्यक्ष अवहेलना का मामला है। मामला संज्ञान में आते ही नवंबर 2024 में खान निदेशक की अध्यक्षता में समिति गठित कर मामले की पुन~जांच शुरू की गयी। इस समिति ने दिसंबर 2024 में अपनी रिपोर्ट दी।

## राज्य में बंद पड़ी जलापूर्ति योजना को 24 घंटे में दुरुस्त करें अधिकारी : मंत्री

**पटना, एजेंसी।** लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण मंत्री नीरज कुमार सिंह ने राज्य में खराब एवं बंद जलापूर्ति योजनाओं को 24 घंटे में दुरुस्त कर चालू करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि जीरो ऑफिस डे अभियान चलाकर सभी 19,751 जलापूर्ति योजनाओं का निरीक्षण कराया गया है। इनमें 19,402 योजनाएं क्रियाशील मिली हैं। 84 योजनाओं में आंशिक तकनीकी या संचालन संबंधी कमियां मिली हैं। 345 योजनाएं बंद हैं। इन बंद योजनाओं में से 155 को तत्काल चालू कराया गया है। अबतक 19,557 योजनाएं चालू हो गई हैं। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित कार्यपालक अभियंताओं को जांच में असंतोषजनक और बंद स्थिति में पाई जाने वाली सभी योजनाओं को 24 घंटे के भीतर पूरी तरह दुरुस्त करने का निर्देश दिया गया है। जलापूर्ति योजना से संबंधित किसी भी कमी का समाधान तय समयसीमा में किया जाना अनिवार्य है। इसकी अद्यतन स्थिति को विभागीय प्रबंधन सूचना (एमआईएस) पर दर्ज करना सुनिश्चित किया गया है। अभियान के दौरान पेयजल ऐप और विभागीय प्रबंधन सूचना प्रणाली के माध्यम से योजनाओं की निगरानी की गई है। इससे निरीक्षण प्रक्रिया अधिक पारदर्शी होगी।

# पाटलिपुत्र यूनिवर्सिटी में 25 मई से शुरू होगा एडमिशन

**1 लाख 20 हजार सीटों पर होगा नामांकन, 30 जून तक स्टूडेंट्स कर सकते हैं अप्लाई**

**पटना, एजेंसी।** पाटलिपुत्र यूनिवर्सिटी में नए सत्र 2025-2029 स्नातक में नामांकन की प्रक्रिया 25 मई से शुरू होगी। यह नामांकन 1 लाख 20 हजार सीटों के लिए होगा। यह नामांकन चार वर्षीय च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम के तहत होगी। स्नातक फर्स्ट सेमेस्टर 2025-2029 के लिए नामांकन की आखिरी तारीख 30 जून है। इसके लिए कुलपति प्रो शरद कुमार यादव की अध्यक्षता में नामांकन कमेटी की बैठक में स्वीकृति प्रदान कर दी थी। वहीं, 4 जुलाई से नए सत्र शुरू कर दिया जाएगा।

### 30 अप्रैल को खत्म होगा सेकंड सेमेस्टर का क्लास

स्नातक के सेकंड सेमेस्टर सत्र 2024-28 का क्लास 30 अप्रैल को समाप्त हो जाएगा और 2 जून से परीक्षा शुरू हो जाएगी। वहीं, स्नातक थर्ड सेमेस्टर 2024-28 का क्लास 1 जुलाई से शुरू होगा जो की 2 नवंबर तक चलेगा। इसकी परीक्षा 1 दिसंबर से शुरू होगी। इसके साथ ही स्नातक फर्स्ट सेमेस्टर 2025-2029 के लिए क्लास 4 जुलाई से शुरू होकर 22 नवंबर तक चलेगी। इसकी परीक्षा 1 दिसंबर से होगी।

### एकेडमिक कैलेंडर के अनुसार ही होंगे सभी काम

दरअसल, पीपीयू के एकेडमिक कैलेंडर के अनुसार ही सभी काम किए जाएंगे। कुलपति ने एकेडमिक कैलेंडर तैयार कर राजभवन और सरकार को भी भेजा दिया था। शैक्षणिक सत्र को लगातार अपडेट रखते हुए नए सत्र में भी तय सीमा के अंदर सभी परीक्षाएं आयोजित कराने का लक्ष्य रखा गया है। इस एकेडमिक कैलेंडर में प्रवेश, परीक्षा के समय की भी घोषणा कर दी गई है।

## तेज रफ्तार वाहन ने छात्र को मारी टक्कर, मौत~वैशाली में घर से कॉलेज के लिए निकला था ; ऑटो से उतरते ही कुचला

**हाजीपुर (वैशाली), एजेंसी।** वैशाली के राजापाकर थाना क्षेत्र में एक तेज रफ्तार अज्ञात ने कॉलेज जा रहे एक छात्र को टक्कर मार दिया। इस हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे स्थानीय लोगों की मदद से राजापाकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया और घटना की जानकारी राजापाकर थाने की पुलिस को दी गई। वहीं अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान अलीपुर रविदास चौक निवासी रंजीत दास के पुत्र बबलू कुमार के रूप में हुई है। मृतक के परिजनों ने बतया कि बबलू घर से कॉलेज जाने के लिए निकला था। जहां वह रविदास चौक पर टेंपू से उतरा था। इसी दौरान एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। वहीं अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

### वाहन की तलाश जारी

पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। वहीं अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है।

# चिराग इस बार विधान सभा का चुनाव लड़ सकते हैं: अरुण भारती

**पटना, एजेंसी।** लोजपा (आर) के जमुई से सांसद और चिराग पासवान के जीजा अरुण भारती ने कहा है कि अगर पार्टी आदेश करेगी तो केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान इस बार विधान सभा का चुनाव लड़ सकते हैं। उन्होन कहा कि पार्टी के कार्यकर्ताओं और समर्थकों की आकांक्षा है कि चिराग बिहार में बड़ी जिम्मेदारी संभालें। अरुण भारती सोमवार को पटना एयरपोर्ट पर मीडिया से बात कर रहे थे। उन्होने कहा कि चिराग की बिहार में बड़ी जिम्मेदारी संभालने की बात गठबंधन के बीच भी होगी, इसके बाद ही कोई फैसला होगा। आपको बता दें इससे पहले रविवार को युवा लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की राज्य कार्यकारिणी समिति की बैठक हुई। इसमें पदाधिकारियों ने कहा कि युवा लोजपा-रा पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान को मुख्यमंत्री बनाने के लिए कृत संकल्पित है। समिति की बैठक में युवा लोजपा आर के प्रदेश अध्यक्ष वेद प्रकाश पांडेय ने कहा कि चिराग पासवान के बिहार फर्स्ट-बिहारी फर्स्ट के विजन को जन-जन तक हमलोग पहुंचाएंगे। उन्होंने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान को 2025 में बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने का निमंत्रण भी दिया है। साथ ही चिराग पासवान से मांग की है कि युवाओं को 15 सीटों पर वह चुनाव लड़ाएं। इससे पहले हाल ही चिराग भी कह चुके हैं कि वह ज्यादा समय तक केंद्र की राजनीति में नहीं रहना चाहते और उनको बिहार बुला रहा है। उनके लिए सांसद बनने से ज्यादा महत्वपूर्ण एक विधायक की भूमिका होगी। ये फैसला आने वाले दिनों में पार्टी को ही लेना है। मेरा राजनीति में आने का कारण ही बिहार और बिहारी रहे हैं। राज्य में रहकर बिहार के लिए ज्यादा काम कर सकूं। बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट की सोच को धरातल पर उतार सकूं। आपको बता दें चिराग पासवान हाजीपुर से सांसद हैं।

## मवेशी चोरी का आरोपित गिरफ्तार

**भागलपुर, एजेंसी।** बीते दिनों नाथनगर थाना क्षेत्र के चंपानगर की रहने वाली महिला चंदा देवी ने अपने सूअर की चोरी करने का केस श्याम हरि के खिलाफ दर्ज कराया था। मामला सत्य पाए जाने पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इंस्पेक्टर राजीव रंजन सिंह ने बताया कि अभियुक्त को सोमवार के दिन जेल भेज दिया गया है। चोरी हुआ मवेशी भी पीड़िता को वापस कराया गया है।

# केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने कॉमन स्कूल सिस्टम पर सरकार की मंशा पर खड़े किए सवाल

**मांझी बोले- सरकार की नीयत में ही खोट है, नीतीश कुमार सीएम हैं और आगे भी रहेंगे**

**गया, एजेंसी।** गया के खरखुरा में केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने कॉमन स्कूल सिस्टम पर सरकार की मंशा पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि आखिर किससे डर से इसे लागू नहीं किया जा रहा। सरकार की नीयत में ही खोट है। तभी समान शिक्षा का सपना अब तक अधूरा है। न पिछली सरकारों में हिम्मत थी और न ही मौजूदा सरकार में। सीएम फेस के सवाल पर उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव इंडी गठबंधन के संयोजक हो सकते हैं, लेकिन मुख्यमंत्री नहीं। बिहार में सीएम पद की कोई वैकेंसी नहीं है। नीतीश कुमार ही सीएम हैं और आगे भी रहेंगे। 2025 में एनडीए की अगुवाई में 225 जीतकर सरकार बनाएंगे। हम एनडीए में हैं। बैठकर हमलोग तय करेंगे कि कौन कहां से चुनाव लड़ेगा। हमारी पार्टी की पूरी तैयारी है। हमारे कार्यकर्ता बोलते हैं कि कम से कम 40 सीटों पर चुनाव लड़ना चाहिए। अगर 20 सीट पर भी हमलोग जीत गए तो, सीएम रहने के दौरान जो हमने कहा था उसे पूरा कराएंगे।

### मुस्लिम संस्थानों में गैर मुस्लिम क्यों ?

समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी वक्फ कानून पर भी खुलकर बोले। उन्होंने कहा कि हां मुझे उस प्रावधान पर आपत्ति है, जिसमें गैर मुस्लिमों के प्रवेश की बात है। जब हिंदू मठों में गैर हिंदू नहीं हो सकते हैं तो फिर मुस्लिम संस्थानों में गैर मुस्लिम क्यों। हम इसके खिलाफ अंतिम सांस तक लड़ेंगे। सरकार से कहेंगे, यह एकतरफा है। इसे संशोधित किया जाना चाहिए। वहीं, आरजेडी नेता प्रो. चंद्रशेखर के पाखंडियों वाले बयान कहा -वो विद्वान जरूर हैं। लेकिन हमारे बारे में जो कहा है उसे सुधार लें या हम उसे स्पष्ट कर देते हैं। हम मंदिर-मस्जिद में पूजा करने नहीं, बल्कि भावनाओं का सम्मान करने जाते हैं। किसी की भावना का आदर करना रूढ़िवादिता नहीं है।

## भोजपुरी गायिका अनुपमा यादव पर धोखाधड़ी का केस

**सासाराम (रोहतास), एजेंसी।** रोहतास के धर्मपुरा थाने में भोजपुरी गायिका अनुपमा यादव के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है। इस मामले में करगहर पूर्वी के जिला परिषद सदस्य महावीर साह ने शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के अनुसार, हनुमान जयंती के मौके पर धर्मपुरा गांव में कार्यक्रम के लिए अनुपमा यादव से डेढ़ लाख रुपए में करार हुआ था। जिसे लेकर एडवांस के रूप में पहले उनके एजेंट ने 36 हजार रुपए लिए। बाद में अनुपमा यादव ने खुद 25 हजार रुपए और लिए।कार्यक्रम में बिहार सरकार के मंत्री केदार गुप्ता, पूर्व मंत्री जयकुमार सिंह, एमएलसी राधाचरण सेठ समेत कई गणमान्य लोग मौजूद थे। लेकिन अनुपमा

यादव कार्यक्रम में नहीं पहुंचीं और न ही एडवांस के पैसे वापस किए। धर्मपुरा थाने में केस नंबर 48/2025 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। गौरतलब है कि अनुपमा यादव भोजपुरी की जानी-मानी गायिका हैं। उन्होंने कई फिल्मों और एल्बम में गाने गाए हैं। लोकसभा चुनाव के दौरान वह पवन सिंह के चुनावी अभियान में भी शामिल हुई थीं।

# नीट की तैयारी कर रहे छात्र ने की आत्महत्या

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता**

**छपरा/कोटा।** राजस्थान के कोटा में नीट की तैयारी कर रहे बिहार के सारण जिले के एक छात्र ने आत्महत्या कर ली है। मृतक छात्र सारण जिले के एक थाना क्षेत्र के निवासी था। 17 वर्षीय यह छात्र बीते एक साल से कोटा के एक कोचिंग संस्थान में मेडिकल की तैयारी कर रहा था। मंगलवार को उसका शव हॉस्टल के कमरे में पंखे से लटका मिला। मौके से पुलिस ने एक सुसाइड नोट भी बरामद किया है। कोटा के कुन्हाड़ी थाना क्षेत्र की पुलिस के अनुसार छात्र ने मंगलवार सुबह अपनी बहन को एक वॉट्सएप मैसेज भेजा था। मैसेज पढ़ते ही बहन ने हॉस्टल के केयरटेकर से संपर्क कर अपने भाई की स्थिति देखने को कहा। जब केयरटेकर ने कमरे का दरवाजा खटखटाया और कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली, तो पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा तोड़कर अंदर दाखिल हुई, जहां छात्र का शव पंखे से लटका मिला। कोटा के कुन्हाड़ी थाना क्षेत्र के पुलिस अधिकारी अरविंद सिंह भारद्वाज ने बताया कि छात्र के कमरे में आत्महत्या-रोधी स्प्रिंग-लोडेड पंखा लगा था, फिर भी छात्र ने रस्सी को उपकरण के ऊपर लगे हुक से बांधकर जान दे दी। कमरे से बरामद सुसाइड नोट में लिखा है कि उसकी मौत के लिए न तो परिवार जिम्मेदार है और न ही कोई अन्य व्यक्ति या पारिवारिक दबाव। छात्र ने अनुरोध किया है कि उसकी और उसके परिजनों की पहचान सार्वजनिक न की जाए।

छात्र के सुसाइड से परिवार में कोहराम मच गया है। परिजन सूचना मिलते ही कोटा के लिए रवाना हो गए हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की छानबीन कर रही है। बिना परिजनों की अनुमति के अतिरिक्त जानकारी साझा नहीं की गई है। बता दें कि कोटा में इस साल आत्महत्या का यह 12वां मामला है। बीते वर्ष 2023 में यहां 20 छात्रों ने आत्महत्या की थी। जबकि पूरे राजस्थान में यह संख्या 23 थी। प्रशासन ने ऐसे मामलों की रोकथाम के लिए हॉस्टलों में स्प्रिंग-लोडेड पंखे लगाने का निर्देश दिया था, लेकिन घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं।

## विभिन्न मामलों के छह आरोपित गिरफ्तार

**नवबिहार टाइम्स ब्यूरो**

**बेतिया।** विभिन्न थाने की पुलिस सोमवार को छापेमारी कर अलग-अलग मामले के छह आरोपियों को गिरफ्तार की है। पुलिस के मीडिया सेल प्रभारी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि विभिन्न थाने की पुलिस की ओर से की गई कार्रवाई में छह अभियुक्त गिरफ्तार किए गए हैं। इसमें से चार की गिरफ्तारी उत्पाद अधिनियम के तहत की गई है। अजमानतिय नौ वारंट का निष्पादन किया गया है। पुलिस इन सभी को न्यायिक हिरासत में भेज दी है। विगत 24 घंटे में पुलिस की कार्रवाई में 43 लीटर शराब जब्त किया गया है। अपराध नियंत्रण के उद्देश्य से चलाए गए वाहन जांच के दौरान पुलिस यातायात नियमों का उल्लंघन करने और आधे अधूरे कागजात वाले वाहन चालकों से दो लाख 41 हजार रुपये जुर्माना वसूल की है।

# कोलकाता की कंपनी ने निवेशकों को ठगा, एक व्यक्ति से 3 लाख और दूसरे से 15 लाख हड़पे

**नवबिहार टाइम्स ब्यूरो**

**पलामू।** शेयर ट्रेडिंग के नाम पर कोलकाता की एक कंपनी ने कई निवेशकों के साथ बड़ी धोखाधड़ी की है। सुदना के पटेल नगर निवासी सतेंद्र ठाकुर ने शहर थाने में इस संबंध में शिकायत दर्ज करने के लिए आवेदन दिया है। सतेंद्र ने बताया कि उन्होंने 2014 से 2016 के बीच सोबरन कॉम्प्ट्रेड प्राइवेट लिमिटेड में 3 लाख रुपए का निवेश किया था। यह कंपनी कोलकाता के टॉलीगंज में स्थित रीजेंट पैलेस में पंजीकृत थी। सतेंद्र ने आईडीबीआई बैंक के माध्यम से पैसे जमा किए थे।**अब कंपनी का कार्यालय भी बंद:** कंपनी ने शुरुआत में सिर्फ 20 हजार रुपए का भुगतान किया। इसके बाद पैसों का भुगतान बंद कर दिया। सतेंद्र जब कोलकाता गए तो कंपनी के एमडी प्रियांशु राणा और सीएमडी बिरेन मेहता ने भुगतान का आश्वासन दिया, लेकिन बाद में उन्होंने फोन उठाना भी बंद कर दिया। अब कंपनी का कार्यालय भी बंद है। इसी तरह पलामू जिले के चामा गांव के 60 वर्षीय मोहन राम ने भी 15 लाख रुपये का निवेश किया था। कंपनी ने उन्हें हर महीने 5 प्रतिशत रिटर्न का वादा किया था, लेकिन उन्हें एक रुपए भी नहीं मिले। शिकायतकर्ताओं के अनुसार, कंपनी ने कई अन्य लोगों के साथ भी इसी तरह की धोखाधड़ी की है।

# पृथ्वी प्रकृति की है अनमोल धरोहर : श्रीकांत सिंह

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता**

**नारदीगंज,नवादा।** पेंशनर भवन नारदीगंज में मंगलवार को पृथ्वी दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया ।अध्यक्षता समाज प्रखंड अध्यक्ष रामधनी प्रसाद ने की। सचिव श्रीकांत सिंह ने पृथ्वी को संरक्षित करने का संकल्प को दोहराते हुए कहा पृथ्वी प्रकृति का अनमोल धरोहर है। इसकी सुरक्षा करना मानव प्राणी का दायित्व है। आज पृथ्वी पर पर्यावरण को नष्ट कर के विश्व में ग्लोबल वार्मिंग पैदा करने में मौसमी जलवायु खतरनाक अवस्था में आ गया है। जिस पर विश्व के सभी देश चिंतित हैं। उसका उपाय सोचने के लिए विश्व गंभीर है। इसकी अनुगामी में भारत से अपेक्षा भी की जा रही है। पर्यावरण दूषित होने से कार्बन डाइआक्साइड से उत्सर्जन होने से आक्सीजन की कमी हो जाएगी। आकाश पृथ्वी पर मानव जीवन उभर जाएगा। ऐसे में मानव को अधिकतम पेड़ पौधे वन आदि लगाने पर ध्यान देते हुए जागरूकता अभियान भी चलना होगा। ऐसे पौधे में आक्सीजन हैं, वह है तुलसी, पीपल नीम, बरगद का पेड़ है। पेंशनरों को चाहिए कि अपने अपने घरों में तुलसी का पौधा अवश्य लगावे तथा रेलवे के किनारे बंजर भूमि, नदी किनारे आदि स्थानों पर पेड़ लगाना का अभियान चला दें। वही सरकार को चाहिए कि समाज के सामने जल जीवन जमीन जंगल से जुड़ी समस्याओं से अवगत कराया जाय, ऐसे पौधे जो फलदार रसदार अथवा अन्य पौधों में लगाकर पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए जाए। एक पेड़ एक बच्चा अथवा सौ बच्चा का सामान माने जाएंगे।

# स्वास्थ्य सेवा को बेहतर बनाने के लिए रखी छह सूत्री मांग

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता**

**नारदीगंज (नवादा)।** आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पूर्व आईपीएस अभिजीत ठाकुर के दिशा निर्देश के आलोक में बिहार राज्य इकाई ने पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अरविन्द मिश्रा की अध्यक्षता में मंगलवार को नारदीगंज बाजार स्थित निजी भवन में बैठक हुई। पार्ट्री के प्रदेश अध्यक्ष श्री मिश्रा ने कहा पूरे देश में स्वास्थ्य सेवाओं की हालत खराब हो गई है। स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर आम जन के साथ भारी लूट मची हुई है। इसमें गुणवत्तापूर्ण सुधार के लिए बिहार राज्य में हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा। यह हस्ताक्षर अभियान गांव, प्रखंड व जिला स्तर पर चलाया जाएगा और इस हस्ताक्षर अभियान की कापी राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, राज्यपाल, स्वास्थ्य मंत्री समेत अन्य विभागीय अधिकारियों को भेजा जाएगा। उन्होंने कहा आजाद अधिकार सेना ने बीते 21 अप्रैल 2025 को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पूर्व आईपीएस अभिजीत ठाकुर ने पूरे देश में स्वास्थ्य सेवाओं के अत्यंत दयनीय स्थिति तथा स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर आम जन के साथ की जा रही भारी लूट के खिलाफ जिला मुख्यालय पर विरोध प्रदर्शन कर भारत की राष्ट्रपति के नाम छह सूत्रीय प्रत्यावेदन भी दिया है।जिसमे उन्होंने प्रत्यावेदन में कहा गया कि स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े तमाम ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर तत्काल कार्यवाही आवश्यक है। पार्टी द्वारा प्राइवेट चिकित्सालयों और निजी चिकित्सकों के खिलाफ आने वाली शिकायतों के निस्तारण के लिए प्रत्येक जिले में एक रिटायर्ड जिला जज की अध्यक्षता में स्वतंत्र स्वास्थ्य सेवा शिकायत आयोग का बनाते हुए उनके द्वारा 15 दिनों में शिकायत का निस्तारण कर शिकायतकर्ता को सूचित किए जाने की मांग की गई। इसी प्रकार प्रत्येक प्राइवेट चिकित्सालय को यथासंभव पारदर्शी बनाने और अपनी स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी दरों को सार्वजनिक किए जाने, प्रत्येक सरकारी डाक्टर के संबंध में प्राप्त शिकायतों का 15 दिनों में निस्तारण किए जाने तथा विभिन्न इलाजों और दवाओं के संबंध में अधिकतम धनराशि की सीमा तय किए जाने की मांग की गई। पार्टी द्वारा आयुष्मान भारत योजना से संबंधित तथ्यों को प्रत्येक जिले में सार्वजनिक किए जाने की मांग भी की गई। मौके पर प्रशांत तिवारी, बुन्देल मांझी, अर्जुन यादव, सुदामा पासवान, रामाशीष यादव, राजकुमार पांडेय समेत अन्य लोग शरीक हुए।

# सीएस ने किया अनुमंडलीय अस्पताल का निरीक्षण

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता**

**नरकटियागंज।** अनुमंडलीय अस्पताल का निरीक्षण मंगलवार को सिविल सर्जन डॉ विजय कुमार ने किया। इस दौरान सीएस ने अस्पताल में साफ सफाई, मरीजों को मिलने वाली मूलभूत सुविधाओं, ऑक्सीजन प्लांट, इमरजेंसी वार्ड, लेबर वार्ड, दीदी की रसोई, दवा वितरण, पोषण पुनर्वास केंद्र का आदि का जायजा लिया। वही निरीक्षण के दौरान सीएस ने लाइट की व्यवस्था को देख अस्पताल प्रबंधक को जमकर फटकार लगाई और इसे जल्द से जल्द ठीक कराने का निर्देश दिया। सीएस ने बताया कि पिछले दिनों वाल्मीकिनगर सांसद के निरीक्षण के दौरान अस्पताल ने शराब की खाली बोतले मिली थी। इसको लेकर जांच चल रहा है। उन्होंने ने बताया कि निरीक्षण के दौरान जो भी कमियां पाई गई है। उसे एक सप्ताह के अंदर ठीक करने का निर्देश दिया गया है।

# ट्रैक्टर की चपेट में आने से स्कूली छात्र की मौत

**नवबिहार टाइम्स ब्यूरो**

**नरकटियागंज।** शिकारपुर थाना के पचमवा चौक पर ईट लदे ट्रैक्टर की चपेट में आने से एक स्कूली छात्र की मौत हो गई। मृत स्कूली छात्र की पहचान फुलवरिया गाव निवासी रामजी चौधरी के 12 वर्षीय पुत्र राकेश कुमार उर्फ भुअर के रूप में की गई है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि राकेश घर से साइकिल से पिड़ारी गांव स्कूल के लिए निकला था इसी दौरान कॉपी खरीदने पचमवा चौक पर पहुंचा। स्कूल जाने के दौरान ईट लदे तेज गति से आ रही ट्रैक्टर ने उसे कुचल दिया। जिससे घटना स्थल पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद ग्रामीणों ने ट्रैक्टर पर सवार दो युवकों को पकड़कर धुनाई की और एक कमरे में बंधक बना दिया। सूचना पर पहुंची शिकारपुर पुलिस ने ट्रेक्टर को जब्त करने व शव को कब्जे में लेने की कोशिश की। किन्तु गुस्साए ग्रामीणों ने ट्रैक्टर जब्त करने व शव को उठाने से रोक दिया। बाद में पहुंचे थानाध्यक्ष ने लोगो को समझाते हुए बंधक बने दोनो युवकों को कमरे से बाहर निकाला और थाने भेज दिया। वही शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बेतिया भेज दिया। थानाध्यक्ष अवनीश कुमार ने बताया कि स्कूली बच्चे के शव को पोस्टमार्टम के लिए जीएमसीएच भेज दिया गया है। धराए दोनों युवकों से पुछताछ की जा रही है।पूछताछ में दोनो ने खुलासा किया है कि दोनो ट्रैक्टर के खलासी हैं। घटना के बाद चालक भाग निकला है। थानाध्यक्ष ने बताया कि मामले में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है उससे पुछताछ की जा रही है। जबकि दूसरे व्यक्ति के बारे में बताया जा रहा है कि वह ईंट ढोने वाला मजदूर है जांच पड़ताल करते हुए कार्रवाई की जा रही है।

## ई-रिक्शा पलटने से दो घायल

**मझौलिया।** थाना क्षेत्र के पारस पकड़ी मझौलिया सड़क धोकरहां के समीप अनियंत्रित होकर ई रिक्शा पलट गया। जिसमें दो लोग घायल हो गए। घटना की सूचना पर 112 की टीम ने पहुंचकर घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए जीएमसीएच रेफर कर दिया गया। घायलों की पहचान थाना क्षेत्र के चनायनबांध निवासी हरिनारायण प्रसाद 36 वर्ष वासुदेव भगत 45 वर्ष के रूप में की गई है।

# गुमला में सड़क निर्माण की मांग : एक दर्जन गांवों के लोगों ने रांची-नेतरहाट मार्ग किया जाम

**नवबिहार टाइम्स ब्यूरो**

**गुमला।** जिले के बिशुनपुर प्रखंड में सड़क निर्माण की मांग को लेकर सैकड़ों ग्रामीणों ने मंगलवार को रांची-नेतरहाट मार्ग को जाम कर दिया। जन संघर्ष समिति सेरका बिशुनपुर के नेतृत्व में हारुप सहित एक दर्जन गांवों के लोग बैनर और तख्तियां लेकर सड़क पर उतरे। प्रदर्शनकारियों की मुख्य मांग प्रखंड मुख्यालय से हाडुप तक 14 किलोमीटर सड़क के निर्माण की है। स्थानीय निवासी मंजिता देवी और बौधा ब्रिजिया ने बताया कि इस जर्जर सड़क की वजह से ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। **वोट बहिष्कार की घोषणा की थी :** ग्रामीणों का कहना है कि लोकसभा चुनाव से पहले उन्होंने वोट बहिष्कार की घोषणा की थी। तब प्रशासन ने 2025 में सड़क निर्माण शुरू करने का आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं होने से नाराज होकर उन्होंने यह प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने सड़क, बिजली और पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं की मांग को लेकर जमकर नारेबाजी की। जाम की वजह से मार्ग पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। शाम 4 बजे तक ग्रामीण सड़क पर डटे रहे। प्रखंड स्तर के अधिकारियों के समझाने के बावजूद प्रदर्शनकारी जिला मुख्यालय से वरिष्ठ अधिकारियों को बुलाने की मांग पर अड़े हुए हैं।

# भाकपा माले ने स्थापना दिवस पर पार्टी कार्यालय पर किया झंडोतोलन

**नवबिहार टाइम्स ब्यूरो**

**नवादा।** भाकपा माले ने महान लेनिन का 155वीं जन्मदिवस, पार्टी का 57वां स्थापना दिवस एवं शहीद कॉ सुरेन्द्र प्रसाद सिंह 35वीं शहादत को संयुक्त रूप से मनाया। कार्यक्रम के पूर्व शहीद कॉ सुरेन्द्र प्रसाद के आदम कद मूर्ति माल्यार्पण कर एक मिनट मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। जिसके बाद स्थापना दिवस के मौके पर जिला के वरीय नेता कॉ नरेंद्र सिंह ने झंडोत्तोलन किया। इस दौरान गर्मजोशी भरा नारा बुलंद किया गया। जिसमें महान लेनिन अमर रहे,कॉ सुरेन्द्र प्रसाद सिंह अमर रहे, नक्सलवाड़ी नहीं मरा है। भाकपा माले का स्थापना दिवस जिंदाबाद, तमाम वीर शहीदों को लाल सलाम, कॉ चारू मजूमदार को लाल सलाम जैसे नारे लगाए गए। भाकपा माले के प्रदेश नेता कॉ अमर ने कहा कि महान लेनिन का जन्मदिन, भाकपा माले स्थापना दिवस एवं कॉ सुरेन्द्र प्रसाद सिंह की शहादत दिवस मनाया जा रहा है लेकिन जब पूरा देश सामंती सांप्रदायिक फासीवादियों के द्वारा जनता पर युद्ध छेड़ दिया गया है।देश की संविधान और लोकतंत्र आज खतरे में है। इसे बचाने के लिए आगे आगे आना होगा। जिसके बाद पार्टी कार्यालय में कार्यकर्ताओं के साथ एक बैठक की गई। बैठक को संबोधित करते हुए कॉ अमर ने कहा कि आज देश में आरएसएस और भाजपा द्वारा सिर्फ लोगों के बीच हिन्दू - मुस्लिम का नफरत पैदा कर जरूरी मुद्दों से भटकाया जा रहा है। मोदी सरकार 10 वर्षों से सिर्फ देश में जाति उन्माद फैलाने का काम किया है। इसलिए ऐसी ताकतो से लड़ने के लिए भाकपा माले के एक एक कार्यकर्ता को तैयार रहने कि जरूरत है। मौके पर जिला सचिव कॉ भोला राम, शहीद सुरेन्द्र प्रसाद सिंह के पुत्र अजय कृष्णन,पौत्र अभिषेक कृष्णा,कॉ अजीत कुमार मेहता, जिला परिषद सह रजौली सचिव मेवालाल राजवंशी, सुदामा देवी, सावित्री देवी, अरूण कुशवाहा,मंटु कुमार, गोपगुट के नेता दिनेश प्रसाद, अनुज प्रसाद, महावीर मांझी , श्रीकांत महतो, सुरेंद्रनाथ गोस्वामी के अलावा सैकड़ों पार्टी कार्यकर्ता मौजूद थे।

# युवाओं को मतदाता सूची में नाम जोड़ने को लेकर करे जागरूक

**नवबिहार टाइम्स ब्यूरो**

**नरकटियागंज।** अनुमंडल कार्यालय प्रकोष्ठ में मंगलवार को अनुमंडल पदाधिकारी सूर्य प्रकाश गुप्ता की अध्यक्षता में सभी अधिकारियो एवं राजनीतिक दल के प्रतिनिधियो के साथ एक बैठक की गई। बैठक के दौरान 03 नरकटियागंज विधानसभा अंतर्गत मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2025 के बिन्दुओ पर विशेष चर्चा की गई। एसडीएम श्री गुप्ता ने बताया कि मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2025 को लेकर बैठक की गई है। बैठक में युवा मतदाता का नाम जोड़ने, मृत मतदाता का नाम हटाने आदि को लेकर सभी राजनीतिक दलों से चर्चा की गई है। खासकर महिला मतदाताओं को विशेष रूप से जागरूक कर हर बूथ स्तर पर नाम जोड़ा जाए ताकि मतदाता सूची लिंगानुपात हो सके। उन्होंने बताया कि निर्वाचन विभाग से मतदाता सूची में जनसंख्या के अनुसार जेंडर रेसिओ को लेकर एक पत्र जारी किया गया है जिसमे नरकटियागंज विधानसभा का नाम भी शामिल है। इसको लेकर सभी बीएलओ को प्रत्येक बूथ से युवा मतदाता का नाम जोड़ने को लेकर निर्देश दिया गया। सभी बीएलओ अपने बूथ पर प्राथमिकता के आधार पर महिला मतदाताओं का नाम जोड़ेंगे। उन्होंने बताया कि जनसंख्या के अनुसार जेंडर रेसिओ 906 होनी चाहिए। जबकि यहां का जेंडर रेसिओ 880 था हालांकि इसमें पांच अंक की बढ़ोतरी हुई है। अब यहां का जेंडर रेसिओ 885 है। मौके पर अपर निर्वाचन पदाधिकारी विवेक कुमार, डीसीएलआर चंद्रशेखर कुमारन, बीडीओ सूरज कुमार समेत सभी राजनीतिक दल के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

## जिले के सभी कलाकार शीघ्र ही करा लें अपना पंजीकरण

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता**

**बेतिया।** बिहार के कलाकारों को डिजिटल पहचान एवं व्यापक मंच प्रदान करने के उद्देश्य से कला, संस्कृति एवं युवा विभाग ने कलाकार पंजीकरण पोर्टल शुरू किया है। इस पोर्टल के माध्यम से बिहार एवं बिहार के बाहर रह कर काम करने वाले सभी विधाओं के कलाकार अपना पंजीकरण कर सकते हैं। जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी राकेश कुमार ने बताया कि इस पोर्टल पर जिले के सभी कलाकार शीघ्र ही अपना पंजीकरण कर लें जिससे कला संस्कृति एवं युवा विभाग के द्वारा संचालित योजनाओं एवं सांस्कृतिक मंचों पर उनकी पहुंच सुनिश्चित की जा सके। पंजीकरण के पश्चात प्रत्येक कलाकार को एक यूनिक आईडी प्रदान की जाएगी।

# राउरकेला से जयनगर स्पेशल ट्रेन चलाने की मांग

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता**

**झारखंड।** बिहार के मिथिला क्षेत्र से रांची के लिए झारखण्ड मैथिली मंच, रांची, के अनुरोध पर 15 वर्ष पूर्व रांची-जयनगर ट्रेन चालू हुआ था। बाद में इसे विस्तार देकर राउरकेला तक कर दिया गया है। इस कारण रांची की सीटें और भी कम हो गईं। विदित है कि रांची एवं आसपास के जिला में बिहार के मिथिला क्षेत्र के लाखों लोग निवास करते हैं। सभी का पैतृक संपत्ति एवं आवास मिथिला में है। फलतः हमेशा हजारों लोगों का का आना जाना लगा रहता है। वर्तमान में उक्त ट्रेन सप्ताह में तीन दिन ही चलता है जिससे काफी कठिनाई का सामना करना पड़ता है। अखिल भारतीय असंगठित कामगार कांग्रेस पूर्व राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य रणधीर झा ने बताया कि इस समस्या को ध्यान में रखते हुए झारखण्ड मैथिली मंच, रांची भारत सरकार से मांग करती है कि ट्रेन संख्या 08605 राउरकेला -जयनगर को सप्ताह के प्रत्येक दिन चलाने के लिए आवश्यक कदम उठाएं। इसके लिए मिथिला क्षेत्र सहित बिहार के करोड़ों लोगों के लिए झारखण्ड की यात्रा सुरक्षित एवं सुगम हो सके।

**पूर्व रेलवे**

निविदा सं.: एसडीएसटीई-एएलटी-बीडब्ल्यूएनआर आर आई-25-आरई2, दिनांक 21.04.2025; मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के निकट, हावड़ा-711101 द्वारा निविदा सं.: एसडीएसटीई-एएलटी-बीडब्ल्यूएनआर आर आई-25-आरई2 के तहत दो पैकेट प्रणाली में खुली निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। **बंद होने की तारीख 13.05.2025 को अपराह्न 3.00 बजे।** बोलीदातागण सिर्फ बंद होने की तारीख एवं समय तक अपनी मूल/संशोधित बोलियां जमा कर पाएंगे। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है तथा ऐसे प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। **कार्य का नामः** हावड़ा मंडल के एचडीएन रूट में ट्रैफिक सुविधा कार्य के संबंध में बर्द्धमान आरआरआई का बदलाव। **विज्ञापित मूल्यः** रु. 17,82,72,789.12; **बयाना राशि/बोली सुरक्षाः** रु. 10,41,400; **निविदा दस्तावेज की कीमतः** रु. 0/-; **प्रस्ताव की वैधताः** 90 दिन। **समापन अवधिः** 270 दिन। **बोली शुरू होने की तारीखः** 29.04.2025.

(HWH-39/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

# चमकी को धमकी देने के लिए विभाग तैयार

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता**

**मझौलिया।** चमकी को धमकी देने के लिए स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह से तैयार है उक्त बातें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मझौलिया में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ अनुपम प्रसाद की अध्यक्षता में आयोजित बीडब्लूआर की समीक्षात्मक बैठक के दौरान उन्होंने कहि।बताया कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में चल रहे योजनाओं और कार्यों की समीक्षा की गई। मौके पर स्वास्थ्यकर्मियों को कई आवश्यक दिशा निर्देश के साथ दूसरे विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों से समन्वय स्थापित कर चल रहे योजनाओं को गति देने पर बल दिया गया। एईएस व जेई के खतरे निबटने के लिये 102 एम्बुलेंस आपातकालीन स्थिति में उपलब्ध है। एएनएम को निर्देशित किया गया है कि हीट वेव के कारण मरीजों को समुचित इलाज हेतु संस्थान में वार्ड की व्यवस्था की गई है। बैठक में सभी प्रकार के दवाओं की उपलब्धता के बारे में विस्तृत रूप से चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य क्षेत्र में छोटे-छोटे बच्चों और माताओं के साथ-साथ ग्रामीण परिवेश के लिए योजनाएं चलाई जा रही है। जिसके सही ढंग से क्रियान्वयन और मॉनिटरिंग के लिए बीडब्लूआर की सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बैठक होती है और किए गये कार्यों की समीक्षा के साथ आगामी सप्ताह के लिए योजनाओं की रूपरेखा तैयार की जाती है।प्रभार चिकित्सा पदाधिकारी डॉ अनुपम प्रसाद ने एईएस से बचाव की जानकारी दी। कहा कि गर्मी की दस्तक आते ही बच्चों को विशेष रूप से ध्यान देना होगा। जिसमें बच्चों के माता-पिता की ज्यादा जिम्मेदारी होगी। एईएस का प्रकोप न बढ़े, इसके लिए सतर्कता व जागरूकता अभियान लोगों में चलाने का निर्णय लिया गया। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि बच्चों में कोई भी अनहोनी का झलक दिखलाई देते ही अस्पताल से सम्पर्क करें। मौके पर डॉ.सुमित कुमार,डॉ.मेराजुल हक, सकील अहमद, राहुल कुमार, संजू कुमारी, रविन्द्र कुमार, पुरुषोत्तम चौबे, धर्मेंद्र कुमार, सहित अन्य उपस्थित थे ।

# बगहा में तीन दिवसीय पासपोर्ट शिविर शुरु

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता**

**बगहा।** अनुमंडल के लोगों को पासपोर्ट के लिए जिला मुख्यालय या फिर अन्य जगहों पर नहीं जाना पड़े इसके मद्देनजर अनुमंडल प्रशासन की ओर से तीन दिवसीय पासपोर्ट शिविर का शुभारंभ मंगलवार को हुआ। शिविर का शुभारंभ क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी स्वधा रिजवी व एसडीएम गौरव कुमार, एसडीपीओ कुमार देवेन्द्र, डीसीएलआर अंजलिका कृति ने संयुक्त रूप से फिता काट कर किया। क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी ने बताया कि तीन दिनो में कुल 165 पार्सपोर्ट बनाने का लक्ष्य है। जिसमें अभी तक 155 आवेदन का आंनलाईन हो चुका है। उन्होंने सभी आवेदकों से भी अलग-अलग जानकारी लिया। उन्होंने बताया कि लोगों के सुविधा को देखते हुए अनुमंडल में पार्सपोर्ट शिविर लगाया गया है। वही एसडीपीओ कुमार देवेन्द्र ने आवेदकों को संबोधित करते हुए कहा कि आवेदक आवेदन के समय गलत सर्टिफिकेट नहीं देंगे। उन्होंने बताया कि आनलाइन आवेदन में जब जांच किया जायेगा अगर सर्टिफिकेट गलत पाया गया तो आवेदक पर कार्रवाई भी होगी। वरीय पासपोर्ट सहायक पंकज कुमार ने बताया कि 18 से 50 आयु वर्ग के आवेदक पार्सपोर्ट के लिए ऑन लाइन अप्लाई कर सकते है। उन्होंने बताया कि आवेदन में आवेदक का जन्मतिथि के लिए प्रमाण पत्र के साथ निवास प्रमाण पत्र एवं शैक्षणिक सर्टिफिकेट आदि होना चाहिए। कैंप के पहले दिन भारी संख्या में आवेदको की भीड़ उमड़ी रही। इस अवसर पर वरीय पासपोर्ट सहायक पंकज कुमार, आईटी मैनेजर पंकज कुशवाहा के साथ साथ मनोरंजन कुमार आदि मौजूद थे।

**दक्षिण पूर्व रेलवे, निविदा**

भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्य करते हुए, वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/टीआरएस/बीकेएससी निम्नलिखित के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते हैं: **निविदा सूचना संख्याः ईएलएसबी-25-रेट्रोफिट_एसी_40-05/टीएन, दिनांकः 22.04.2025; कार्य का नामः** 3-फेज लोकोमोटिव में कैब के थर्मल इन्सुलेशन के प्रावधान के साथ कैब में एयर कंडीशनिंग का फिटमेंट; **अनुमानित मूल्यः** ₹ 49,35,070.20; **बोली सुरक्षा (ईएमडी):** ₹ 98,700.00; **अवधिः 24 महीने; निविदा फॉर्म की लागतः** शून्य; निविदा दस्तावेज आईआरईपीएस वेबसाइट यानी www.ireps.gov.in पर 16.05.2025 को 11:00 बजे तक उपलब्ध रहेंगे; **निविदाकर्ता द्वारा निविदा अपलोड करने की अंतिम तिथि/समयः** 16.05.2025 को 11:00 बजे तक। **निविदा खोलने की तिथि/समयः** 16.05.2025 को 11:00 बजे तक (निविदा बंद होने के तुरंत बाद)। सभी वास्तविक, अनुभवी और इच्छुक निविदाकर्ता इस कार्य के लिए आवेदन कर सकते है। (PR-72)

Page 3_16.12..2018 PAGE-04.qxd 22-04-2025 22:07 Page 1



# डिप्टी मेयर को महापौर जैसी मिलेगी सुविधाएं

## मंत्री ने जारी किया आदेश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**पटना।** अब राज्य के सभी नगर निगमों और नगर परिषदों में उप महापौर और उप मुख्य पार्षदों को भी महापौर और मुख्य पार्षद जैसी सुविधाएं मिलेंगी। नगर विकास एवं आवास विभाग के मंत्री ने इसको लेकर आदेश जारी कर दिया है।

बता दें कि इस आदेश के बाद उप महापौरों और उप मुख्य पार्षदों को अब वाहन की सुविधा दी जाएगी। जिन नगर निकायों में उनके पास अभी तक न तो दफ्तर था, न जरूरी सामान और न ही कोई सहायक कर्मचारी। अब वहां ये सभी सुविधाएं दी जाएँगी।

मंत्री ने बताया कि उप महापौरों की यह मांग लंबे समय से चल रही थी कि उन्हें भी वाहन मुहैया कराया जाए, ताकि वे बेहतर ढंग से काम कर सकें। सरकार ने उनकी यह मांग मान ली है। उन्होंने कहा कि इससे उप महापौर अपने क्षेत्र में निगरानी और योजनाओं की जांच अच्छे से कर पाएंगे, जिससे काम समय पर पूरा हो सकेगा। मंत्री ने यह भी बताया कि चूंकि नगर निगमों और नगर परिषदों का क्षेत्र बहुत बड़ा होता है, इसलिए उन्हें भी वाहन की जरूरत होती है। बता दें कि बिहार नगरपालिका अधिनियम में उप महापौरों के अधिकार और जिम्मेदारियां तय की गई हैं। महापौर की गैरमौजूदगी में उप महापौर ही उनके कामों को संभालते हैं और स्थायी समिति के सदस्य भी होते हैं। सरकार ने निर्देश दिया है कि जिला पदाधिकारी उप महापौरों को भी वाहन उसी दर पर उपलब्ध कराएं, जिस दर पर महापौर को दी जाती है।

## बिहार को मिले केंद्रांश के1583 करोड़ रुपये

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**पटना।** केंद्र सरकार ने शिक्षा का अधिकार कानून (आरटीई) के अंतर्गत बिहार को 1583 करोड़ रुपये उपलब्ध कराने पर सहमति दी है।यह पूरी राशि केंद्रांश के रूप में मिलेगी। इसी तरह प्रारंभिक शिक्षा के लिए 7150 करोड़ एवं माध्यमिक शिक्षा के लिए 766 करोड़ रुपये का प्रविधान किया गया है। सरकारी विद्यालयों में कंप्यूटर शिक्षा एवं कौशल विकास कार्यक्रम को बढ़ावा देने हेतु केंद्र सरकार ने सहमति दी है। इसके अंतर्गत राज्य में 3443 प्रारंभिक विद्यालयों में कंप्यूटर लैब की स्थापना होगी। यह बिल्कुल नई योजना है, जो बच्चों को कंप्यूटर शिक्षा से जोड़ने की महत्वपूर्ण पहल है।

समग्र शिक्षा अभियान के तहत 11 मदों में केंद्र से राशि मिलेगी शिक्षा विभाग के मुताबिक, प्रारंभिक शिक्षकों के वेतन मद में केंद्र से 3,632 करोड़ मिलेंगे। शिक्षा मंत्रालय द्वारा समग्र शिक्षा अभियान में राशि शिक्षकों के वेतन मद में उपलब्ध कराने की सहमति दी गयी है।

प्रारंभिक विद्यालयों के भवनों की मरम्मती, अतिरिक्त कक्षाओं का निर्माण और नये भवनों के निर्माण के लिए 1632 करोड़ रुपये की राशि खर्च होगी। समग्र शिक्षा अभियान के तहत 11 मदों में केंद्र से राशि मिलेगी।

शिक्षकों के वेतन एवं प्रशिक्षण पर खर्च होने वाली राशि से इतर लैंगिक समानता, शिक्षा का अधिकार कानून एवं स्किल एजुकेशन भी शामिल है।

## शौच जा रहे युवक को अपराधियों ने धुना, मौत

**कैमूर।** जिले में इन दिनों अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। ताजा मामला कुदरा रेलवे स्टेशन के पास का है, जहां कुछ अज्ञात बदमाशों ने शौच के लिए जा रहे एक युवक को बेरहमी से पीटकर घायल कर दिया। घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है, वहीं पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

मृतक की पहचान चेनारी थाना क्षेत्र के रेडिया गांव निवासी सरोज पासवान के 18 वर्षीय पुत्र रजनीश कुमार के रूप में हुई है। बताया जाता है कि रजनीश कुदरा थाना क्षेत्र के भैंसौड़ा गांव में रहकर कुदरा राइस मिल में मजदूरी करता था।

परिजनों के मुताबिक, बुधवार देर रात करीब 1 बजे रजनीश शौच के लिए कुदरा रेलवे स्टेशन की ओर जा रहा था, तभी कुछ अज्ञात बदमाशों ने उस पर हमला कर दिया। न केवल उसे बुरी तरह पीटा गया बल्कि उसके पास से पैसे भी लूट लिए गए। मारपीट के दौरान युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों ने शोर मचाया, जिससे बदमाश फरार हो गए।

# विस चुनाव में बसपा सभी सीटों पर देगी उम्मीदवार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**पटना।** बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के राज्यसभा सांसद व नेशनल कॉर्डिनेटर रामजी गौतम ने आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि पार्टी बिहार की सभी 243 विधानसभा सीटों पर अकेले चुनाव लड़ेगी और किसी भी पार्टी से गठबंधन नहीं करेगी। उन्होंने यह बात पटना में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान कही। रामजी गौतम ने कहा कि अगर बहुजन समाज पार्टी की सरकार बिहार में बनती है, तो उत्तर प्रदेश की तरह बहन मायावती द्वारा गरीबों और वंचितों के लिए शुरू की गई योजनाओं को बिहार में भी लागू किया जाएगा।

उन्होंने जोर देकर कहा कि बसपा समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के अधिकार और सम्मान के लिए काम करती रही है और आगे भी करती रहेगी।

सांसद रामजी गौतम ने यह भी जानकारी दी कि 9 मई को बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती को धूमधाम से मनाया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि 26 जून को बापू सभागार, पटना में छत्रपति महाराज की जयंती पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और आमजन जुटेंगे।

बसपा के केंद्रीय प्रभारी अनिल कुमार ने इस दौरान बिहार की राजनीति पर टिप्पणी करते हुए लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यदि चिराग पासवान सच में बिहार की राजनीति में सक्रिय होना चाहते हैं तो उन्हें बिहार के गरीबों, दलितों और शोषित वर्गों पर हो रहे अत्याचार को देखना चाहिए।

अनिल कुमार ने यह भी कहा कि बिहार में अपराध अपने चरम पर है, अपराधी बेलगाम हो गए हैं और प्रशासन की पकड़ कमजोर पड़ गई है। दलित, शोषित, वंचित समाज के लोगों के साथ हो रहे अन्याय की ओर भी उन्होंने चिराग पासवान का ध्यान आकर्षित किया और कहा कि सिर्फ बयानबाजी से कुछ नहीं होगा, जमीन पर उतरकर काम करना होगा।

बसपा नेताओं ने स्पष्ट किया कि पार्टी का उद्देश्य सिर्फ चुनाव लड़ना नहीं है, बल्कि बिहार में सामाजिक न्याय और समता के सिद्धांतों को लागू करना है। पार्टी अब मजबूती के साथ बिहार में विकल्प बनने के लिए तैयार है। मौके पर केंद्रीय प्रदेश प्रभारी एडवोकेट सुरेश राव, प्रदेश अध्यक्ष शंकर महतो, प्रदेश महासचिव संजय मंडल, अभिमन्यु कुशवाहा, साजिद हुसैन समेत अन्य लोग मौजूद थे।

# सड़क दुर्घटना में प्रेमी-प्रेमिका की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**हाजीपुर।** महात्मा गांधी सेतु पर एक दर्दनाक सड़क हादसे में प्रेमी-प्रेमिका की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा सेतु के पाया संख्या 18-19 के बीच हुआ, जब एक अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवक-युवती को जोरदार टक्कर मार दी।

हादसे के बाद महात्मा गांधी सेतु की पश्चिमी लेन पर वाहनों की लंबी कतार लग गई।

स्थानीय राहगीरों ने तत्काल इसकी सूचना गंगा ब्रिज थाने की पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, हाजीपुर भेजा।

पुलिस ने मृतकों की पहचान उनके पास मिले पहचान पत्रों से की। युवक की पहचान पटना जिले के संपतचक थाना क्षेत्र के बहुआरा निवासी आदर्श कुमार श्रीवास्तव के रूप में हुई, जबकि युवती सीतामढ़ी जिले के मिचीर्वारा निवासी अनिल कुमार की पुत्री आरती कुमारी के रूप में पहचानी गई।

परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार, आदर्श और आरती दोनों पिछले एक वर्ष से पटना की एक निजी कंपनी में साथ काम कर रहे थे। इसी दौरान दोनों के बीच प्रेम संबंध बना और 19 अप्रैल को उनकी सगाई भी हो चुकी थी। सोमवार को आरती को अपने घर सीतामढ़ी जाना था। आदर्श बाइक से उसे हाजीपुर रेलवे स्टेशन छोड़ने आ रहा था, तभी यह हादसा हो गया।

इस मामले में गंगा ब्रिज थाना अध्यक्ष अभिषेक त्रिपाठी ने बताया कि स्थानीय लोगों से सूचना मिली थी कि सेतु पर एक सड़क दुर्घटना हुई है। मौके पर पहुंचने पर दोनों को मृत पाया गया। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और परिजनों को सूचना दे दी गई है। अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है।

# पुलिस ने किया प्रापर्टी डीलर हत्याकांड का खुलासा

## तीन लाख रुपये में दी गयी थी हत्या की सुपारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**मुजफ्फरपुर।** जिले में हुए चर्चित प्रॉपर्टी डीलर रामकिशोर चौधरी उर्फ टुनटुन चौधरी हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में पुलिस ने दो शूटरों को गिरफ्तार किया है। हत्या की वजह जमीन के रास्ते को लेकर हुआ विवाद बताया जा रहा है। पुलिस जांच में सामने आया है कि मृतक के पड़ोसी और कुख्यात अपराधी बिट्टू कुमार ने रास्ते के विवाद को लेकर इस वारदात की साजिश रची थी। बिट्टू कुमार ने हत्या के लिए एक दूसरे गिरोह के दो शूटरों को 8 लाख की सुपारी दी थी, जिसमें 3 लाख की अग्रिम राशि पहले ही दे दी गई थी। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त पिस्टल भी बरामद कर लिया है।

18 मार्च 2025 को सदर थाना क्षेत्र के पता ही के पास टुनटुन चौधरी की अज्ञात बाइक सवार अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। वे उस वक्त अपने घर लौट रहे थे। हत्या के बाद मृतक के पिता के बयान पर सदर थाना में अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई थी। तभी से पुलिस मामले की जांच में जुटी थी।

प्रभारी सिटी एसपी विद्यासागर ने प्रेस वार्ता में बताया कि गिरफ्तार शूटरों की पहचान पारू थाना क्षेत्र के अभिषेक कुमार और साहेबगंज थाना क्षेत्र के दीपक कुमार सिंह के रूप में हुई है। इनमें दीपक कुमार सिंह एक कुख्यात अपराधी है और उस पर पूर्वी चंपारण व मुजफ्फरपुर के कई थाना क्षेत्रों में गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने दोनों शूटरों को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। साथ ही, इस हत्याकांड से जुड़े अन्य पहलुओं की भी गहराई से जांच की जा रही है।

## ट्रॉली की चपेट में आने से युवक की मौत

**मोतिहारी।** सुगौली-रक्सौल रेलमार्ग पर शीतलपुर ढाले के पास उस वक्त एक दर्दनाक हादसा हो गया, जब एक बाइक सवार ट्रैक्टर की ट्रॉली की चपेट में आ गया। हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसकी पत्नी और बेटी बाल-बाल बच गईं। मृतक की पहचान पलनवा थाना क्षेत्र के बस्ती गांव निवासी जोखू खान के 30 वर्षीय पुत्र फैयाज खान के रूप में हुई है। वह अपनी पत्नी शबनम खातून और बेटी अलिफा के साथ बाइक से ससुराल जगदीशपुर से सुगौली थाना क्षेत्र के नकरदेई स्थित अपनी छोटी साली के ससुराल चौथारी जा रहा था।शीतलपुर ढाला के पास पहुंचते ही एक ट्रैक्टर गिट्टी लेकर रेललाइन पार कर रहा था। ट्रैक्टर पर गिट्टी का भार अधिक होने के कारण वह रेल पटरी पर चढ़ नहीं सका और पीछे की ओर ढुलक गया। उसी वक्त पीछे से आ रहे बाइक सवार फैयाज ट्रॉली की चपेट में आ गया और दबकर मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। आक्रोशित लोगों ने ट्रैक्टर चालक को पकड़ लिया। सूचना मिलते ही सुगौली थाना पुलिस मौके पर पहुंची। इसी दौरान मृतक के पिता ने भागने की कोशिश कर रहे चालक को पकड़ लिया।

# विधायक गोपाल मंडल के बयान से जदयू में खलबली

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**बिहपुर।** बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के गोपालपुर विधायक अपने बड़बोले बयान से हमेशा सुर्खियों में रहते हैं।

विधायक गोपाल मंडल ने मंगलवार को अपनी पार्टी के बारे में ही एक बड़ा बयान दे दिया है। मंगलवार को पटना प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों से पूछे गए सवाल पर विधायक गोपाल मंडल ने कहा कि निशांत नहीं आएगा तो जदयू समाप्त हो जाएगी।

निशांत को मैने ही लाया है। नेता प्रतिपक्ष पर हमला बोलते हुए विधायक ने कहा कि वे सीएम बनना चाहते हैं। लेकिन बात एक बार बनती है। बार बार नहीं। देश आजादी के बाद श्री बाबू, चंद्रशेखर बाबू, जगन्नाथ मिश्रा जी आए। लालू जी आए। श्री बाबू आए तो सरकारी जात बन गया भूमिहार समुदाय के लोग।

उन्होंने कहा कि अब यादव की सरकार चली गई। अब किसी कीमत पर लौट के नहीं आ सकती है। विधायक ने कहा कि इस चुनाव में किसी से मुकबला नहीं है।

हां विरोधी पक्ष में रहेंगे, वो हमारा छोटा भाई है। निशांत को तो मैने लाया। निशांत को आना तय है। निशांत नहीं आएगा तो जदयू समाप्त हो जाएगी। कोई किसी की बात नहीं रखेगा।

जदयू में ऐसा कोई लीडर नहीं है। जो इस पोस्ट को संभाल सके। मुख्यमंत्री पोस्ट को। वहीं, सीएम से मिलने के सवाल पर उन्होंने कहा कि सीएम से मिलते रहते हैं।

क्या निशांत आ गए? इस सवाल पर विधायक ने कहा कि हां आ गए। पोस्टर लगना शुरू हो गया है। निशांत की एंट्री हीरो की तरह होगी।

क्या निशांत चुनाव लड़ेगें? इस पर विधायक ने कहा कि वे चुनाव लड़ेगें या नहीं यह मैं नहीं कह सकता हूं, लेकिन वे नेता रहेगें।

वहीं विधासक गोपल मंडल ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बारे कहा कि खरगे को बिहार में कोई नहीं जानता है।

उनके बिहार आने से क्या होगा। राहुल को कोई जानबो करेगा। राहुल सोनिया गांधी-राजीव गांधी के बेटा व जवाहरलाल नेहरू के पोता हैं। खरगे को कौन जानता है, भई।

# मौसम अभी और दिखायेगा बेरूखी, लू का अलर्ट जारी

## बीते वर्ष 47 के पार गया था पारा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**पटना।** हवा की दिशा बदलने के साथ तापमान में तेजी दिखने लगी है। हवा का रुख जैसे ही पुरवा से पछुआ हुआ है, लू अपना असर दिखाने लगी है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के पटना केंद्र ने पूर्वानुमान जारी कर जिले में लू का अलर्ट घोषित किया है। मंगलवार की दोपहर जारी पूर्वानुमान के मुताबिक बुधवार को जिले में दिन से लेकर रात तक तापमान बढ़ा रहेगा।

बुधवार के लिए मौसम विभाग ने राज में उष्ण लहर यानी लू और रात में उष्ण रात्रि का येलो अलर्ट जारी किया है। गुरुवार से मौसम का मिजाज और अधिक तल्ख हो जाएगा।

24 से 26 तक जिले में भीषण लू का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इसमें दिन तो पछुआ हवा के थपेड़ों से गर्म रहेगा ही, रात को भी तपिश का अहसास होगा।

फिलहाल जिले में न्यूनतम तापमान भी 25 डिग्री से अधिक रिकार्ड किया जा रहा है। मंगलवार को बक्सर का न्यूनतम तापमान 26.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। सोमवार को भी न्यूनतम तापमान ठीक इतना ही रहा था। बीते सोमवार को अधिकतम तापमान 40.9 डिग्री सेल्सियस रहा था। रविवार को अधिकतम तापमान 38.3, जबकि न्यूनतम 24.4 रहा था। स्पष्ट है कि रविवार के बाद से अधिकतम और न्यूनतम तापमान में लगभग दो डिग्री की बढ़ोतरी हुई है। अभी अप्रैल का ही महीना चल रहा है और जिले में मई-जून के महीने में तापमान अपने उच्च स्तर तक पहुंचता है। बीते वर्ष 13 जून को बक्सर का अधिकतम तापमान 47.2 डिग्री तक पहुंच गया था, जो उस दिन के लिए पूरे देश के किसी भी शहर के मुकाबले सर्वाधित रहा था।

उस दिन बक्सर राष्ट्रीय स्तर पर सबसे अधिक गर्म शहर के तौर पर चिह्नित किया गया था। बीते वर्ष मई-जून में शहर का अधिकतम तापमान अधिकतर 44 से 45 डिग्री के बीच रहा था।

## दिखने लगा गर्मी का सितम

**आरा।** जिले में जारी गर्मी के सितम का आम जनजीवन पर असर दिखने लगा है। आने वाले दिनों में जिले के तापमान में और अधिक बढ़ोतरी होने का अनुमान है। अत्यधिक गर्मी व इस कारण उत्पन्न हीट वेव से आम लोगों को स्वास्थ्य संबंधी गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। खासकर छोटे बच्चे, बुजुर्ग, गर्भवती व धात्री महिलाओं के साथ अपने अलग-अलग कार्य से घर से बाहर जाने वाले लोगों को भी स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। लिहाजा राज्य स्वास्थ्य समिति ने संभावित किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए समुचित तैयारी का निर्देश स्वास्थ्य विभाग को दिया है। इसे लेकर पत्र जारी कर जिले के सभी सरकारी अस्पतालों को जरूरी चिकित्सकीय इंतजाम सुनिश्चित कराने का निर्देश संबंधित स्वास्थ्य अधिकारियों को दिया गया है। जारी दिशा निर्देश के अनुसार जिले के सभी चिकित्सा संस्थानों में भीषण गर्मी व लू की वजह से लोगों को होने वाले किसी तरह की स्वास्थ्य समस्याओं के उचित प्रबंधन व उपचार संबंधी सेवा उपलब्ध कराने को कहा गया है।

# दहेज की खातिर विवाहिता की गला दबाकर हत्या

## स्कूल के बरामदे में रोती मिली मृतका की डेढ़ माह की बच्ची

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**अरवल।** जिले के कुर्था प्रखंड अंतर्गत मानिकपुर थाना क्षेत्र में एक विवाहिता की ससुराल वालों ने गला दबाकर हत्या कर दी। विवाहिता के मायके वालों ने दहेज मे भैंस देने की मांग को पूरा नहीं किया था, जिसकी वजह से उसकी हत्या कर दी गई।

रविवार की रात्रि आरोपित सुसराल वाले शव को ठिकाने लगाने की कोशिश कर रहे थे, जिससे पहले ग्रामीणों को घटना की भनक लग गई। सूचना पर पुलिस और मायके वाले पहुंच गए, लेकिन इससे पहले ससुराल वाले शव को घर में छोड़कर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक महिला की डेढ़ माह की एक बच्ची घर से दूर गांव के स्कूल के बरामदे पर अल सुबह रोती हुई मिली। यह घटना मानिकपुर थाना क्षेत्र के बड़हिया गांव की है। विवाहिता की पहचान जहानाबाद के परस बीघा थाना क्षेत्र के अजय बिगहा निवासी शैलेंद्र कुमार की बहन अनीता कुमारी के रूप में की गई है।

भाई के अनुसार 2024 में अनीता की शादी बड़हिया निवासी सत्यम कुमार से हुई थी। शादी के कुछ दिनों बाद ससुराल वाले दहेज में एक भैंस मांगने लगे। दहेज की मांग पूरी नहीं करने पर ससुराल वाले अनीता को प्रताड़ित करते थे।

डेढ़ माह पहले अनीता ने एक बच्ची को जन्म दिया, जिसके बाद ससुराल वालों की प्रताड़ना और बढ़ गई। मायके से भैंस नहीं लाने पर रविवार को अनीता की गला दबाकर हत्या कर दी गई। पुलिस के आने की भनक लगते ही ससुराल वाले डेढ़ माह की बच्ची को स्कूल के बरामदे पर छोड़कर भाग गए।

मृतका के भाई ने अनीता के पति सत्यम कुमार, देवर सुंदरम कुमार ,ससुर गन्नू यादव व सास सीता देवी के खिलाफ प्राथमिकी के लिए आवेदन दिया है।

# पंखे से लटकी मिली एसआई की लाश

## थाने में मचा हड़कम्प

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**जहानाबाद।** जहानाबाद के मखदुमपुर प्रखंड स्थित वाणावर पर्यटन थाना से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां तैनात एसआई परमेश्वर पासवान ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सोमवार शाम लगभग चार बजे थाना परिसर स्थित उनके कमरे में शव को पंखे से लटका हुआ देखा गया, जिसके बाद थाने में हड़कंप मच गया।

घटना की सूचना मिलते ही एसपी अरविंद प्रताप सिंह, एसडीपीओ घोसी संजीव कुमार और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू की। एसआई परमेश्वर पासवान मूल रूप से सुपौल जिले के राघोपुर थाना क्षेत्र के निवासी थे। वे पिछले कुछ समय से आंत की गंभीर बीमारी से ग्रसित थे और इलाज में काफी खर्च हो चुका था। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक वे मानसिक रूप से काफी तनाव में थे और पूर्व में भी लंबी छुट्टी पर रह चुके थे।

एसडीपीओ संजीव कुमार ने बताया कि सोमवार को भी उनकी छुट्टी स्वीकार की गई थी। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि जब छुट्टी मिल चुकी थी तो उन्होंने घर लौटने के बजाय आत्मघाती कदम क्यों उठाया? फिलहाल पुलिस ने उनके परिजनों को सूचना दे दी है और उनके आने का इंतजार किया जा रहा है। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद पूरे थाना परिसर का माहौल शोकाकुल है।

# लोन दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का पुलिस ने किया भांडाफोड़

## चार महिलाओं सहित पांच लोग चढ़े पुलिस के हत्थे

### कई दस्तावेज सहित मोबाइल फोन बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**भागलपुर।** भागलपुर में साइबर थाना पुलिस ने ऑनलाइन लोन दिलाने का लालच देकर भोली-भाली महिलाओं से लाखों रुपये ठगने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने गिरोह की चार महिलाओं और एक पुरुष सरगना को गिरफ्तार किया है। छापेमारी के दौरान कई दस्तावेज और मोबाइल फोन बरामद हुए, जबकि अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

मामले को लेकर साइबर डीएसपी कनिष्क श्रीवास्तव ने मंगलवार को बताया कि गिरोह बूढ़ानाथ मंदिर स्थित एक विवाह-भवन से अपना नेटवर्क चला रहा था। तकनीकी जांच व पीड़ितों के बयानों के आधार पर पुलिस ने महज छह घंटे में कार्रवाई करते हुए आरोपियों को पकड़ लिया और बंधक बनाई गई महिलाओं को मुक्त कराया।

जांच में सामने आया कि गिरोह ने प्रत्येक पीड़िता से न्यूनतम 50 हजार और अधिकतम 8 लाख रुपये तक वसूले। खगड़िया जिले के गोगरी-जमालपुर और नवगछिया अनुमंडल के नारायणपुर की कई महिलाएं शिकार बनीं। बताया जा रहा है कि 21 अप्रैल को माला देवी ने लिखित शिकायत दी थी कि ऑनलाइन लोन दिलाने के नाम पर उनकी रकम मांगी जा रही है और कुछ महिलाओं को बंधक बनाया गया है। इसी आधार पर एसएसपी के निर्देश पर सिटी एसपी की निगरानी में विशेष टीम गठित हुई और विभिन्न ठिकानों पर छापेमारी की गई।

इस ठगी गिरोह की महिलाएं आसपास के ग्रामीण इलाकों की सीधी सादी महिलाओं को अपना निशाना बनाती थीं। बैंक से लोन दिलाने के नाम पर इनसे 50 हजार से लेकर लाखों रुपये तक वसूलती थीं। इसके बाद दूसरी महिलाओं को पूंजी लगाने के लिए प्रेरित करती थीं।

डीएसपी ने बताया कि ठगी का यह नेटवर्क महिलाओं को दोगुना-चार गुना मुनाफा देने का लालच देता था। इन महिलाओं को कुछ दिन तक अपने साथ रखा जाता और सोशल मीडिया पर साथ में खाना-पीना, घूमना जैसी तस्वीरें पोस्ट कर विश्वास जमाया जाता। पहले तातारपुर इलाके में इस गिरोह का दफ्तर था, जिसे बाद में शिफ्ट कर बूढ़ानाथ मंदिर के विवाह भवन में संचालित किया जा रहा था।

# जहरीला बीज खाने से 11 बच्चे बीमार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**गया।** गया में जहरीला बीज खाने से बच्चे सहित 11 लोग बीमार हो गए। सभी बीमार लोगों को अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां सभी का इलाज हो रहा है। मामला वजीरगंज थाना क्षेत्र के घुरियावां गांव की है।

घटना के संबंध में परिजनों का कहना है कि दस बच्चे और एक शख्स ने जेट्रोफा का बीज खाया, जिसके बाद वे सभी गंभीर रूप से बीमार पड़ गए। सभी बीमार बच्चों को उल्टी, पेट दर्द, चक्कर और दस्त होने लगा। यह देख परिजनों ने तुरंत उन सब को वजीरगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सकों ने उनका प्राथमिक उपचार किया, लेकिन उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उनके बेहतर इलाज के लिए सभी को अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया।बीमार होने वालों में चमारी चौधरी (70), सावित्री कुमारी (05), सुभाष कुमार (6), सुनीति कुमारी (6), प्रीति कुमारी (11), चांदनी कुमारी (7), जागृति (8), रचना कुमारी (7), सुरुचि कुमारी (8) और आसिका कुमारी (4) शामिल हैं।

इस संबंध में बीमार बच्चों के परिजन अखिलेश चौधरी, श्यामबली कुमार और रेणु देवी ने बताया कि बच्चे स्कूल से दोपहर को लौटने के बाद खेलने चले गये। खेलने के दौरान बच्चों ने एक पेड़ के नीचे गिरे जेट्रोफा (रतनजोर) के फल का बीज खाया। खेलकूद कर जब सभी बच्चे घर लौटे तो सभी के पेट में दर्द, उल्टी, दस्त और चक्कर होने लगा। अचानक हुए इस घटना से परिजनों में हड़कंप मच गया और आननफानन में सभी को वजीरगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। जहां चिकित्सक ने बताया कि अस्पताल लाए गये सभी बीमार बच्चों का प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए सभी को रेफर कर दिया गया है।

# विजयोत्सव पर वायुसेना के रिहर्सल से गूंज उठा पटना का आसमान

## जेपी गंगा पथ पर 1500 फीट की ऊंचाई पर वायुसेना के लड़ाकू विमानों और पैराग्लाइडर्स ने दिखाये हैरतअंगेज करतब

**नवबिहार टाइम्स ब्यूरो**

**पटना।** वीर बाबू कुंवर सिंह के विजयोत्सव पर मंगलवार को बिहार की राजधानी पटना का आसमान वायुसेना के विमानों की गर्जना और गौरव से गूंज उठा। वायुसेना के जांबाजों ने वीर कुंवर सिंह की स्मृति में भव्य एयर शो की रिहर्सल की। 23 अप्रैल को आयोजित होने वाले विजयोत्सव की तैयारी के तहत जेपी गंगा पथ पर वायुसेना के लड़ाकू विमानों और पैराग्लाइडर्स ने हैरतअंगेज करतब दिखाए। शौर्य दिवस पर बुधवार को एयर शो होगा। जेपी गंगा पथ पर 1500 फीट की ऊंचाई पर 9 लड़ाकू विमानों ने आज करतब दिखाए। सूर्य किरण एरोबेटिक टीम ने भी आसमान में अपना दमखम दिखाया। इससे पहले वायुसेना के पैराग्लाइडिंग टीम ने आसमान में बाबू वीर कुंवर सिंह की तस्वीर को लहराते हुए करतब दिखाए। बता दें कि शौर्य दिवस के दिन भारतीय वायुसेना की सूर्य किरण एरोबेटिक टीम 5 तरीके से उड़ान भरेगी और आकाश में करतब दिखाएगी। जेपी गंगा पथ (मरीन ड्राइव) पर होने वाला एयर शो करीब एक घंटे का होगा जिसमें वायुसेना के 9 लड़ाकू विमान करतब दिखाएंगे। आज के रिहर्सल का वीडियो बेहद रोमांचकारी था और बड़ी संख्या में पटनावासी जमा हुए। करीब 1500 फीट की ऊंचाई पर वायुसेना की सूर्य किरण एरोबेटिक टीम के 9 हॉक विमानों ने समन्वय, अनुशासन और शक्ति का अद्भुत प्रदर्शन किया। इससे पहले आकाशगंगा टीम के पैरा-जंपर्स ने बाबू वीर कुंवर सिंह की तस्वीर के साथ पैराशूट से उतरते हुए देशभक्ति का अलौकिक दृश्य प्रस्तुत किया। 23 अप्रैल को शौर्य दिवस के मौके पर यह ऐतिहासिक शो दो भागों में होगा। पहले 15 मिनट में पैराशूट जंपर्स आसमान में तिरंगे की आकृति बनाएंगे। इसके बाद सूर्य किरण टीम 45 मिनट तक अपनी रोमांचक फ्लाइंग स्किल्स से आकाश को रंग देगी। शो में विमानों की सटीक उड़ानें, उल्टी दिशा में करतब और अलग-अलग फॉर्मेशन दर्शकों को रोमांचित कर देंगी। इस कार्यक्रम का आयोजन भाजपा सांसद राजीव प्रताप रूडी की पहल पर किया गया है। उन्होंने कहा कि यह बिहार के लिए गर्व का क्षण है। पहली बार आजादी के बाद बिहार को सैन्य सम्मान कार्यक्रम की मंजूरी मिली है। बुधवार को कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार करेंगे।

# पृथ्वी कराह रही है, हमें इसे बचाना होगा : डॉ. प्रेम कुमार

## विश्व पृथ्वी दिवस पर मंत्री ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

**नवबिहार टाइम्स ब्यूरो**

**पटना।** विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर बिहार सरकार के वरीय मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. प्रेम कुमार ने पर्यावरण संरक्षण को लेकर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि पृथ्वी का तेजी से हो रहा दोहन हमारे भविष्य के लिए गंभीर खतरा बनता जा रहा है। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा, पृथ्वी को हरा-भरा हम सब मिलकर बनाएं, खतरे में है जिंदगी, आओ जल्द बचाएं। उन्होंने कहा कि धरती को बचाने के लिए व्यक्तिगत और सामूहिक दोनों स्तरों पर प्रयास जरूरी हैं। मंत्री ने कहा कि एक समय था जब पृथ्वी पर जल, जीवन, हरियाली, वन्य प्राणी, पहाड़, नदियां, समुद्र, खनिज और तेल संपदा प्रचुर मात्रा में थे, लेकिन भौतिक सुखों की अंधी दौड़ में हमने इन संसाधनों का अत्यधिक दोहन कर दिया है। डॉ. कुमार ने चिंता जताते हुए कहा कि आज हम पृथ्वी द्वारा एक वर्ष में उत्पन्न की जाने वाली प्राकृतिक संपदा को मात्र आठ महीने में ही खत्म कर रहे हैं। इससे स्पष्ट है कि हम अपने आने वाले पीढ़ियों के भविष्य को खतरे में डाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि ब्रह्मांड में पृथ्वी ही एकमात्र ऐसा ग्रह है जहां जीवन संभव है। वैज्ञानिक प्रयासों के बावजूद अभी तक किसी अन्य ग्रह पर जीवन संभव नहीं हो पाया है। ऐसे में यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी बनती है कि हम पृथ्वी के संसाधनों का संरक्षण करें। डॉ. प्रेम कुमार ने लोगों से अपील की कि वे प्रकृति से तालमेल बैठाकर जीवनशैली अपनाएं। उन्होंने कहा केवल सरकारी योजनाओं से नहीं, आम लोगों की भागीदारी से ही धरती को बचाया जा सकता है। पेड़ लगाएं, जल बचाएं और जीवन को संतुलित बनाएं। मंत्री ने विश्व पृथ्वी दिवस के मौके पर सभी से संकल्प लेने की अपील की कि वे पर्यावरण संरक्षण को जीवन का हिस्सा बनाएं और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित और समृद्ध पृथ्वी छोड़ें।

# बिहार में नीतीश के बिना भाजपा की कोई हैसियत नहीं : पप्पू यादव

**नवबिहार टाइम्स ब्यूरो**

**पटना।** पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव ने मंगलवार को कहा कि बिहार में नीतीश कुमार के बिना भाजपा की कोई हैसियत नहीं है। दिल्ली से पटना पहुंचने के बाद संवाददाताओं से बातचीत में उन्होंने भाजपा और उसके गठबंधन के सहयोगियों पर जमकर निशाना साधा। पप्पू यादव ने कहा कि महागठबंधन में नेता कौन होगा, यह अंदरूनी मसला है और इसका फैसला वरिष्ठ नेता बैठ कर करेंगे। उन्होंने भाजपा से पूछा है कि उनका मुख्यमंत्री कौन है? उन्होंने कहा कि भाजपा अपने ही घटक दलों को परेशान कर रही है। पप्पू यादव ने तंज कसते हुए कहा कि हमारे यहां(महागठबंधन) कोई मारपीट नहीं है, लेकिन भाजपा में अपने सहयोगियों को ही परेशान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मांझी जी और चिराग पासवान को परेशान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेता एक ओर कांग्रेस को 'औकात' बताते हैं और दूसरी ओर सुबह-शाम राहुल गांधी का नाम जपते रहते हैं। राहुल गांधी के बगैर भाजपा का कोई अस्तित्व नहीं है। पप्पू यादव ने कहा कि नीतीश कुमार के बिना भाजपा की बिहार में कोई हैसियत नहीं है। आज तक भाजपा अकेले कितनी सीटें लाई है? क्या बिना सहयोगियों के भाजपा जिंदा रही है? बालासाहेब ठाकरे नहीं होते, तो भाजपा का कोई अस्तित्व ही नहीं होता। पप्पू यादव ने चिराग पासवान को लेकर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि हम पहले से कहते आए हैं कि एससी/एसटी या ओबीसी में से कोई मुख्यमंत्री बने, इसमें क्या दिक्कत है? लेकिन भाजपा इन वर्गों को केवल इस्तेमाल करती है, उन्हें सशक्त नहीं बनाना चाहती। पप्पू यादव ने कहा कि भाजपा में चिराग पासवान का इस्तेमाल किया जा रहा है। चिराग पासवान को हनुमान हनुमान बोल बोलकर उनका इस्तेमाल किया गया है। उनके परिवार को भाजपा ने तोड़ दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा का एजेंडा एससी एसटी ईडब्लूसी को आगे बढ़ाना नहीं है, उन्हें गुलाम बनाकर रखा है। उन्होंने भाजपा के नेताओं पर जातीय सम्मेलन आयोजित कर राजनीतिक रोटियां सेंकने का आरोप लगाते हुए कहा कि ये लोग समाज को बांटने का काम कर रहे हैं, सिर्फ अपने फायदे के लिए। ये लोग यूज एंड थ्रो करते हैं। पप्पू यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा वालों को सुप्रीम कोर्ट पर भी भरोसा नहीं है। ये लोग कोर्ट पर भी सवाल उठाते हैं और मुख्य न्यायाधीश तक को निशाने पर ले लेते हैं। उन्होंने निशिकांत दुबे पर हमला बोलते हुए कहा कि निशिकांत दुबे लोकसभा के बाहर और भीतर दलाली करते हैं, उनकी संपत्ति की जांच होनी चाहिए। इन नेताओं की संपत्ति की जांच कर उसे जब्त करनी चाहिए।

# अब उपमहापौर को भी मिलेंगी महापौर जैसी सुविधाएं, मिलेंगे वाहन से लेकर स्टाफ तक

## नगर विकास एवं आवास विभाग मंत्री जिवेश कुमार ने जारी किया आदेश

**नवबिहार टाइम्स ब्यूरो**

**पटना।** नगर निगमों और नगर परिषदों में उपमहापौरों को अब महापौर की तरह सभी जरूरी सुविधाएं मिलेंगी। नगर विकास एवं आवास विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। इसके तहत उपमहापौरों और उप मुख्य पार्षदों को अब वाहन, कार्यालय कक्ष, जरूरी उपकरण और कार्यालय सहायक (परिचारी) उपलब्ध कराए जाएंगे। नगर विकास एवं आवास मंत्री जिवेश कुमार ने कहा है कि उपमहापौरों की यह लंबे समय से मांग रही है कि उन्हें भी वाहन की सुविधा दी जाए ताकि योजनाओं की निगरानी और क्रियान्वयन में वे ज्यादा प्रभावी भूमिका निभा सकें। अब सरकार ने उनकी यह मांग मान ली है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शहरी क्षेत्रों में लोगों को बेहतर और आधुनिक सुविधाएं देने के लिए लगातार काम कर रही है। ऐसे में चुने गए जनप्रतिनिधियों को आवश्यक संसाधनों से लैस करना जरूरी हो गया था। मंत्री ने यह भी कहा कि उपमहापौरों को वाहन की सुविधा मिलने से वे योजनाओं की जांच और निगरानी में सक्रिय भूमिका निभा सकेंगे। इससे योजनाओं को समय पर और बेहतर ढंग से पूरा करने में मदद मिलेगी। आदेश में यह स्पष्ट किया गया है कि जिन नगर निकायों में अब तक उपमहापौरों को कार्यालय, उपकरण और स्टाफ की सुविधा नहीं मिली थी, उन्हें अब यह सब मुहैया कराया जाएगा। मंत्री के अनुसार चूंकि राज्य के नगर निगमों और परिषदों का क्षेत्रफल काफी बड़ा है, ऐसे में उपमहापौरों को आवाजाही के लिए वाहन की सुविधा देना बेहद जरूरी था। बिहार नगरपालिका अधिनियम के अनुसार महापौर या मुख्य पार्षद की अनुपस्थिति में उपमहापौर/उप मुख्य पार्षद ही उनके कर्तव्यों और शक्तियों का निर्वहन करते हैं। साथ ही वे सशक्त स्थायी समिति के पदेन सदस्य भी होते हैं। ऐसे में उन्हें प्रशासनिक कार्यों के संचालन के लिए सभी आवश्यक संसाधन देना सरकार की जिम्मेदारी बनती है। विभाग ने निर्देश दिया है कि उपमहापौरों को वाहन की सुविधा संबंधित जिला पदाधिकारी द्वारा निर्धारित दर पर उपलब्ध कराई जाए। इससे न केवल उनकी कार्यक्षमता बढ़ेगी, बल्कि शहरी प्रशासन की गति भी तेज होगी।

# बाबू वीर कुंवर सिंह की जयंती को सरकार शौर्य दिवस के रूप में मनायेगी : सम्राट चौधरी

**नवबिहार टाइम्स ब्यूरो**

**पटना।** उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि 1857 के महान स्वाधीनता सेनानी वीर कुंवर सिंह की जयंती को सरकार शौर्य दिवस के रूप में मनायेगी। इस अवसर पर पटना में दो दिन के एयर शो का शुभारम्भ मंगलवार को वायुसेना के विमानों ने किया। बुधवार यानी 23 अप्रैल का मुख्य कार्यक्रम ऐतिहासिक होगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार और रक्षा मंत्रालय के सहयोग से पटना में लडाकू विमानों का रंगारंग एयर शो पहली बार हो रहा है और इसके साथ ही पहली बार कुंवर सिंह जयंती समारोह की भव्यता को आसमान पर पहुंचाया जा रहा है। सम्राट चौधरी ने कहा कि एयर शो के पहले दिन मंगलवार को वायुसेना के बिहटा एयर बेस से उड़ान भरने वाले नौ सूर्य किरण विमानों का हैरतअंगेज करतब 40 से अधिक स्कूलों के सैकड़ों बच्चों ने देखा जिससे उनमें देशभक्ति और वीरता की भावना का संचार हुआ। उन्होंने कहा कि एयर शो के 23 अप्रैल के मुख्य समारोह में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शामिल होंगे। उपमुख्यमंत्री चौधरी ने बताया कि बुधवार के एयर शो में आकाशगंगा की टीम तिरंगे के साथ कुंवर सिंह की तस्वीर लेकर आकाश में सलामी देगी। यह पहला मौका है जब बिहार की धरती पर वायुसेना के माध्यम से वीर कुंवर सिंह को हवाई सलामी दी जाएगी। ईसाई धर्म गुरु पोप के निधन पर राष्ट्रीय शोक होने के कारण किसी तरह का उद्घाटन कार्यक्रम नहीं होगा, लेकिन भारतीय वायुसेवा की सूर्य किरण एरोबेटिक टीम द्वारा 9 हॉक 132 जेट विमानों के साथ भव्य प्रदर्शन करेंगे।

# संविधान बचाओ अभियान को लेकर राजेश राम ने की वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक

**नवबिहार टाइम्स ब्यूरो**

पटना। बिहार कांग्रेस के मुख्यालय सदाकत आश्रम में प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने महत्वपूर्ण बैठक की जिसमें पार्टी की 25 अप्रैल से लेकर 30 मई तक संचालित होने वाली संविधान बचाओ अभियान के तहत राज्य, जिला, प्रखंड और विधानसभा स्तर पर कार्यक्रम एवं घर घर संपर्क अभियान संचालित करने को लेकर अहम चर्चा हुई। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने संविधान बचाओ अभियान राष्ट्रीय अभियान कैलेंडर और क्रियान्वयन को लेकर महत्वपूर्ण बैठक में कई विषयों और कार्यक्रम को लेकर विस्तृत चर्चा की। प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि देश के संविधान, लोकतांत्रिक संस्थाओं और सामाजिक आर्थिक न्याय के आदर्शों पर मोदी सरकार द्वारा सीधे और सुनियोजित तरीके से हमले किए जा रहे हैं। इसको लेकर कांग्रेस पार्टी ने अहमदाबाद में आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन में 40 दिवसीय राष्ट्रीय आंदोलन में संविधान बचाओ अभियान को गति देने के लिए विभिन्न कार्यक्रम के क्रियान्वयन करेगी। पहले चरण में सभी वरिष्ठ नेताओं, मंच और मोर्चा के नेताओं और पदाधिकारियों के साथ प्रदेश कांग्रेस में मुख्यालय में बैठक संपन्न हुई। इसके उपरांत राज्य स्तरीय संविधान बचाओ रैली, दूसरे चरण में जिला स्तरीय संविधान बचाओ रैली, विधानसभा स्तरीय संविधान बचाओ रैली और घर-घर संपर्क अभियान कार्यक्रम का क्रियान्वयन को लेकर बातचीत हुई और रूपरेखा तैयार किया गया। 25 अप्रैल से 30 मई तक यह कार्यक्रम संचालित होगा। प्रदेश कांग्रेस को संविधान बचाओ की एक वर्षीय पदयात्रा कार्यक्रम को लेकर रूपरेखा की तैयारी की भी बात कही गई। बैठक में विधान परिषद में कांग्रेस दल के नेता डा. मदन मोहन झा, ए.आई.सी.सी. के सचिव, तौकीर आलम, अफाक आलम, मोती लाल शर्मा, कृपानाथ पाठक, प्रेमचन्द्र मिश्रा, विधान पार्षद डा. समीर कुमार सिंह, नरेन्द्र कुमार, संजीव प्रसाद टोनी, वीणा शाही, विधायक इजहारूल हुसैन, मुन्ना तिवारी, आनन्द शंकर सिंह, संतोष कुमार मिश्र, अजय कुमार सिंह, कपिलदेव प्रसाद यादव, राजीव कुमार, राजेश राठौड़, ब्रजेश प्रसाद मुनन, अजय चौधरी, जमाल अहमद भल्लू, बंटी चौधरी, नागेन्द्र कुमार विकल, राज कुमार राजन, प्रभात कुमार सिंह, डा. अजय कुमार सिंह, सुनीता देवी, गजानन्द शाही, राजेश कुमार सिन्हा, सौरभ सिन्हा, मो. खान अली, शरवत जहां फातमा, गुंजन पटेल, अरविन्द लाल रजक, शिशिर कौंडिल्य, निधि पांडेय, कमलदेव नारायण शुक्ला, हसीब अनवर, उमेश कुमार राम, मनोज शर्मा, राशीद फाकरी, मृगेन्द्र कुमार सिंह, दुर्गा गुप्ता, वसी अख्तर, संतोष श्रीवास्तव, परवेज अहमद, पंकज यादव, रंजीत यादव, अरविन्द चौधरी, कुंदन गुप्ता, सिद्धार्थ क्षत्रिय, प्रदुम्न कुमार यादव, वैद्यनाथ शर्मा, साधना देवी रजक सहित अन्य नेता मौजूद थे।

# सुषमा सिंह को मिला संस्कृत में स्वर्ण पदक

**नवबिहार टाइम्स ब्यूरो**

**पटना।** नालंदा खुला विश्वविद्यालय की संस्कृत छात्रा, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय विशुनपुर, मड़वन, मुजफ्फरपुर की संस्कृत शिक्षिका एवं आधुनिको भव संस्कृतं वद अभियान की ओर से संचालित संस्कृत सम्भाषण शिविर में महत्वपूर्ण योगदान देनेवाली सुषमा सिंह को बिहार के राज्यपाल मो आरिफ खान के करकमलों द्वारा आयोजित नालंदा खुला विश्वविद्यालय दीक्षांत समारोह में संस्कृत विषय में स्वर्ण पदक मिला। सुषमा सिंह ने इस उपलब्धि का श्रेय अपने गुरु डॉ मुकेश कुमार ओझा दिया। डा मुकेश कुमार ओझा ने भी अपनी शिष्या को इस उपलब्धि के लिए स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया एवं भविष्य में सफल होने की कामना की। पिता सोहन प्रसाद सिंह, पति अजय सिंह, रजनीश रंजन, विद्यालय के प्राचार्य रजनीश कुमार, यशवंत कुमार, राम नरेश सिंह, किरण ओझा, उग्र नारायण झा आदि अनेक लोगों ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं व्यक्त किए। विहार संस्कृत संजीवन समाज एवं आधुनिको भव संस्कृतं वद अभियान में खुशी की लहर है।

# सातवें पोषण पखवाड़े का समापन

## पूर्णिया जिला रहा अव्वल, नालंदा दूसरे स्थान पर

**नवबिहार टाइम्स ब्यूरो**

**पटना।** बिहार में 8 अप्रैल से शुरू हुए सातवें पोषण पखवाड़ा का मंगलवार को समापन हुआ। इस दो सप्ताह की अवधि में राज्यभर में पोषण, स्वास्थ्य और स्वच्छता को लेकर एक व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। इस पहल का उद्देश्य खासतौर पर बच्चों, किशोरियों और गर्भवती महिलाओं को कुपोषण से बचाने और संतुलित आहार के प्रति जागरूक करना रहा।

**पोषण पखवाड़ा के दौरान पूर्णिया रहा अव्वल**

अब तक जारी आंकड़ों के मुताबिक पोषण पखवाड़ा के दौरान पूर्णिया अव्वल रहा जहां जिले में सर्वाधिक गतिविधि दर्ज की गई। पूर्णिया में पोषण पखवाड़ा के दौरान सबसे अधिक 106% एक्टिविटी दर्ज की गई। वहीं दूसरे स्थान पर नालंदा रहा जहां कुल 3414 आंगनबाड़ी केन्द्रों में 89% गतिविधि देखने को मिली। वहीं तीसरे स्थान पर मधेपुरा रहा जहां कुल गतिविधि 88% रही। चौथे स्थान पर बिहार का कैमूर जिला रहा जहां 1769 आंगनबाड़ी केन्द्रों में 78% एक्टिविटी देखने को मिली। पांचवें स्थान की बात करें तो सहरसा के 2090 आंगनबाड़ी केन्द्रों पर 78 प्रतिशत गतिविधि दर्ज की गई। राज्य के कुल 1,15,013 आंगनबाड़ी केन्द्रों में औसतन 65% गतिविधियां दर्ज हुईं जो इस अभियान की व्यापकता को दर्शाता है।

**चलाया गया जागरूकता कार्यक्रम**

इस अवधि में गांवों, आंगनबाड़ी केंद्रों और स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। जीवन के पहले 1000 दिनों में पोषण के महत्व, एनीमिया की रोकथाम, हाथ धोने की सही विधि और पौष्टिक आहार की जानकारी दी गई। बच्चों ने पोषण रैलियां निकाली। पोस्टर और ड्राइंग प्रतियोगिताओं में भाग लिया और स्कूल परिसरों में पोषण वाटिकाएं तैयार की।

**गर्भवती महिलाओं को दी गई 'पोषण की पोटली'**

गर्भवती महिलाओं को 'पोषण की पोटली' देकर गोद भराई की रस्म निभाई गई। उन्हें घरेलू पौष्टिक रेसिपी, किचन गार्डन और प्रसवपूर्व पोषण के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना और मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना से संबंधित लाभों से भी अवगत कराया गया। इस दौरान ग्रामीणों ने स्वस्थ जीवनशैली और संतुलित आहार अपनाने की शपथ ली। पोषण पखवाड़ा की गतिविधियों की ऑनलाइन मॉनिटरिंग की गई और पोषण डैशबोर्ड के माध्यम से हर स्तर पर निगरानी रखी गई।

# जैन धर्मावलंबियों ने मुनि सुब्रतनाथ का ज्ञान कल्याणक भक्ति एवं श्रद्धा से मनाया

**नवबिहार टाइम्स ब्यूरो**

**पटना।** जैन समाज द्वारा श्रीपार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, कदमकुआं सहित मीठापुर, मुरादपुर, कमलदह एवं अन्य जैन मंदिरों में जैन धर्म के बीसवें तीर्थंकर मुनि सुब्रतनाथ का ज्ञान कल्याणक भक्ति एवं श्रद्धा से मनाया। जैन समाज के एम पी जैन ने बताया कि इस अवसर पर जैन समाज के लोगों ने मुनि सुब्रतनाथ की पूजा-अर्चना की और उनके जीवन एवं उपदेशों को याद किया। मुनि सुब्रतनाथ के ज्ञान कल्याणक के अवसर पर अभिषेक, शांतिधारा एवं पूजा के बाद उनके जीवन एवं उपदेशों को याद करने और उनके संदेशों को अपने जीवन में लागू करने के बारे में बताया गया। इस अवसर पर कदमकुआं, मीठापुर, मुरादपुर, कमलदह आदि दिगंबर जैन मंदिरों में अभिषेक, शांतिधारा एवं मंगल आरती किया गया। श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में अभिषेक, पूजा जिनेश जैन एवं अन्य द्वारा तथा मुरादपुर जैन चैत्यालय में अभिषेक शांतिधारा सुबोध फंटी ने किया। मौके पर बिहार राज्य दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र कमिटी के सचिव पराग जैन ने बताया कि मुनि सुब्रतनाथ का जन्म राजगीर में हुआ था।

# विश्व पृथ्वी दिवस पर पटना विश्वविद्यालय परिसर में पक्षियों के लिए 100 सकोरा लगाने की मुहिम शुरू

**नवबिहार टाइम्स ब्यूरो**

**पटना।** विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर एनवायरनमेंट वारियर्स तथा हमारी गौरैया के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को पटना विश्वविद्यालय के एनआईटी कैम्पस, दरभंगा हाउस, पटना कॉलेज, भूगोल विभाग, जंतु विज्ञान विभाग, वनस्पति विज्ञान विभाग, गणित विभाग, रसायनशास्त्र विज्ञान विभाग आदि स्थानों पर पक्षियों तथा जानवरों के पानी तथा दाना की व्यवस्था की गई। इसके लिए विश्वविद्यालय तथा महाविद्यालयों के परिसर में दानाघर तथा पानी के लिए सकोरा लगाया गया। मौके पर छात्रों ने पर्यावरण को बचाने का संकल्प भी लिया। एनवायरनमेंट वारियर्स के निदेशक निशांत रंजन ने कहा कि वैसे तो सालों भर पशु-पक्षियों को जल की आवश्यकता होती है,

लेकिन गर्मियों में पशु-पक्षियों के समक्ष पानी की बड़ी समस्या उत्पन्न हो जाती है। पिछले वर्ष बढ़ते तापमान के कारण कई जगहों पर पक्षियों के डिहाइड्रेशन होने के कारण गिरने की घटना सामने आई थी, इसके वजह से कई पक्षियों ने अपनी जान गंवाई थी। इसी समस्या के समाधान के लिए हमारी टीम ने पटना विश्वविद्यालय परिसर तथा राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पटना में 100 तथा अन्य क्षेत्र में 100 पानी के सकोरे एवं दाना घर लगाने का कार्य कर रही है। इसका शुभारंभ विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर पटना विश्विद्यालय कैम्प्स से किया गया। इस कार्य का नेतृत्व ऋषि कांत आर्य, निश्चल कुमार, प्रियांशु रंजन, प्रिया सिंह के साथ मिल कर रहे हैं। मौके पर टीम की अध्यक्ष अदिति रॉय, दिग्विजय कुमार आदि उपस्थित थे। वहीं हमारी गौरैया के संयोजक संजय कुमार ने कंकड़बाग में बच्चों से पानी का सकोरा पक्षियों के लिए रखवाया और रोज पानी रखने का वायदा करवाया।

# बिहटा में भव्य दिव्य मंगल कलश यात्रा निकाली गई

**नवबिहार टाइम्स ब्यूरो**

**पटना।** बाबा बीटेश्वर नाथ मंदिर से पश्चिम बिहटा उच्च विद्यालय के सामने लई रोड बिहटा, पटना में श्री शिव महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ को लेकर लई रोड, बिहटा मंगलवार को भव्य मंगल कलश यात्रा निकाला गया। यह यात्रा शांति, सद्भाव और आध्यात्मिकता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से की गई। इस मंगल कलश यात्रा में 1101 महिलाएं एवं कुमारी कन्याएं व चार रथ, गाजे बाजे के साथ काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। कलश यात्रा का प्रारंभ सर्व श्री आशुतोष महाराज जी के शिष्य स्वामी यादवेंद्रानंद, स्वामी सुकमार्नंद, संजय सिंह, वीरेंद्रानन्द, अरुण कुमार, महेश, मुख्य यजमान श्री नीरज कुमार, श्री मंटू कुमार, छोटन सिंह, नीरज जी , त्रिलोकी सिंह ने झंडा दिखा कर किया। कलश यात्रा कथा स्थल से राघोपुर, बाजार समिति, बिजली ऑफिस मोड़ जिनपुरा रोड, चीनी मिल, बिहटा स्टेशन रोड होते हुए पुनः कथा स्थल पहुंची।

# रक्षा पेंशनरों की पेंशन संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए समाहरणालय बक्सर में स्पर्श

**नवबिहार टाइम्स ब्यूरो**

**पटना।** रक्षा लेखा नियंत्रक हिमांशु शंकर, भा.र.ले. से के निर्देशानुसार रक्षा पेंशनरों यथा भूतपूर्व सैनिक, वीर नारी एवं विरांगनाओं के पेंशन विसंगतियों के समाधान हेतु स्पर्श जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन, समाहरणालय बक्सर के सभागार में किया गया जिसमें विभाग के रक्षा लेखा उप नियंत्रक विजय कुमार, भा.र.ले. से, के नेतृत्व में रक्षा लेखा नियंत्रक पटना तथा रक्षा लेखा प्रधान नियंत्रक (पेंशन) प्रयागराज से आए हुए अधिकारियों/कर्मचारियों ने पेंशनरों एवं उनके आश्रितों के पेंशन संबंधी विसंगतियों का सफलतापूर्वक निपटारा किया। कार्यक्रम की शुरूआत जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल, भा.प्र.से. एवं विजय कुमार, उप-नियंत्रक के उद्बोधन से हुई। कार्यक्रम को सफल बनाने में जिला सैनिक कल्याण बोर्ड के अधिकारी एवं कर्मचारियों, बिहार राज्य पूर्व सैनिक संघ बक्सर एवं आइ.इ. एस. एम बक्सर का सहयोग सराहनीय रहा। जिला प्रशासन के तरफ से उपस्थित बरिष्ठ उप-समाहर्ता अजय कुमार, बि. प्र. से को आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम में बक्सर जिले से काफी संख्या में रक्षा पेंशनरों ने भाग लिया एवं इसका लाभ उठाया तथा रक्षा लेखा नियंत्रक पटना द्वारा इस कार्यक्रम का आयोजित करने के लिए आभार व्यक्त किया एवं आग्रह किया की इस तरह के कार्यक्रम का आयोजन भविष्य में भी समय-समय पर किया जाए।

# आज होगा श्री कमलदह जी दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र में मानस्तम्भ वेदी शुद्धि एवं प्रतिमा विराजमान

**नवबिहार टाइम्स ब्यूरो**

**पटना।** आज होगा श्री कमलदह जी दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र में पटना का पहला भव्य मानस्तम्भ वेदी शुद्धि एवं प्रतिमा विराजमान कार्यक्रम। यह जानकारी बिहार स्टेट दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र कमिटी के मानद मंत्री पराग जैन ने देते हुए बताया कि यह कार्यक्रम प्रातः 06:30 बजे से कमलदह मंदिर में प्रारंभ होगा। पराग जैन ने कहा कि यह आयोजन परम पूज्य आचार्य श्री 108 विशुद्धसागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद तथा परम पूज्य मुनि श्री सुप्रभसागर जी महाराज (ससंघ) की दिव्य प्रेरणा से संपन्न होगा। यह पूरा आयोजन बाल ब्रह्मचारी साकेत भैया जी सोलापुर, महाराष्ट्र के निर्देशन में किया जाएगा। इस शुभ अवसर पर दक्षिण भारतीय शैली में नवनिर्मित 21 फुट ऊंचे विशाल मानस्तम्भ की वेदी शुद्धि एवं प्रतिमा स्थापना विधिपूर्वक की जाएगी। सेठ सुदर्शन स्वामी की मोक्ष कल्याणक भूमि पर यह आयोजन अत्यंत श्रद्धा, भक्ति एवं आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण होगा। इस संबंध में एम पी जैन ने बताया कि इस पुण्य अवसर पर सैकड़ों की संख्या में जैन श्रद्धालुगण उपस्थित होकर धर्मलाभ करेंगे। कार्यक्रम का आयोजन बिहार स्टेट दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र कमिटी के अंतर्गत श्री कमलदह जी दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र पटना द्वारा किया जाएगा।

CMYK

## संपादकीय

# अपनी है उर्दू

सुप्रीम कोर्ट का उर्दू से जुड़े मामले में दिया गया फैसला बताता है कि भारत जैसे देश के लिए भाषाई विविधता कितनी जरूरी है। भाषा को किसी धर्म, संप्रदाय से जोड़कर नहीं देखना चाहिए। यह तो पुल की तरह है, जो लोगों को जोड़ने का काम करती है। उम्मीद है कि टिप्पणियों के रूप में आई शीर्ष अदालत की नसीहत भाषाई विवाद खड़ा करने वालों को कुछ सीख देगी।यह मामला महाराष्ट्र से जुड़ा हुआ था। वहां बॉम्बे हाईकोर्ट ने अकोला के पातूर नगर परिषद की नई इमारत के साइनबोर्ड पर मराठी के साथ उर्दू के इस्तेमाल की अनुमति दी थी। सुप्रीम कोर्ट इसी फैसले के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई कर रहा था। अदालत ने माना कि उर्दू के प्रयोग का उद्देश्य केवल प्रभावी संवाद है।भारत में आबादी की तरह भाषाएं भी मिली-जुली हैं। एक भाषा के शब्द दूसरी भाषा में कब चले जाते हैं, बोलने वाले को भी पता नहीं चलता। और उर्दू तो खासतौर पर बहन कही जाती है हिंदी की। इसके बिना रोजमर्रा की बोलचाल भी नहीं हो सकती। यूपी, बिहार जैसे हिंदीभाषी राज्यों को छोड़ दिया जाए, तो कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना जैसे दक्षिण के राज्यों में भी उर्दू बोलने वालों की अच्छी-खासी तादाद है। जिस महाराष्ट्र में यह विवाद हुआ, वहां स्थापित फिल्म इंडस्ट्री उर्दू के लफ्जों के बिना एक कदम भी नहीं चल पाएगी।उर्दू से जुड़ा विवाद उस मानसिकता की देन है, जिसके हिसाब से यह भाषा भारत की नहीं है। यह धारणा बना ली गई है कि जिस तरह धर्म के आधार पर देश का बंटवारा हुआ और उसके परिणाम में मानव इतिहास का सबसे बड़ा विस्थापन देखना पड़ा, उसी तरह उर्दू को भी भारत से विस्थापित हो जाना चाहिए। हालांकि भाषाएं अपना देश नहीं छोड़ा करतीं और उर्दू तो भारत की ही है, जैसे संस्कृत, हिंदी या फिर बांग्ला। इन भाषाओं ने अपने शब्दों, साहित्य से दूसरी भारतीय भाषाओं को और समृद्ध ही किया है। उर्दू का अदब और रेशमी सलीका भारतीय संस्कृति का हिस्सा है, जिसे कोई नकार नहीं सकता।बहुभाषी देश में भाषाओं को लेकर विवाद कोई नई बात नहीं है। दक्षिण भारत में हिंदी को लेकर प्रतिरोध बहुत पुराना है। हाल में राष्ट्रीय शिक्षा नीति की वजह से यह मामला फिर उछला था। तमिलनाडु की डीएमके सरकार ने आरोप लगाया था कि केंद्र सरकार उन पर हिंदी थोपने की कोशिश कर रही है। इस तरह के विवादों में आम लोगों की संवेदनाएं, पुरानी धारणाएं और राजनीति प्रमुख भूमिका निभाती हैं। लेकिन सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के अनुसार यह समझने की जरूरत है कि भाषा धर्म नहीं है... यह एक समुदाय, क्षेत्र और लोगों की होती है, धर्म की नहीं।

# मानव जीवन एवं समग्र सृष्टि का अमूल्य दर्शन है 'एकात्म मानववाद'

**डॉ. संजय मयूख**

एकात्म मानव दर्शन, कोई सामान्य विचार या दर्शन नहीं है। यह मानव जीवन और सम्पूर्ण सृष्टि से से सम्बंधित अमूल्य दर्शन है। इस दर्शन को महान राजनीतिक चिंतक और राष्ट्र के लिए समर्पित पंडित दीनदयाल उपाध्यायजी ने 22 से 25 अप्रैल 1965 को मुंबई में दिये चार व्याख्यानों के रूप में प्रस्तुत किया था । इसका पूर्ण वैज्ञानिक विवेचन भी उन्होंने किया था। 'एकात्म मानव दर्शन' को पहली बार 1964 में जनसंघ के ग्वालियर अधिवेशन में रखा गया। अगले वर्ष विजयवाड़ा अधिवेशन में भारतीय जनसंघ ने इसे विधिवत अपनाया। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने 22 से 25 अप्रैल 1965 तक चली चार दिवसीय व्याख्यान माला में इस दर्शन की बारीकियों को विस्तार से समझाया। इसकी तुलना साम्यवाद, समाजवाद या पूंजीवाद से नहीं की जा सकती है।

एकात्म मानववाद को किसी वाद के रूप में भी देखना उचित नहीं है। यह मूलतः एकात्म मानव दर्शन ही हैं, कुछ परिस्थितियों के कारण यह एकात्म मानववाद के रूप में प्रचलित है। एकात्म मानववाद एक ऐसी धारणा है, जिसके केंद्र में व्यक्ति, व्यक्ति से जुड़ा हुआ एक परिवार, परिवार से जुड़ा हुआ एक समाज, जाति, फिर राष्ट्र, विश्व और फिर अनंत ब्रह्माण्ड को अपने में समाविष्ट किए हुए है। सभी एक-दूसरे से जुड़कर अपना अस्तित्व साधते हुए एक दुसरे के पूरक एवं स्वाभाविक सहयोगी है। इन सब के बीच कोई संघर्ष नहीं है।

भारतीय जनता पार्टी के संविधान की धारा तीन के अन्तर्गत 'एकात्मक मानववाद' को भाजपा के मूल दर्शन के रूप में आत्मसात किया गया है। स्वतंत्रता के बाद भारत की राजनीति में जो वैचारिक शून्यता थी, उसे भरने के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने अपने सुदीर्घ चिन्तन, अध्ययन एवं मनन के बाद एक समग्र विचारधारा राष्ट्र के समक्ष रखा। पाश्चात्य राजनैतिक चिन्तन ने मानव को 'सेक्यूलरवाद, व्यक्तिवाद (पूंजीवाद), समाजवाद एवं साम्यवाद की विचार धाराएं दी थीं। स्वतंत्र भारत का नेतृत्व भी इन्हीं वादों में भारत का भविष्य खोज रहा था। उस दौर में दीनदयाल जी ने हस्तक्षेप करते हुए सवाल खड़ा किया कि जब हमने पाश्चात्य साम्राज्यवाद को नकार दिया तो अब हमारी क्या मजबूरी है कि हम पाश्चात्य 'वादों' का अनुगमन करें?

सामान्यतः भारत के राजनैतिक क्षेत्र में स्थापित सभी दल यह सोचते थे कि हमें कुछ संशोधनों के साथ इन पाश्चात्य वादों को ही स्वीकारना पड़ेगा, क्योंकि हमारे पास कोई अन्य चिंतन नहीं है। हम तो राष्ट्र थे ही नहीं। पाश्चात्यों ने ही आकर हमको राष्ट्र बनने के लिए तैयार किया है। हम राष्ट्र बनने जा रहे हैं, हम नवोदित राष्ट्र हैं। भारतीय जनसंघ या भारतीय जनता पार्टी भारत को प्राचीन एवं सनातन राष्ट्र मानती है। पश्चिम की राष्ट्र-राज्य परिकल्पना से पुरानी कल्पना भारत के 'सांस्कृतिक राष्ट्रवाद' की है। भारतीय संस्कृति की एक गौरव सम्पन्न ज्ञान-परम्परा है, जिसमें भारत का भविष्य खोजना चाहिए। मानव की तरफ देखने की पाश्चात्य दृष्टि खण्डित हैं। उनका व्यक्तिवाद, समाजवाद का दुश्मन है तथा समाजवाद, व्यक्तिवाद का शत्रु है। वे प्रकृति पर मानव की विजय चाहते हैं। सेक्यूलरवाद को अपनाकर उन्होंने अपने सार्वजनिक जीवन को अध्यात्म से काट लिया। भौतिकवाद बनाम अध्यात्म, स्टेट बनाम चर्च तथा रिलिजन बनाम सांइस के द्वंद्वमूलक समीकरण उत्पन्न हुये।

पं दीनदयाल जी मानते थे कि पश्चिम की यह बहस भी एक मानवीय बहस है। इसे हमें जानना चाहिए तथा इससे कुछ सीखना भी चाहिये, लेकिन हमें इन द्वंद्वमूलक निष्कर्षों का अनुयायी नहीं बनना चाहिये।

अतः मौलिक भारतीय चिन्तन के आधार पर विकल्प देने की जिम्मेदारी उन्होंने स्वयं स्वीकार की। भारतीय जनसंघ की पहली पीढ़ी के सभी कार्यकर्ता इस काम में लगे। 1959 का पूना अभ्यासवर्ग, 1964 का ग्वालियर अभ्यास वर्ग तथा 1964 के संघ शिक्षा वर्गों के इस दृष्टि से विशेष महत्व है। इन वर्गों में परिपक्व हुये विचारों को दीनदयाल जी ने सिद्धांत और नीति प्रलेख में 'एकात्म मानववाद' नाम से प्रस्तुत किया। 1965 में भारतीय जनसंघ के विजयवाड़ा वार्षिक अधिवेशन में इसे मूल दर्शन के रूप में स्वीकार किया गया तथा 1985 में भारतीय जनता पार्टी ने भी इसे अपने मूल दर्शन के रूप में स्वीकार किया।

यह विचार व्यक्ति बनाम समाज नहीं, बल्कि व्यक्ति और समाज की एकात्मता का विचार है। यह मानव बनाम प्रकृति नहीं, बल्कि मानव के साथ प्रकृति की एकात्मता का विचार है। भौतिक बनाम अध्यात्मिक नहीं, बल्कि इनकी एकात्मता का विचार है। यह विचार दृश्यमान पृथकताओं में एकात्मता के सूत्र खोजता है। संसार में पृथकता नहीं, विविधता हैं, जो 'पिंड' में है, वही 'ब्रह्माण्ड' में है। आज मानव अपने को व्यक्ति मानकर अपनी सामाजिक संस्थाओं से युद्ध कर रहा है, परिवार, जाति, वंश, पंचायत सब को अपना दुश्मन मान रहा है। समाजवाद के नाम पर तानाशाहियों का सृजन कर रहा है, विकास के नाम पर प्रकृति से युद्ध कर रहा है, पर्यावरण का विनाश कर भयानक विभीषिकाओं को आमंत्रित कर रहा है। सुख की खोज में दुःख कमा रहा है तथा आनंद की अवधारणा से अपरिचित रह रहा है।

भारतीय परम्परा इन पृथकताओं का निषेध करती है। वह जड़-चेतन सभी से अपनी रिश्ते स्थापित करती है। धरती 'माता' है, चन्द्रमा 'मामा' है, पर्वत 'देवता' है, नदियां 'माता' है। समाज का हर व्यक्ति परस्पर जुड़ा हुआ है। यह 'वसुधा तो एक कुटुम्ब' है। एकात्मता, समग्रता में निहित है। जैसे ब्रह्माण्ड की समग्रता है, वैसे ही व्यक्ति की भी समग्रता है। व्यक्ति अर्थात केवल शरीर नहीं, उसके पास मन है, बुद्धि है और आत्मा भी है। यदि इन चारों में से एक की भी उपेक्षा हो तो व्यक्ति का सुख विकलांग हो जायेगा। वैसे ही समाज केवल सरकार नहीं है, उसकी अपनी संस्कृति है, जन एवं देश है। इन चारों के सम्यक संचालन के बिना समष्टि के सुख का संधान नहीं होता।

इस प्रकार सृष्टि के पंच-महाभूत (पृथ्वी, जल, आकाश, प्रकाश व वायु) हैं, जिनके साथ न्याय-संगत व्यवहार होना चाहिये, तभी मानव सुखी होगा। धर्म, अर्थात शिक्षा, संस्कार एवं विधि व्यवस्था। अर्थ-साधन पुरुषार्थ है। धर्मानुसार अर्थव्यवस्था, रोजगार, उत्पदान, वितरण एवं उपयोग आदि। धर्म विरुद्ध काम पुरुषार्थ नहीं, वरन विकार है। ये समस्त भारतीय विचार प्रवचनों का नहीं, बल्कि राष्ट्रनीति एवं राजनीति का विषय होना चाहिये। इसके आधार पर देश की नीतियां बननी चाहिये।

जब कोई मानव समूह किसी लक्ष्य, किसी आदर्श, किसी मिशन के साथ रहता है और भूमि के किसी विशेष हिस्से के प्रति अपनी मातृभूमि का भाव रखता है तो यह एक राष्ट्र का निर्माण करता है। दोनों में से किसी एक के भाव का अभाव हो तो कोई राष्ट्र नहीं बनता है। शरीर में एक 'स्व' होता है, यही व्यक्ति का सार है। यह शरीर का साथ छोड़ दे तो व्यक्ति को मृत मान लिया जाता है। किसी राष्ट्र के मामले में यह विचार, आदर्श या मौलिक सिद्धांत होते हैं, जो उसकी आत्मा हैं। राष्ट्र की एक आत्मा होती है। यही एकात्म मानव दर्शन का मूल है। जो कुछ भी चिति विरुद्ध होता है, उसे विकृत, अवांछनीय मानकर त्याग दिया जाता है और उससे बचना चाहिए। इसी चिति की नींव पर राष्ट्र का निर्माण होता है। मौजूदा समय में दुनिया की तमाम समस्याओं का एक प्रमुख कारण यह है कि लगभग सभी लोग राज्य को समाज का पर्याय मान लेते हैं। कम से कम व्यवहारिक तौर पर तो वे राज्य को ही समाज का एकमात्र प्रतिनिधि मानते हैं। हमने कभी भी राज्य को राष्ट्र का एकमात्र प्रतिनिधि नहीं माना था। राज्य के विदेशियों के हाथों में जाने के बाद भी हमारा राष्ट्रीय जीवन निर्बाध रूप से चलता रहा था। राज्य को अस्तित्व में लाया गया राष्ट्र की रक्षा के लिए और ऐसी स्थितियां उत्पन्न करने और बनाए रखने के लिए जिनमें राष्ट्र के आदर्शों को वास्तविकता में बदला जा सकता हो। किसी राष्ट्र की चिति को व्यक्त करने और बनाए रखने में सहायक विधियों व विधानों को उस राष्ट्र का धर्म कहा जाता है। अतः धर्म सर्वोच्च है। धर्म वह तत्व है, जिसमें राष्ट्र की आत्मा बसी होती है। यदि धर्म नष्ट हो जाता है, तो राष्ट्र नष्ट हो जाता है। जो कोई भी धर्म का त्याग करता है, वह देश के साथ विश्वासघात करता है। धर्म सर्वोच्च है, इसलिए राज्य के लिए हमारा आदर्श धर्मराज्य ही रहा है। धर्मराज्य मतों को मानने की स्वतंत्रता सुनिश्चित करता है और यह थ्रियोक्रेटिक अर्थात किती मत विशेष द्वारा शासित राज्य से अलग है। धर्मराज्य व्यक्ति की शांति, खुशी और प्रगति के लिए धर्म की महत्ता स्वीकार करता है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने ऐसे आर्थिक सिद्धांतों को भी विस्तार से समझाया है, जिनका पालन करना किसी भी राज्य और समाज के लिए संतुलित और सतत आर्थिक विकास के लिहाज से उपयोगी साबित हो सकता है। पूंजीवादी और साम्यवादी ये दोनों ही प्रणालियां 'एकात्म मानव', उसके सच्चे और पूर्ण व्यक्तित्व और उनकी आकांक्षाओं पर ध्यान देने में नाकाम रही हैं। एक की नजर में वह केवल एक स्वार्थी है, जो पैसे के पीछे भागता रहता रहता है, उसके लिए केवल एक ही विधान है, जबर्दस्त प्रतिस्पर्धा का विधान। दूसरे ने उसे सारी व्यवस्था में एक ऐसा कमजोर बेजान पहिया मान लिया है, जो कठोर नियमों से बंधा हुआ है और जब तक निर्देशित न किया जाए, कुछ भी अच्छा कर पाने में अक्षम है। सत्ता का आर्थिक और राजनीतिक केंद्रीकरण दोनों में ही निहित है। इसलिए, दोनों का ही नतीजा मानव का अमानवीयकरण ही होता है।

### पंडित जी ने विशेष रूप से छह उद्देश्यों को रेखांकित किया

- प्रत्येक व्यक्ति के लिए कम से कम एक सामान्य जीवन स्तर और राष्ट्र की रक्षा के लिए पूरी तैयारी।
- इस सामान्य जीवन स्तर में और अधिक वृद्धि जिससे व्यक्ति विशेष और राष्ट्र को अपनी चिति के आधार पर विश्व की प्रगति में योगदान के सार्थक मायने मिलें।
- हर सक्षम नागरिक को सार्थक रोजगार प्रदान करना, जिससे उपरोक्त दोनों उद्देश्य वास्तव में हासिल किए जा सकें, और प्राकृतिक संसाधनों का बेतहाशा उपयोग और इनकी बर्बादी न हो।
- उत्पादन के विभिन्न साधनों की प्रकृति और उपलब्धता को ध्यान में रखकर भारतीय स्थितियों (भारतीय प्रौद्योगिकी) के अनुकूल मशीनों का विकास किया जाए।
- यह प्रणाली मानव (व्यक्ति विशेष) की मददगार हो, उसे खारिज करने वाली नहीं. यह सांस्कृतिक और अन्य जीवन मूल्यों की रक्षा करने वाली होनी चाहिए. यह एक ऐसी आवश्यकता है, जिसे कोई बड़ा जोखिम उठाए बगैर अनदेखा नहीं किया जा सकता।
- राज्य, निजी या किसी भी अन्य रूप में विभिन्न उद्योगों का स्वामित्व, तथ्यात्मक और व्यावहारिक आधार पर तय किया जाए।

वे स्वदेशी और विकेंद्रीकरण दोनों के समर्थक थे। आर्थिक विकास में केंद्रीकरण को इसकी प्रमुख बाधाओं में से एक मानते थे। 'स्वदेशी की अवधारणा को पुरानी और प्रतिक्रियावादी मानकर उसका मजाक उड़ाया जाता है। हम विदेशी सामान गर्व से इस्तेमाल करते हैं। सोच, प्रबंधन, पूंजी, उत्पादन के तरीके, प्रौद्योगिकी आदि से लेकर उपभोग के मानकों और स्वरूप तक के लिए देशी सहायता पर अत्यधिक निर्भर हो गए हैं। यह रास्ता प्रगति और विकास की ओर नहीं ले जाता। हम अपनी विशेषता भूल जाएंगे और मानसिक रूप से गुलाम बन जाएंगे। स्वदेशी को हमारी अर्थव्यवस्था के पुनर्निर्माण के लिए एक आधारशिला के तौर पर इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने भी कहा था कि 'गरीबों, वंचितों और हमारे गांवों की सेवा करने की पंडित जी की प्रतिबद्धता हमें आज भी प्रेरित करती है। उपाध्यायजी के विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने उनके समय में थे। यही नहीं, वे आने वाले समय में भी प्रासंगिक ही बने रहेंगे।' भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में मोदी सरकार की नीतियां और योजनाएं वास्तव में दीनदयाल उपाध्याय की परिकल्पनाओं को लेकर ही आगे बढ़ रही है।

**(लेखक भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता, भाजपा केंद्रीय मीडिया विभाग के सह प्रभारी एवं बिहार विधान परिषद के सदस्य हैं)**

# धधकती धरती: विकास की दौड़ या विनाश की ओर?

**(योगेश कुमार गोयल)**

हालांकि प्रकृति कभी समुद्री तूफान तो कभी भूकम्प, कभी सूखा तो कभी अकाल के रूप में अपना विकराल रूप दिखाकर हमें चेतावनी भी देती रही है किन्तु जलवायु परिवर्तन से निपटने के नाम पर वैश्विक चिंता व्यक्त करने से आगे हम शायद कुछ करना ही नहीं चाहते।

न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर तापमान में लगातार हो रही बढ़ोतरी तथा मौसम का निरन्तर बिगड़ता मिजाज गंभीर चिंता का सबब बना है। हालांकि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विगत वर्षों में दुनियाभर में दोहा, कोपेनहेगन, कानकुन इत्यादि बड़े-बड़े अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन होते रहे हैं किन्तु उसके बावजूद इस दिशा में अभी तक ठोस कदम उठते नहीं देखे गए हैं। दरअसल वास्तविकता यही है कि राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर प्रकृति के बिगड़ते मिजाज को लेकर चर्चाएं और चिंताएं तो बहुत होती हैं, तरह-तरह के संकल्प भी दोहराये जाते हैं किन्तु सुख-संसाधनों की अंधी चाहत, सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि, अनियंत्रित औद्योगिक विकास और रोजगार के अधिकाधिक अवसर पैदा करने के दबाव के चलते इस तरह की चर्चाएं और चिंताएं अर्थहीन होकर रह जाती हैं। ऐसे में पर्यावरण संरक्षण को लेकर लोगों में जागरूकता पैदान करने तथा पृथ्वी को बचाने के लिए प्रतिवर्ष 22 अप्रैल को 'विश्व पृथ्वी दिवस' मनाया जाता है। प्रकृति पिछले कुछ समय से बार-बार भयानक आंधियों, तूफान और ओलावृष्टि के रूप में यह गंभीर संकेत देती रही है कि विकास के नाम पर हम प्रकृति से भयानक तरीके से जिस तरह का खिलवाड़ कर रहे हैं, उसके परिणामस्वरूप मौसम का मिजाज कब कहां किस कदर बदल जाए, कुछ भी भविष्यवाणी करना मुश्किल होता जा रहा है। ग्लोबल वार्मिंग के चलते दुनियाभर में मौसम का मिजाज किस कदर बदल रहा है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि उत्तरी ध्रुव के तापमान में एक-दो नहीं बल्कि करीब 30 डिग्री तक की बढ़ोतरी देखी गई। मौसम की प्रतिकूलता साल दर साल किस कदर बढ़ती जा रही है, यह इसी से समझा जा सकता है कि कहीं भयानक सूखा तो कहीं बेमौसम अत्यधिक वर्षा, कहीं जबरदस्त बर्फबारी तो कहीं कड़ाके की ठंड, कभी-कभार ठंड में गर्मी का अहसास तो कहीं तूफान और कहीं भयानक प्राकृतिक आपदाएं, ये सब प्रकृति के साथ हमारे खिलवाड़ के ही दुष्परिणाम हैं और हमें यह सचेत करने के लिए पर्याप्त हैं कि अगर हम इसी प्रकार प्रकृति के संसाधनों का बुरे तरीके से दोहन करते रहे तो हमारे भविष्य की तस्वीर कैसी होने वाली है। हालांकि प्रकृति कभी समुद्री तूफान तो कभी भूकम्प, कभी सूखा तो कभी अकाल के रूप में अपना विकराल रूप दिखाकर हमें चेतावनी भी देती रही है किन्तु जलवायु परिवर्तन से निपटने के नाम पर वैश्विक चिंता व्यक्त करने से आगे हम शायद कुछ करना ही नहीं चाहते। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के अनुसार हम यह समझना ही नहीं चाहते कि पहाड़ों का सीना चीरकर हरे-भरे जंगलों को तबाह कर हम जो कंक्रीट के जंगल विकसित कर रहे हैं, वह वास्तव में विकास नहीं बल्कि विकास के नाम पर हम अपने विनाश का ही मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। पहाड़ों में बढ़ती गर्माहट के चलते हमें अक्सर घने वनों में भयानक आग लगने की खबरें सुनने को मिलती रहती हैं। पहाड़ों की इसी गर्माहट का सीधा असर निचले मैदानी इलाकों पर पड़ता है, जहां का पारा अब हर वर्ष बढ़ता जा रहा है।

धरती का तापमान यदि इसी प्रकार साल दर साल बढ़ता रहा तो आने वाले वर्षों में हमें इसके बेहद गंभीर परिणाम भुगतने को तैयार रहना होगा क्योंकि हमें यह बखूबी समझ लेना होगा कि जो प्रकृति हमें उपहार स्वरूप शुद्ध हवा, शुद्ध पानी, शुद्ध मिट्टी तथा ढ़ेरों जनोपयोगी चीजें दे रही है, अगर मानवीय क्रियाकलापों द्वारा पैदा किए जा रहे पर्यावरण संकट के चलते प्रकृति कुपित होती है तो उसे सब कुछ नष्ट कर डालने में पल भर की भी देर नहीं लगेगी। करीब दो दशक पहले देश के कई राज्यों में जहां अप्रैल माह में अधिकतम तापमान औसतन 32-33 डिग्री रहता था, अब वह 40 के पार रहने लगा है। मौसम विभाग का तो अनुमान है कि अगले तीन दशकों में इन राज्यों में तापमान में वृद्धि 5 डिग्री तक दर्ज की जा सकती है और इसी प्रकार तापमान बढ़ता रहा तो एक ओर जहां जंगलों में आग लगने की घटनाओं में बढ़ोतरी होगी, वहीं धरती का करीब 20-30 प्रतिशत हिस्सा सूखे की चपेट में आ जाएगा तथा एक चौथाई हिस्सा रेगिस्तान बन जाएगा, जिसके दायरे में भारत सहित दक्षिण पूर्व एशिया, मध्य अमेरिका, दक्षिण आस्ट्रेलिया, दक्षिण यूरोप इत्यादि आएंगे।

# अदालतों से फटकार खाकर भी नहीं सुधर रही देश की पुलिस

**नेताओं की हाथों की कठपुतली बनी पुलिस प्रणाली देश के आम लोगों का विश्वास जीतने में पूरी तरह नाकाम रही है। पुलिस का आचरण और व्यवहार आजादी के बाद भी सामंती बना हुआ है। अपराध रोकने की जिम्मेदारी निभाने वाली पुलिस के अपराधियों की तरह आचरण करने से वर्दी दागदार हो रही है। पुलिस राज्यों के अधिकार क्षेत्रों में होने के कारण सत्तारूढ़ दलों के इशारों के बगैर काम नहीं करती है। ऐसे ही हालात पुलिस पर पक्षपात करने के जिम्मेदार हैं।**

**(योगेंद्र योगी)**

पुलिस के कुकृत्यों सिर्फ मनमर्जी तक सीमित नहीं है, बल्कि पुलिस अपराधियों को पकडने के बजाए कई मामलों खुद अपराधी बन बैठी है। पंजाब के चर्चित मोगा सेक्स स्कैंडल में मोहाली स्थित कोर्ट ने 4 पुलिस अधिकारियों को सजा सुनाई है। नेताओं की हाथों की कठपुतली बनी पुलिस प्रणाली देश के आम लोगों का विश्वास जीतने में पूरी तरह नाकाम रही है। पुलिस का आचरण और व्यवहार आजादी के बाद भी सामंती बना हुआ है। अपराध रोकने की जिम्मेदारी निभाने वाली पुलिस के अपराधियों की तरह आचरण करने से वर्दी दागदार हो रही है। पुलिस राज्यों के अधिकार क्षेत्रों में होने के कारण सत्तारुढ़ दलों के इशारों के बगैर काम नहीं करती है। ऐसे ही हालात पुलिस पर पक्षपात करने के जिम्मेदार हैं। अधिनस्थ से लेकर देश की शीर्ष अदालत कई बार पुलिस की कारगुजारियों को उजागर किया है। इसके बावजूद पुलिस के रवैये में कोई खास बदलाव नहीं आया है। सुप्रीम कोर्ट ने दीवानी मामले में आपराधिक कानून लगाने पर उत्तरप्रदेश (यूपी) पुलिस को फटकार लगाई। अदालत ने कहा कि यूपी पुलिस की ओर से दीवानी मामलों में दर्ज की गई प्राथमिकियों पर गौर करने से पता चलता है कि राज्य में कानून का शासन पूरी तरह ध्वस्त हो गया है।

पुलिस के कुकृत्यों सिर्फ मनमर्जी तक सीमित नहीं है, बल्कि पुलिस अपराधियों को पकडने के बजाए कई मामलों खुद अपराधी बन बैठी है। पंजाब के चर्चित मोगा सेक्स स्कैंडल में मोहाली स्थित कोर्ट ने 4 पुलिस अधिकारियों को सजा सुनाई है। मोगा सेक्स स्कैंडल साल 2007 में सुर्खियों में आया। उस समय पंजाब में अकाली-भाजपा गठबंधन की सरकार थी। इस स्कैंडल में कई हाई प्रोफाइल राजनेता और सीनियर पुलिस अधिकारी शामिल थे। ये सब मिलकर अमीर लोगों को देह व्यापार में फंसाते थे। पुलिस की कारगुजारियों का पर्दाफाश सुप्रीम कोर्ट ने एक मृत्युदंड के मामले में भी किया है। सुप्रीम कोर्ट ने हत्या के आरोप में निचली अदालत से मौत की सजा प्राप्त एक युवक को बरी करते हुए पुलिस प्रक्रिया पर तीखी टिप्पणियां की। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सभी फोरेंसिक और गवाहों की रिपोर्टों की बारीकी से समीक्षा की और पाया कि आरोपी के खिलाफ कोई विश्वसनीय सबूत नहीं था। इस तरह एक निर्दोष व्यक्ति ने 10 साल फांसी की सजा के साए में जेल में बिताए, जबकि पुलिस और न्यायिक व्यवस्था की नाकामी साफ नजर आई। सुप्रीम कोर्ट पुलिस और सत्तारुढ़ दलों के नापाक गठजोड़ को कई बार उजागर कर चुका है। सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश रहे एनवी रमना ने एक मामले में कहा था कि देखा जा रहा है कि पुलिस के अधिकारी सत्ता में मौजूद राजनीतिक पार्टी का फेवर करते हैं और सत्ता पक्ष के विरोधियों के खिलाफ कार्यवाही करते हैं। बात यहीं खत्म नहीं होती जब विरोधी पक्ष के लोग सत्ता में आते हैं तो उन्हीं पुलिस अफसरों पर कार्यवाही करते हैं। देश में इस तरह का जो ट्रेंड दिख रहा है वह काफी परेशान करने वाला है। मुख्य न्यायाधीश रमना ने कहा था कि इसके लिए पुलिस विभाग को ही जिम्मेदार ठहराना चाहिए। पुलिस को चाहिए कि वह कानून के शासन पर टिके रहें। वह सत्ता और विपक्ष किसी के साथ न होकर स्वतंत्र रूप से काम करें। सुप्रीम कोर्ट ने ये टिप्पणी छत्तीसगढ़ के निलंबित अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक गुरजिंदर पाल सिंह की याचिका पर सुनवाई करते हुए की थी। पाल के खिलाफ पुलिस ने सत्तारुढ दल के इशारे पर आय से अधिक सम्पत्ति और राजद्रोह का मामला दर्ज किया था। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन न्यायाधीशों की पीठ का हिस्सा रहे न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला ने कोलकाता चिकित्सक के बलात्कार-हत्याकांड की सुनवाई के दौरान कहा था कि कोलकाता पुलिस ने इस मामले को जिस तरह से संभाला, वह कुछ ऐसा है जो उन्होंने अपने जीवन के 30 वर्षों में नहीं देखा। शीर्ष अदालत ने अप्राकृतिक मौत के मामले के पंजीकरण में देरी की आलोचना की। पुलिस की मौजूदा कार्यप्रणाली को लेकर देश में कई सुधार करने के प्रयास हुए हैं, किन्तु सत्तारुढ़ दलों के नेताओं ने ऐसे प्रयासों को नाकाम करने में कोई कोर-कसर बाकी नहीं रखी। स्वतंत्रता के बाद से ही, इस व्यवस्था में सुधार की मांग उठती रही है, क्योंकि यह भ्रष्टाचार, अकुशलता और जनता में अविश्वास का कारण बनी हुई है।

पुलिस सुधारों के लिए कई आयोगों और समितियों का गठन किया गया। राष्ट्रीय पुलिस आयोग (1977-1981) और वर्ष 1971 में बनी गोर समिति की रिपोर्ट की सिफारिशें धूल खा रही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी वर्ष 2006 में प्रकाश सिंह मामले में पुलिस सुधारों पर कई निर्देश दिए। जिनमें यह भी शामिल था कि राज्य पुलिस प्रमुखों का दो वर्ष का निश्चित कार्यकाल होगा। निर्देशों में राज्य सुरक्षा आयोगों की स्थापना, वरिष्ठ अधिकारियों के लिये निश्चित कार्यकाल और कानून एवं व्यवस्था से जाँच को अलग करना शामिल था। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों की भी राज्यों ने पालना नहीं की। इसे देश के सभी राज्यों ने या तो लागू नहीं किया या फिर निर्देशों को आधे-अधूरे तरीके से लागू किया गया ताकि पुलिस में सत्तारुढ़ दलों का हस्तक्षेप पूरी तरह से बना रह सके। इन सिफारिशों को लागू नहीं करने के मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। दिल्ली की वर्ष 2019 की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 72 प्रतिशत पुलिस अधिकारियों ने मामलों की जाँच करते समय राजनीतिक दबाव का अनुभव किया है।

# समाहरणालय में अग्नि से बचाव को लेकर कार्यशाला का हुआ आयोजन

**बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो।** अग्निशमन सेवा सप्ताह के अंतर्गत समाहरणालय स्थित सभागार में मंगलवार को कार्यशाला एवं समाहरणालय परिसर में एक प्रभावशाली और व्यावहारिक मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता डीपीएलआर निदेशक मेनका ने किया। मौके पर अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, डीसीएलआर चास प्रभाष दत्ता, जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रेम चंद सिन्हा, जिला सहकारिता पदाधिकारी श्वेता गुड़िया, जिला अग्निशमन पदाधिकारी भगवान ओझा, जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी शक्ति कुमार, नोडल पदाधिकारी पंकज दूबे, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह समेत सभी विभागों के अधिकारी/कर्मी आदि उपस्थित थे। कार्यशाला एवं मॉक ड्रिल का उद्देश्य पदाधिकारी/कर्मियों को अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक करना, आपदा प्रबंधन के अंतर्गत त्वरित प्रतिक्रिया की प्रक्रियाएं समझाना और आपातकालीन स्थितियों में प्रभावी ढंग से कार्य करने की क्षमताओं को परखना था। जिला अग्निशमन पदाधिकारी एवं जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी ने क्रमवार आग लगने की घटना के बाद की स्थिति से निपटने व सुरक्षा के संबंध में बिंदुवार जानकारी दी। जिला अग्निशमन पदाधिकारी ने आग की परिभाषा, आग किन - किन कारणों से लगती है, आग को किन कैटेगरी (ए,बी,सी एवं डी) में बांटा गया है। किस कैटेगरी की आग को कैसे बुझाया जा सकता है। इसके बचाव को लेकर अग्निशमन यंत्र के इस्तेमाल के तरीके से भी सभी को अवगत कराया। घर में ज्यादातर एलपीजी गैस में आगजनी की घटना और ऐसे में क्या करना है, उदाहरण दिखाकर बताया। कहा कि आगजनी की घटना से घबड़ाना - डरना नहीं है, सुरक्षा उपायों का पालन करना है। जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी ने समाहरणालय में आगजनी की घटना एवं बचाव को लेकर आयोजित माक ड्रिल के संबंध में बताया। अगर वास्तविकता में भी कभी आगजनी की घटना होती है तो कर्मियों को इन निदेर्शो का अनुपालन आवश्यक हैं। पूरा अभ्यास अग्निशमन विभाग की दक्ष टीम द्वारा पूर्ण अनुशासन और व्यावसायिकता के साथ संचालित किया गया। जिससे उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों को वास्तविक परिस्थिति में अपनाई जाने वाली रणनीतियों की स्पष्ट समझ मिली। मौके पर अपर समाहर्ता ने कार्यशाला एवं मॉक ड्रिल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां न केवल प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं, बल्कि आम लोगों को जीवन रक्षक प्रक्रियाओं से अवगत कराना भी आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों/कर्मियों से अपील किया कि किसी भी अग्नि दुर्घटना की स्थिति में घबराएं नहीं, बल्कि संयम और सूझबूझ से काम लेते हुए अग्रिशमन विभाग को तुरंत सूचित करें और अग्नि से सुरक्षा नियमों का पालन करें।

## पोता और दादा ने गुस्से में खा लिया सल्फास, दादा की मौत

**हजारीबाग/बरही/नवबिहार टाइम्स संवाददाता।** प्रतिनिधि पारा चढ़ने के साथ लोगों का गुस्सा भी बढ़ने लगा है। बरही में गुस्से में आकर प्वाइजनिंग के दो मामलों में एक में एक 65 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई। चौपारण के हथिया गांव के रहने वाले 25 वर्षीय युवक ने सल्फास खा लिया। मो आरिफ अंसारी 25 वर्ष पिता मुस्लिम अंसारी ग्राम हथिया थाना चौपारण का बरही अनुमंडलीय अस्पताल में इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल हजारीबाग रेफर कर दिया गया। बरही। बरही के बेला गांव तिलैया बस्ती के रहने वाले बुजुर्ग की सल्फास खाने से मौत हो गई। जैसे ही परिजनों को पता चला कि बुजुर्ग ने सल्फास खा लिया है परिजन उन्हें इलाज के लिए बरही अनुमंडलीय अस्पताल लेकर आए जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत बता दिया। छोटू यादव उम्र 65 वर्ष के घर में शादी का माहौल था। पोता पोती की शादी थी। किसी कारण से उन्होंने सल्फास की गोली खा ली।

## पत्रकारों पर हमले को लेकर धनबाद प्रेस क्लब में बैठक

**24 अप्रैल को समाहरणालय के समक्ष धरना प्रदर्शन का निर्णय**

**धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो।** धनबाद प्रेस क्लब ने गांधी सेवा सदन में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की, जिसमें पत्रकारों पर हमले के मामले में गिरफ्तारी नहीं होने पर चर्चा की गई। यह हमला रणधीर वर्मा चौक पर हुआ था, जब कांग्रेस के नेता राशिद राजा अंसारी, उनके बेटे और भाइयों ने पत्रकारों पर हमला किया था। इस हमले में पत्रकारों के मोबाइल छीन लिए गए और उन्हें गाली-गलौज और पिटाई का सामना करना पड़ा। घटना 16 अप्रैल की है।घटना के बाद एफआईआर दर्ज कराई गई है। कांग्रेस के नेता राशिद राजा अंसारी उनके भाई और बेटे के द्वारा कांग्रेस के दूसरे गुट से उलझ पड़े आपस में झगड़ रहे थे, जिसका कवरेज पत्रकारों ने करना शुरू कर दिया था। इससे नाराज होकर उन्होंने पत्रकारों पर हमला किया।

**प्रेस क्लब की बैठक**

पत्रकारों पर हमले के मामले में गिरफ्तारी नहीं होने पर प्रेस क्लब के द्वारा बैठक में चर्चा की गई अगर गिरफ्तारी नहीं होती है, तो जिला प्रशासन को एक पत्र देकर गुरुवार, 24 अप्रैल को समाहरणालय के समक्ष विशाल धरना प्रदर्शन और विरोध किया जाएगा।

## पृथ्वी दिवस पर जन जागरण कार्यक्रम का शुभारंभ

**धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो।** कतरी नदी पर यात्रा कर जन जागरण कार्यक्रम आज पृथ्वी दिवस के अवसर पर खमारगोडा. प्राथमिक विद्यालय, बाघमारा आंचल से प्रारंभ किया गया. जिसमें झारखंड किसान विकास संघ के केंद्रीय अध्यक्ष रामचंद्र रवानी ने कहा कि संघ का इतिहास बहुत पुराना रहा है संघ ने नदी और प्रदूषण मुद्दे को लगातार उठाने का काम किया है, दामोदर नदी पर कई बार पद यात्रा, साइकिल यात्रा की गई है, जिससे लोगों में जागरूकता आई और दामोदर में प्रदूषण कुछ हद तक कम हुआ है, बड़े-बड़े फैक्ट्रियां एवं कल कारखाने ने भी दामोदर में अतिरिक्त कचरा गिरना कम किया है. संघ द्वारा किए गए 1999 की जल समाधि यात्रा को देखते हुए,राष्ट्रीय नदी संरक्षण ने 10 करोड़ 22 लाख रुपए दामोदर की सफाई के लिए आवंटित किया था. जिसकी एक सूचना संघ को भी पत्र देकर की गई थी. पर उस पैसे से नदी कितनी साफ हुई इसका कुछ अता-पता नहीं चल पा रहा है. इसलिए दामोदर की सहायक नदियों को बचाना बहुत जरूरी है, इसी क्रम में आज कतरी नदी, खमारगोड़ा गांव, बाघमारा से जन जागरण की शुरूआत की गई है, यह यात्रा 5 जून पर्यावरण दिवस तक चलेगी. सर्वप्रथम कतरी नदी पर दीपक जलाकर यात्रा की शुरूआत की गई. जमुआटांड के मुखिया निरंजन गोप ने इस अवसर पर कहा कि झारखंड किसान विकास संघ के सभी सदस्यों को आभार प्रकट करते हैं, कि उन्होंने अब तक इन मुद्दों को उठा कर रखा है. आज भी कतरी नदी के किनारे जितने भी कल- कारखाने एवं हार्डकोक भट्ठें है, उसके सारे कचरे नदी में लगातार फेक जा रहे हैं, जिससे इस नदी का पानी एकदम काला हो चुका है. इस नदी का पानी पीना तो दूर नहाना भी मुश्किल होता जा रहा है. इसके लिए कई बार हमलोगों ने आवाज उठाई आंदोलन भी किए, लेकिन बड़े-बड़े उद्योगपति एवं हस्तियों के सामने कुछ नहीं चल पाया और कतरी में प्रदूषण बढ़ता ही जा रहे हैं। झारखंड किसान विकास संघ के इस नदी पर यात्रा करने से लोगों में उत्साह जगा है और मुझे उम्मीद है कि जल्द से नदियों को प्रदूषण से मुक्ति मिलेगी.झारखंड आंदोलनकारी शहीद काली सिंह एवं सीताराम सिंह को याद करते हुए,2 मिनट का मौन रखा गया। मौके पर मगधेश कुमार, गोविंद प्रसाद रमानी, शिबू मुर्मू, जितेंद्र सिंह, किरण देवी, गीता देवी, बबीता देवी, बबली देवी, रामेश्वर सिंह, नारायण शर्मा, भरत सिंह,कौशल पासवान, मनोज कुमार , फैयाज अहमद, संजय कुमार, उमेश ऋषि आदि मौजूद थे।

## डिग्री कॉलेज टुंडी में पृथ्वी दिवस का आयोजन

**टुंड/नवबिहार टाइम्स संवाददाता।** 22 मार्च, 2025' पृथ्वी दिवस' के अवसर पर डिग्री कॉलेज, टुंडी में एक विचारशील कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ॰ इन्द्रजीत कुमार की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत बिनोद बिहारी महतो के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर हुई।अपने अध्यक्षीय संबोधन में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ॰ इन्द्रजीत कुमार ने कहा कि पृथ्वी रुपी धरती मां ऐसी मां है जो पूरे मानव समुदाय सहित सभी जीवों का पालन पोषण करती है। उन्होंने ग्रीन एनर्जी, पानी का सदुपयोग एवं वेस्ट मेटेरियल के रिसाइकिलिंग पर जोर दिया। प्रो. मुकेश कुमार दास ने बीज वक्तव्य में 'पृथ्वी दिवस' 2025 के मुख्य थीम ,'आवर पावर, आवर प्लानेट' पर प्रकाश डालते हुए अक्षय ऊर्जा के महत्व को रेखांकित किया ' मुख्य वक्ता प्रो. अविनाश कुमार ने बतलाया कि पृथ्वी है तो हम हैं, उन्होंने तीन फअर्थात रिड्यूस, रीयुज और रिसाइकिल पर जोर दिया । इस अवसर पर संक्षिप्त रुप में स्नातक के तृतीय वर्ष के छात्र छुटुलाल मुर्मू ने भी अपना विचार व्यक्त किया। भूगोल विभाग के छात्र महेंद्र द्वारा पृथ्वी एवं पर्यावरण से संबंधित स्केच प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ॰ रानी सिंह ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य के नेतृत्व में वृक्षारोपण का कार्यक्रम भी किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी शिक्षक एवं शिक्षककेत्तर कर्मचारी तथा छात्र -छात्राएं भी उपस्थित थे।

## उपायुक्त रामगढ़ से प्रदूषण पर रोक लगाने की मांग

**रामगढ़/नवबिहार टाइम्स संवाददाता।** झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु ने मंगलवार को उपायुक्त, रामगढ़ को एक ज्ञापन सौंपा है। इसके माध्यम से मरार औद्योगिक क्षेत्र में स्थित बिहार फाउंड्री एंड कास्टिंग लिमिटेड की आरे से प्रदूषण फैलाने की जानकारी दी। साथ ही अविलंब प्रदूषण पर रोक लगाने का आग्रह किया। पत्र की प्रतिलिपि राज्यपाल, मुख्यमंत्री और झारखंड प्रदूषण बोर्ड को भी दिया है। इस मुद्दे को रांची के राजभवन के समक्ष होने वाले महाधरना कार्यक्रम में भी उठाने की बात कही। महेश्वर साहू ने कहा कि बिहार फाउंड्री लघु उद्योग के रूप में अपना फैक्ट्री प्रारंभ किया था।

## दिव्यदृष्टि आई सेंटर रोगियों के लिए सर्वोत्तम : डॉ. सुभाष

**पटना/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो।** अपनी स्थापना के समय से ही नेत्र रोगों से पीड़ित रोगियों को सर्वोत्तम नेत्र देखभाल प्रदान करने में अग्रणी रहा है। आँख हमारे शरीर का एक अनमोल अंग है और अन्य अंगों की तरह, यह भी कई बीमारियों से ग्रस्त हो सकता है। उचित उपचार के लिए सटीकता और विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है। इसके लिए दिव्यद्दष्टि ने हमेशा अपने अस्पताल में सर्वोत्तम तकनीकों को शामिल किया है, जैसे कि कई अत्याधुनिक उपकरणों की पहली स्थापना, न केवल हमारे राज्य में बल्कि उनमें से कुछ पूरे देश में पहली बार। हम सभी जानते हैं कि मधुमेह, मायोपिया और उम्र बढ़ने के साथ, रेटिना की समस्याएं बढ़ रही हैं। अधिकांश रेटिना रोग अंधेपन का कारण बनते हैं, इसलिए इसका शीघ्र पता लगाना और उपचार करना आवश्यक है। दिव्यद्दष्टि इन सभी समस्याओं को संभालने में सक्षम है, लेकिन कुछ सीमाओं के साथ। आज यह एक मील का पत्थर था क्योंकि श्री विजय कुमार चौधरी, माननीय जल संसाधन मंत्री, बिहार सरकार ने नई अत्याधुनिक मशीन "ऑप्टोस", अल्ट्रा-वाइडफील्ड रेटिनल इमेजिंग डिवाइस का उद्घाटन किया। यह दुनिया की एकमात्र मशीन है जो कुछ सेकंड में एक शॉट में लगभग पूरे रेटिना को स्कैन करती है। इससे रेटिना की कई समस्याओं का पता लगाने में मदद मिलती है, जो नियमित जांच से छूट जाती हैं। इससे न केवल रेटिना की बीमारियों का पता लगाने में मदद मिलेगी, बल्कि उपचार और फॉलोअप में भी मदद मिलेगी। चूंकि इसमें पुतली को फैलाने की जरूरत नहीं होती, इसलिए यह मरीजों के लिए बहुत सुविधाजनक है और समय की भी बचत करता है। इससे आंखों की देखभाल में सुधार होगा और प्रतीक्षा समय भी कम होगा। इस अवसर पर माननीय मंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा कि आंखों के उपचार में सटीकता की जरूरत होती है और यह मशीन जरूरतमंद मरीजों को बेहतरीन नेत्र देखभाल प्रदान करने में मदद करेगी।

## कोयल आजीविका अपैरल पार्क के पुन: संचालन की कवायद शुरू

**सखी मंडल की स्थानीय महिलाओं को रोजगार से जोड़ने का होगा प्रयासः उपायुक्त**

**मेदिनीनगर (पलामू)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता।** पलामू उपायुक्त शशि रंजन की पहल से जिले में संचालित कोयल आजीविका अपैरल पार्क का पुनः संचालन की कवायद शुरू हो गई है। इसकी शुरूआत से जिले की महिलाओं को रोजगार से जोड़ने का प्रयास होगा। इसकी सफल शुरूआत किए जाने को लेकर उपायुक्त ने समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय वेश्म में संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने उप विकास आयुक्त को कोयल अपैरल पार्क के संचालन को लेकर टेंडर की प्रक्रिया शुरू करने हेतु निदेशित किया। इसके उपरांत संचालन कार्य करने वाली अपैरल कंपनियों को जिले के सखी मंडल से जुड़ी 75 प्रतिशत स्थानीय महिलाओं के नियोजन की अनिवार्यरता रखें, ताकि स्थानीय महिलाओं को उनके घर के नजदीक ही रोजगार मुहैया कराई जा सके। विदित हो कि जिला योजना कार्यालय के स्तर से केन्द्रीय सहायता मद से जिले में चैनपुर, नीलांबर-पीतांबरपुर एवं पाटन में कोयल अपैरल पार्क स्थापित किया गया था। इसका संचालन भी हो रहा था, परंतु कोविड-19 प्रकोप की भयावहता एवं तकनीकी व दक्ष मानव संपदा के अभाव के कारण इसका संचालन स्थगित था। उपायुक्त द्वारा इसका संचालन शुरू किए जाने की पहल से स्थानीय महिलाओं को रोजगार मुहैया हो सकेगा। साथ ही इसमें लगा इंफ्रास्ट्रक्चर को हमेशा उपयोग में लाया जा सकेगा।

## स्कूलों में विद्यार्थियों की ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कराने पर ही प्रधानाध्यापक व बीपीओ को मिलेगा वेतनः उपायुक्त

**मेदिनीनगर (पलामू)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता।** विद्यालयों में प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना अंतर्गत विद्यालयवार अच्छादित विद्यार्थियों की संख्या की जांच अब कमेटी द्वारा की जायेगी। विद्यार्थियों के अच्छादन की कमियों को लेकर कमेटी की रिपोर्ट उपरांत संबंधितों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जायेगी। उपायुक्त ने इसके लिए अलग-अलग दो कमेटी बनाई है। पहली कमेटी में जिला शिक्षा अधीक्षक, नजारत उप समाहर्ता एवं बीईईओ तथा दूसरी कमेटी में जिला शिक्षा पदाधिकारी, सामान्य शाखा प्रभारी एवं प्रधानमंत्री आवास योजना के जिला समन्वयक को रखा गया है। उपायुक्त-सह-जिला स्तरीय स्टीयरिंग-सह-मॉनिटरिंग कमेटी के अध्यक्ष शशि रंजन आज समाहरणालय सभागार में विद्यालयों में मध्याह्न भोजन के सफल संचालन हेतु सदस्यों के साथ बैठक कर रहे थे। उपायुक्त ने मुख्य रूप से मध्याह्न भोजन की उपलब्धता, समयावधी, मेन्यू के अनुसार मध्याह्न भोजन देने की व्यवस्था, विद्यालयों में कार्यरत योग्य रसोईया-सह-सहायिका का आयुष्माण भारत मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना से अच्छादित किए जाने की प्रगति, निर्धारित आयुवर्ग की रसोईया-सह-सहायिका का 50 वर्ष आयु पूर्ण करने वाली रसोइया-सह-सहायिका का सर्वजन पेंशन योजना अतर्गत मुख्यमंत्री राज्य वृद्धावस्था पेंशन से अच्छादन, विद्यालयवार अच्छादित विद्यार्थियों की संख्या, एसएमएस भेजे जाने की स्थिति, प्रखंडवार विद्यालयों द्वारा किए गए एसएमएस का अंतर, विद्यार्थियों का स्वास्थ्य जांच एवं आईएफए दवा का वितरण, प्रखंडवार स्टीयरिंग-सह-मॉनेटरिंग कमेटी की बैठक की अद्यतन स्थिति आदि की बिन्दुवार समीक्षा की। उपायुक्त शशि रंजन ने विद्यालयों में विद्यार्थियों की कम उपस्थिति पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने विद्यालय में विद्यार्थियों की शत प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित कराने का सख्त निदेश दिया। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में विद्यार्थियों की शत प्रतिशत ऑनलाइन उपस्थिति (एसडी.एमआईएस) दर्ज कराने पर ही प्रधानाध्यापकों एवं संबंधित बीपीओ का वेतन भुगतान किया जायेगा। उपायुक्त ने मई माह से प्रत्येक विद्यार्थियों की उपस्थिति विद्यालय में सुनिश्चत कराने का सख्त निदेश दिया है। उन्होंने मध्याह्न भोजन की समयावधि एवं पीएम पोषण शक्ति निर्माण योजना (मध्याह्न भोजन) मेन्यू के अनुसार देने, विद्यालयवार विद्यार्थियों को मध्याह्न भोजन खिलाये जाने के तुरंत बाद एसएमएस भेजने का निदेश दिया। उन्होंने कहा कि शत प्रतिशत से कम एसएमएस भेजने की स्थिति में एमडीएम के कंप्यूटर ऑपरेटों को हटाये जाने की कार्रवाई की जायेगी। बीईईओ एवं बीपीओ भी कार्रवाई के दायरे में आएंगे। उन्होंने चेतावनी देते हुए, 15 दिनों में प्रगति लाने का निदेश दिया। उन्होंने सभी कंप्यूटर ऑपरेटरों को पोषण पखवाड़ा की गतिविधियों को विभाग के अधिकृत पोर्टल पर अपलोड करने का निदेश दिया। उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद ने भी विद्यालयों में विद्यार्थियों की उपस्थिति शत प्रतिशत सुनिश्चित कराने, निर्धारित समय पर एसएमएस भेजने संबंधित कार्य सुनिश्चित कराने का निदेश दिया। उन्होंने कहा कि मध्याह्न भोजन का नियमित संचालन करने का निदेश दिया। साथ ही कार्य में धीमी प्रगति पर स्पष्टीकरण करने, प्रपत्र-क गठित करने संबंधी कार्रवाई करने का निदेश दिया। बैठक में उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद, जिला शिक्षा पदाधिकारी सौरभ प्रकाश, जिला शिक्षा अधीक्षक संदीप कुमार, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी नीता चौहान, बीईईओ, बीपीओ, बीपीएम एवं मध्याह्न भोजन से संबंधित कंप्यूटर ऑपरेटर उपस्थित थे।

**पीएम पोषण शक्ति निर्माण योजना अंतर्गत विद्यालयवार अच्छादित विद्यार्थियों की जांच के लिए बनी दो कमेटी एस.एम.एस का डेटा शत प्रतिशत से नीचे रहने पर एमडीएम ऑपरेटरों को हटाये जाने की होगी कार्रवाई**

## संक्षिप्त समाचार

### विधायक के प्रयास से लछुरायडीह गांव को मिला नया ट्रांसफार्मर

**गांव के विकास से दिल होता है प्रफुल्लित : नईम अंसारी**

**टुण्डी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता।** टुण्डी विधानसभा क्षेत्र के जुझारू विधायक मथुरा प्रसाद महतो के प्रयास से प्रखंड के लछुरायडीह नया मोड़ में 100 के वी ए का टांसफार्मर लगते ही लोगों में काफी खुशी देखी जा रही है। तथा टुण्डी प्रखंड के उभरते युवा सम्राट सह भावी पंचायत समिति सदस्य नईम अंसारी ने गांव में नये टांसफार्मर लगाने के लिए विधायक से लेकर विभाग की दौड़ लगाकर अपने मंजिल पाने में कामयाब हुए आज इनकी परिश्रम को लेकर गांव वालों ने इनकी प्रशंसा करते हुए कहा कि आगामी पंचायत चुनाव में हम सब जनता ने इनके काम को देखकर आशीर्वाद देने का काम करेंगे। मौके पर नईम अंसारी (भावी पंचायत समिति सदस्य) युनुस अंसारी, आजाद अंसारी, मोहम्मद फिरोज अंसारी,मो सलीम अंसारी,मो असीरूद्दीन अंसारी समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

### चेक डैम निर्माण होने के बाद क्षेत्र में आएगी हरियाली, किसानों के खिलेंगे चेहरे : प्रशांत किशोर

**नौडीहा बाजार के खड़ार गांव में दहवाही नाला पर पक्का चेकडैम निर्माण को ले प्रशांत किशोर ने रखी आधारशिला**

**मेदिनीनगर (पलामू)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता।** नौडीहा बाजार प्रखंड के चराई -टू पंचायत के खड़ार गांव में लघु सिंचाई विभाग के तत्वावधान में दहवाही नाला पर पक्का चेक डैम निर्माण कार्य के शिलान्यास किया गया। चेकडैम निर्माण की आधारशिला कांग्रेस पार्टी के युवा नेता व समाजसेवी प्रशांत किशोर ने रखी। मौके पर प्रशांत किशोर ने कहा कि 46 लाख की लागत से बनने वाले चेकडैम के माध्यम से अगर जल संचयन कर लिया जाय तो किसानों के लिए बड़ी उपलब्धि होगी। कहा कि चेक डैम निर्माण हो जाने के बाद क्षेत्र में हरियाली आएगी। किसानों के चेहरे पर मुस्कान होगा। कहा कि वर्तमान की हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली सरकार किसानों के प्रति संवेदनशील है। राज्य के वित्त मंत्री सह स्थानीय विधायक राधाकृष्ण किशोर की यह सोच है कि राज्य तभी विकास करेगा जब यहां के किसान खुशहाल होंगे। इस अवसर पर कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष मिथिलेश सिंह,राजकमल तिवारी, छतरपुर नगर पंचायत के निवर्तमान अध्यक्ष मोहन जायसवाल, अशोक सोनी, आलोक यादव, संतोष पाठक, लालगढ़ पंचायत के मुखिया लाल बिहारी यादव, डगरा पंचायत के मुखिया विनोद सिंह, सोनू सिंह, गुंजन कुमार, टॉन वर्मा सहित सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

### शेन इंटरनेशनल स्कूल मे बच्चों ने लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

**जमशेदपुर/नवबिहार टाइम्स संवाददाता।** अर्थ डे यानी पृथ्वी दिवस हर साल 22 अप्रैल को विश्व में पर्यावरण संरक्षण के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए मनाया जाता है। शेन इंटरनेशनल स्कूल में पर्यावरण के प्रति बच्चों को जागरूक बनाने के उद्देश्य से पृथ्वी दिवस मनाया गया। इस दिवस की शुरूआत सुबह की प्रार्थना सभा से हुई, जिसमे बच्चों द्वारा पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया,और उसकी सुरक्षा का शपथ लिया गया। बच्चों ने विभिन्न प्रकार के पोस्टर बनाए, स्लोगन लिखें तथा कविता वाचन किया और पर्यावरण के संरक्षण का संदेश दिया । सभा मे उपस्थित सभी को पर्यावरण की रक्षा करने का शपथ दिलाया गया।अपने संबोधन में स्कूल की प्रधानाध्यापिका डॉ. केया अदक ने बच्चों को पर्यावरण से संबंधित अनेक महत्वपूर्ण जानकारियां दी, तथा इसके नुकसान पर विस्तार से प्रकाश डाला।मुख्य अध्यापिका सिमरन सग्गू ने सभी को पर्यावरण के प्रति जागरूक होने का संदेश दिया।मौके पर विद्यालय के सभी शिक्षक मौजूद थे।

### विकास के वादे ढेर, गांव में नहीं पहुंची बिजली

**सिमडेगा/बोलबा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता।** प्रखंड के कादोपानी पंचायत के तीन गांवों में आज भी लोग बिजली के लिए तरस रहे है। पंचायत के गटटीगढ़ा, करादामर और कुड़पानी गांव के ग्रामीण आज भी बिजली के लिए सोलर पैनल सिस्टम का उपयोग कर रहे है। पूर्व में प्रशासन के द्वारा सोलर प्लांट लगाया गया है। जिससे गांव के लोग बिजली की सुविधा ले रहे है। ग्रामीणों के अनुसार गटटीगढ़ा गांव में वर्ष 2015-16 में बिजली खंभा और तार से बिजली लाने का प्रयास किया गया था। लेकिन स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार बिजली खंभे की दूरी अधिक होने के कारण तार गिर गए। इसके बाद कतिपय लोग अपने को विभागीय कर्मी बताकर खंभा और तार को भी ले गए। इसके बाद गांव में आज तक बिजली का दर्शन नहीं हो पाया। ग्रामीणों के अनुसार गटटीगढ़ा गांव में लगभग 40 परिवार के लोग रहते है। जहां सोलर पैनल के द्वारा ग्रामीणों को बिजली दी जा रही है। इसी प्रकार करादामर और कुड़पानी में भी सोलर पैनल के द्वारा बिजली की व्यवस्था की गई है। बताया गया कि प्रत्येक एक यूनिट पर कंपनी के द्वारा दस रुपए लिया जाता है। सुदूर ग्रामीण क्षेत्र में आज भी लोग लालटेन और लैंप जलाने को मजबूर है।

### सड़कों पर जहां-तहां बनाए जा रहे खतरनाक स्पीड ब्रेकर

**लोहरदगा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता।** लोहरदगा में सड़कों पर मनमाने तरीके से कहीं भी स्पीड ब्रेकर स्थानीय लोगों द्वारा बना देने का चलन बढ़ता जा रहा है।गाड़ियों की रफ्तार नियंत्रित करने और हादसों पर अंकुश लगाने के नाम पर नियम कानूनों को ताक पर रखते हुए इस तरह के स्पीड ब्रेकर बना दिए जा रहे हैं, कि उन्हीं की वजह से हादसे हो रहे हैं। यह स्थिति शहर के साथ-साथ ग्रामीण इलाकों में भी देखी जा रही है। प्रशासन और पुलिस इसे नजरअंदाज किए हुए है। जबकि इन अवैध स्पीड ब्रेकरों की वजह से हादसे हो रहे हैं। लोगों की जान जा सकती है। शहर के महादेव टोली में प्राइवेट स्कूल के बगल में किसी ने रातों-रात ऊंचा स्पीड ब्रेकर बना दिया।

## गढ़वा के अकलवानी गांव की बेटी छाया कुमारी ने पाई यूपीएससी में ऐतिहासिक सफलता

**मेदिनीनगर (पलामू) नवबिहार टाइम्स संवाददाता।** गढ़वा जिले की धरती एक बार फिर गौरवान्वित हुई है। इस बार यह गौरव दिलाया है सुनील दुबे की पुत्री छाया कुमारी ने। छाया कुमारी ने यूपीएससी 2024 की परीक्षा में 530वां रैंक प्राप्त कर अपने माता-पिता सहित पूरे जिले का नाम रोशन किया है। छाया की यह सफलता न केवल उनके परिवार के लिए गर्व की बात है बल्कि गढ़वा के हर विद्यार्थी के लिए एक प्रेरणा है। उक्त बातें भाजपा नेता गुड्डू तिवारी ने कही। उन्होंने बताया कि भारतीय जनता पार्टी मेराल प्रखंड के नेता अरंगी पंचायत के अकलवानी गांव निवासी सुनील दुबे की सुपुत्री छाया कुमारी हैं। यूपीएससी क्रैक करने पर उन्होंने भाजपा परिवार की ओर से बधाई दी । कहा कि अकलवानी की बेटी आईएएस बनकर ब्राह्मण समाज के साथ साथ पूरे गढ़वा जिला का नाम रौशन किया है। कहा कि छाया कुमारी की यह उपलब्धि साबित करती है कि मेहनत, समर्पण व आत्मविश्वास के बल पर किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। चाहे संसाधन सीमित क्यों न हो। ग्रामीण पृष्ठभूमि से आते हुए भी उन्होंने यह दिखा दिया कि सपने अगर सच्चे व इरादे मजबूत हो तो कोई भी मंजिल दूर नहीं। यह पहली बार नहीं है जब गढ़वा की बेटियों ने ऐसा कमाल किया हो। दो वर्ष पूर्व भी इसी जिले की एक और प्रतिभाशाली बेटी ने 73वीं रैंक लाकर जिले को गर्व से भर दिया था। यह सिलसिला यह दर्शाता है कि गढ़वा की बेटियां अब सिर्फ घर की लक्ष्मी नहीं, बल्कि देश की दिशा बदलने वाली शक्ति बन चुकी हैं। गढ़वा अब शिक्षा व प्रतिभा के नए केंद्र के रूप में उभर रहा है। यहां की बेटियां ये बता रही हैं कि अब वे सिर्फ सपने नहीं देखतीं, उन्हें साकार करना भी जानती हैं।

## 10 साल के बच्चे अब खुद चला सकेंगे अपना बैंक खाता

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सोमवार को बैंकों को 10 वर्ष से अधिक आयु के बच्चों को स्वतंत्र रूप से बचत/सावधि जमा खाते खोलने और संचालित करने की अनुमति दे दी। केंद्रीय बैंक ने इस संदर्भ में नाबालिगों के जमा खाते खोलने और संचालन पर संशोधित निर्देश जारी किये हैं। रिजर्व बैंक ने वाणिज्यिक बैंकों और सहकारी

बैंकों को जारी एक परिपत्र में कहा कि किसी भी आयु के नाबालिगों को अपने प्राकृतिक या कानूनी अभिभावक के माध्यम से बचत और सावधि जमा खाते खोलने और संचालित करने की अनुमति दी जा सकती है। उन्हें अपनी मां को अभिभावक के रूप में रखकर भी ऐसे खाते खोलने की अनुमति दी जा सकती है। शीर्ष बैंक की ओर से जारी निर्देशों में कहा गया, कम-से-कम दस वर्ष की आयु सीमा और उससे ऊपर के नाबालिगों को उनकी इच्छा पर स्वतंत्र रूप से बचत/सावधि जमा खाते खोलने और संचालित करने की अनुमति दी जा सकती है। इसमें बैंक अपनी जोखिम प्रबंधन नीति को ध्यान में रखते हुए राशि और शर्त तय कर सकते हैं। इस बारे में जो भी नियम और शर्तें तय की जाती हैं, उस बारे में खाताधारक को जानकारी दी जाएगी।

### मिलेंगी ये सुविधाएं

इसके अलावा, वयस्क होने पर, खाताधारक के नये संचालन निर्देश और नमूना हस्ताक्षर प्राप्त किए जाने चाहिए और उन्हें रिकॉर्ड में रखा जाना चाहिए। परिपत्र में कहा गया, बैंक अपनी जोखिम प्रबंधन नीति, उत्पाद और ग्राहकों के आधार पर नाबालिग खाताधारकों को इंटरनेट बैंकिंग, एटीएम/डेबिट कार्ड, चेक बुक सुविधा आदि जैसी अतिरिक्त सुविधाएं देने के लिए स्वतंत्र हैं।

## एक और नए कारोबार में पूनावाला फिनकॉर्प की एंट्री

**नई दिल्ली, एजेंसी।** नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी पूनावाला फिनकॉर्प ने एक और नए बिजनेस कंज्यूमर ड्यूरेबल्स लोन्स में एंट्री की है। कंपनी ने पिछले दिनों ही गोल्ड लोन कारोबार में कदम रखा है। इंस्टेंट पर्सनल लोन देने के लिए पूनावाला फिनकॉर्प ने मोबिक्विक से भी साझेदारी की है। पूनावाला फिनकॉर्प के शेयर मंगलवार को उछाल के साथ 400 रुपये

के पार पहुंच गए हैं। पिछले पांच साल में कंपनी के शेयरों में 1900 पर्सेंट से अधिक की तेजी देखने को मिली है। पूनावाला फिनकॉर्प ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया है कि तेजी से बढ़ते रिटेल लेंडिंग सेगमेंट में पैठ जमाने के लिए कंपनी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स लोन्स बिजनेस में उतरी है। कंपनी ने डिजिटल EMI कार्ड भी पेश किया है, जो कि प्री-अप्रूव्ड लिमिट ऑफर करता है। डिजिटल EMI कार्ड से ग्राहकों के लिए कंज्यूमर ड्यूरेबल्स परचेज आसान और ज्यादा सुविधाजनक होगी।

**एक लाख के करीब पहुंचा दाम**

# सोने के वायदा भाव में तेज उछाल

**नई दिल्ली, एजेंसी।** सोने की कीमतों में लगातार चौथे दिन तेजी जारी रही। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में सोना वायदा का भाव एक लाख के करीब पहुंच गया है। मंगलवार को शुरुआती कारोबार में 1,899 रुपये की तेजी के साथ सोना 99,178 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सबसे अधिक कारोबार वाले जून डिलीवरी अनुबंध का भाव शुरुआती कारोबार में 1,899 रुपये या करीब 2 प्रतिशत बढ़कर 99,178 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया। बाद में जून अनुबंध वाला सोना 1601 रुपये या 1.65 प्रतिशत की बढ़त के साथ 98,880 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था।

जबकि सोने का अगस्त अनुबंध 1,848 रुपये या 1.89 प्रतिशत बढ़कर 99,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर पहुंच गया। इसके अलावा अक्तूबर अनुबंध ने एमसीएक्स पर पहली बार एक लाख रुपये का आंकड़ा पार किया, जो 2,000 रुपये या 2 प्रतिशत बढ़कर 1,00,484 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया।

वहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोना वायदा 3,504.12 डॉलर प्रति औंस के नए शिखर पर पहुंच गया। बाद में यह 65.42 डॉलर या 1.91 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,490.72 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। विश्लेषकों ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फेडरल रिजर्व में सुधार की योजना का खुलासा करने के बाद अमेरिकी मौद्रिक नीति को लेकर चिंताओं के कारण सोने की कीमतों में उछाल आया है। मेहता इक्विटीज लिमिटेड के कमोडिटीज के उपाध्यक्ष राहुल कलंत्री ने कहा कि वैश्विक वित्तीय बाजारों में अनिश्चितता और अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध के बढ़ने के बीच सोने की कीमतें पहली बार अंतरराष्ट्रीय बाजारों में 3,500 डॉलर प्रति औंस के स्तर को पार कर गईं और घरेलू बाजारों में भी 97,000 डॉलर के स्तर को पार कर गईं।

### ट्रंप ने फेडरल रिजर्व से ब्याज दरों में कटौती करने के लिए कहा

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने फेडरल रिजर्व से ब्याज दरों में कटौती करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि यदि ब्याज दरों में तत्काल कटौती नहीं की तो अमेरिकी अर्थव्यवस्था धीमी पड़ सकती है। वहीं शुक्रवार को व्हाइट हाउस के आर्थिक सलाहकार केविन हैसेट ने कहा था कि राष्ट्रपति ट्रंप और उनकी टीम इस बात पर अध्ययन कर रही है कि क्या वे फेड चेयरमैन जेरोम पॉवेल को हटा सकते हैं। पिछले सप्ताह फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल ने कहा था कि केंद्रीय बैंक निकट भविष्य में ब्याज दरों में कटौती करने के लिए इच्छुक नहीं है, क्योंकि उन्होंने नए टैरिफ से उत्पन्न संभावित मुद्रास्फीति दबाव और आर्थिक अनिश्चितताओं का हवाला दिया था।

वैश्विक बाजारों में अनिश्चितता के बीच सोने की कीमतों में बहुत अधिक उतार-चढ़ाव देखने को मिला। कलंत्री ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल के बीच ब्याज दरों में कटौती को लेकर विवाद के बाद डॉलर इंडेक्स 3 साल के निचले स्तर पर पहुंच गया।

# भारत ने स्टील के आयात पर लगाया 12 फीसदी अस्थायी टैरिफ, 200 दिनों तक रहेगा लागू

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत ने बेलगाम आयात को रोकने के लिए कुछ इस्पात उत्पादों पर 12 फीसदी अस्थायी टैरिफ लगाया है। इस टैरिफ को स्थानीय रूप से सुरक्षा शुल्क के रूप में जाना जाता है। सरकार ने इस संबंध में सोमवार को अधिसूचना भी जारी कर दी। इस फैसले पर केंद्रीय इस्पात मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने सोमवार को कहा कि कुछ इस्पात उत्पादों के आयात पर 12 प्रतिशत रक्षोपाय शुल्क लगाने के सरकार के फैसले से घरेलू उत्पादकों, मुख्य रूप से एसएमई को राहत मिलेगी, जिन्हें बढ़ते आयात के कारण भारी दबाव का सामना करना पड़ रहा है। दुनिया में कच्चे स्टील के दूसरे सबसे बड़े उत्पादक भारत ने कहा कि सोमवार से प्रभावी यह टैरिफ 200 दिनों के लिए लगाया गया है।

वित्त मंत्रालय ने कहा, इस अधिसूचना के तहत लगाया गया सुरक्षा शुल्क इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से दो सौ दिनों की अवधि के लिए प्रभावी रहेगा (जब तक कि इसे पहले ही रद्द, प्रतिस्थापित या संशोधित नहीं कर दिया जाता है अप्रैल में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से विभिन्न देशों के खिलाफ व्यापक शुल्क लगाए जाने के बाद भारत की तरफ से स्टील पर शुल्क में वृद्धि पहला बड़ा व्यापारिक नीतिगत कदम है। भारत के टैरिफ मुख्य रूप से चीन पर लक्षित हैं जो 2024-25 में दक्षिण कोरिया के बाद भारत को इस्पात का दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक था। सरकार के अस्थायी आंकड़ों के अनुसार, भारत ने लगातार दूसरे साल वित्त वर्ष 2024-25 में 95 लाख टन तैयार स्टील का आयात किया, जो नौ वर्ष में सर्वाधिक है। सरकार से भारत के स्टील उत्पादकों ने बेलगाम आयात पर लगाम लगाने की मांग की थी।

### घरेलू उत्पादकों को मिलेगी राहत

केंद्रीय इस्पात मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने कहा कि इस कदम से घरेलू उत्पादकों, खासकर छोटे और मध्यम स्तर के उद्यमों को राहत मिलेगी, जिन्हें बढ़ते आयात से भारी दबाव का सामना करना पड़ रहा है। रक्षोपाय शुल्क बाजार में स्थिरता बहाल करने और घरेलू उद्योग के विश्वास को मजबूत करने में मदद करेगा। इस्पात मंत्रालय के बयान के अनुसार, मंत्री ने कहा कि यह उपाय घरेलू इस्पात विनिर्माताओं को आयात बढ़ने के प्रतिकूल प्रभाव से बचाने और बाजार में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने के लिए समय पर उठाया गया आवश्यक कदम है। उन्होंने कहा कि इस्पात मंत्रालय यह सुनिश्चित करने के लिए सभी पक्षों के साथ काम करने के लिए प्रतिबद्ध है कि घरेलू इस्पात क्षेत्र मजबूत, आत्मनिर्भर और वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी बना रहे। भारतीय इस्पात संघ के अध्यक्ष नवीन जिंदल ने बयान में कहा, ''हम सरकार के कुछ इस्पात उत्पादों पर 12 प्रतिशत का रक्षोपाय शुल्क लगाने के फैसले का स्वागत करते हैं। यह महत्वपूर्ण कदम भारतीय विनिर्माताओं को अनुचित निर्यात से संरक्षण देगा, घरेलू उत्पादन बढ़ाने में मदद करेगा और मजबूत आत्मनिर्भर भारत की ओर हमारे कदम को आगे बढ़ाएगा।

### इधर रेपो रेट में हो रही थी कटौती, उधर जमकर सरकारी बॉन्ड खरीद रही थी रिलायंस

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज ने हाल के दिनों में जमकर सरकारी बॉन्ड खरीदे हैं। बिजनस स्टैंडर्ड की एक रिपोर्ट के मुताबिक रिलायंस ने सेकंडरी मार्केट से करीब 10,000 करोड़ रुपये के सरकारी बॉन्ड्स खरीदे हैं। यह खरीदारी रेपो रेट में कटौती के बाद की गई। आरबीआई की मॉनीटरी पॉलिसी कमेटी ने 9 अप्रैल को रेपो रेट में लगातार दूसरी बार 25 आधार अंक की कटौती की थी। आरबीआई ने आगे भी रेपो रेट में कटौती के संकेत दिए हैं। इस बारे में रिलायंस के ईमेल का जवाब नहीं दिया। रिपोर्ट में मार्केट पार्टसिपेंट्स के हवाले से बताया गया है कि इस महीने के दूसरे हफ्ते रिलायंस ने संभवत: 7,000 से 10,000 करोड़ रुपये के सरकारी बॉन्ड्स खरीदे। बाजार को उम्मीद है कि आने वाले महीनों में सरकारी बॉन्ड्स पर यील्ड 6.25 फीसदी तक गिर सकता है। एक सूत्र ने कहा कि पॉलिसी डे के दिन रिलायंस ने बाजार से जमकर सरकारी बॉन्ड्स की खरीदारी की। रिलायंस के अलावा प्राइवेट बैंकों ने भी सरकारी बॉन्ड्स खरीदे। 10 साल के मैच्योरिटी वाले सरकारी बॉन्ड पर यील्ड कई साल के निचले स्तर पर पहुंच गई है। एक अन्य सूत्र ने कहा कि पॉलिसी डे के दिन रिलायंस बहुत एक्टिव थी। उसने पॉलिसी डे से पहले और बाद में भी सरकारी बॉन्ड खरीदे। आरबीआई के इस साल दो बार और पॉलिसी रेट में कटौती करने की संभावना है। साथ ही ओपन मार्केट ऑपरेशंस ऑक्शन के कारण मौजूदा सप्लाई-डिमांड मिसमैच से सरकार बॉन्ड्स की डिमांड बढ़ी है। साल की दूसरी छमाही में सप्लाई बढ़ने से निवेशक मुनाफावसूली की उम्मीद कर रहे हैं।

## भारत को एआई का ग्लोबल हब बनाने और निवेश पर चर्चा; यूएस में निर्मला सीतारमण ने की अहम बैठकें

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारतीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण इन दिनों अपने अमेरिका और पेरू की 11 दिन की यात्रा पर हैं। उन्होंने इस दौरे की शुरुआत रविवार को सैन फ्रांसिस्को से की, जहां उन्होंने भारतीय प्रवासियों से मुलाकात की और कई बड़ी टेक कंपनियों के प्रमुखों के साथ बैठकें कीं। साथ ही सोमवार को सीतारमण ने सिलिकॉन वैली की प्रमुख कंपनियों के अधिकारियों और निवेशकों से बातचीत की। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), डिजिटल बुनियादी ढांचे, ऊर्जा और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में भारत-अमेरिका के बीच सहयोग के नए अवसरों पर चर्चा की।

**अंजनी मिधा और रघु रघुराम से की मुलाकात**- सीतारमण ने वेंचर कैपिटल फर्म ङ्ग165 के जनरल पार्टनर अंजनी मिधा और टेक कंपनी वीएम वेयर के सीईओ रघु रघुराम से मुलाकात की। जहां मिधा और रघुराम ने भारत में एआई और तकनीक के क्षेत्र में हो रहे बदलावों की तारीफ की। साथ ही भारत के साथ सहयोग की इच्छा जताई। सीतारमण ने उन्हें शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में एआई एआई के इस्तेमाल के लिए साझेदारी करने को कहा।

**डिजिटल इंडिया पहल की सराहना**- वित्त मंत्री ने आगे गूगल क्लाउड के सीईओ थॉमस कुरियन से भी मुलाकात की। कुरियन ने भारत की डिजिटल इंडिया पहल की सराहना की और भारत को वैश्विक एआई हब के रूप में उभरते देखने की इच्छा जताई। उन्होंने बताया कि गूगल क्लाउड 2030 तक पूरी तरह से कार्बन-फ्री ऊर्जा पर काम करेगा साथ ही भारत में निवेश की योजना पर भी चर्चा की।

**एआई को बढ़ावा देने पर जोर**- इसके अलावा एआई टेक कंपनी डाटा रोबोट के सीईओ देबांजन साहा से मुलाकात में सीतारमण ने भारत सरकार की ओर से एआई और डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देने के लिए किए गए प्रयासों की जानकारी दी। इसमें इंडिया एआई मिशन, स्थानीय भाषाओं में एआई तकनीक और आईआईटी जोधपुर में एआई केंद्र की स्थापना शामिल है।

**निवेशकों के साथ सीतारमण ने किया लंच**- सीतारमण से मुलाकात के दौरान ट्यूरिंग के सीईओ जोनाथन सिद्धार्थ ने भारत के एआई प्रयासों को वैश्विक रोल मॉडल बताया और भारत के साथ साझेदारी की इच्छा जताई। साथ ही सीतारमण ने निवेशकों के साथ एक लंच राउंडटेबल में हिस्सा लिया, जिसमें उन्होंने भारत में निवेश को सुविधाजनक बनाने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे सुधारों के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि भारत सरकार 1 लाख करोड़ रुपये की निजी क्षेत्र संचालित ङ्गष्ठ योजना पर काम कर रही है, जिससे नवाचार और तकनीकी विकास को बढ़ावा मिलेगा।

# खादी और ग्रामोद्योग कारोबार का नया रिकॉर्ड, पहली बार 1 लाख 70 हजार करोड़ के पार

### खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार ने आंकड़े जारी किए

**नई दिल्ली, एजेंसी।** वित्त वर्ष 2024-25 में खादी और ग्रामोद्योग के कारोबार ने अपने पिछले सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। इसका कारोबार स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार एक लाख 70 हजार करोड़ रुपये के पार हो गया है। खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार ने आंकड़े जारी करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग ने नया कीर्तिमान रचा है।

**11 साल में कितना उछाल**-उन्होंने बताया कि पिछले 11 वर्षों में खादी उत्पादन में 347 प्रतिशत के उछाल के साथ चार गुना और बिक्री में 447 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ पांच गुना की वृद्धि हुई है। इसी अवधि में कुल रोजगार सृजन के क्षेत्र में 49.23 प्रतिशत की ऐतिहासिक बढ़ोतरी दर्ज की गयी है और 1.94 करोड़ लोगों को रोजगार मिला है। उन्होंने बताया कि खादी-

ग्रामोद्योग भवन नयी दिल्ली का कारोबार पहली बार रिकॉर्ड 110.01 करोड़ रुपये के आंकड़े तक पहुंचा है। मनोज कुमार ने बताया कि वित्त वर्ष 2013-14 में खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों का उत्पादन जहां 26109.07 करोड़ रुपये का था। वहीं वित्त वर्ष 2024-25 में यह करीब चार गुना बढ़कर 347 प्रतिशत के उछाल के साथ 116599.75 करोड़ रुपये पहुंच गया।

**बिक्री में 5 गुना बढ़ोतरी**-वित्त वर्ष 2013-14 में बिक्री जहां 31154.19 करोड़ रुपये थी। वहीं करीब पांच गुना बढ़कर 447 प्रतिशत की अभूतपूर्व वृद्धि के साथ यह वित्त वर्ष 2024-25 में 170551.37 करोड़ रुपये पहुंच गई, जो कि अब तक की सर्वाधिक बिक्री है। उन्होंने कहा कि खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादा से ज्यादा रोजगार के अवसर उपलब्ध करना है। मनोज कुमार ने बताया कि पिछले 10 वर्षों में 7,43,904 प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण दिया गया है, जिसमें 57.45 प्रतिशत यानी 4,27,394 महिलाएं हैं।

# भारत की आर्थिक बुनियाद पिछले वैश्विक संकटों की तुलना में मजबूत, टैरिफ जैसी चुनौतियों का सीमित होगा असर

**नई दिल्ली, एजेंसी।** कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट और अंतरराष्ट्रीय कमोडिटी बाजारों में दबाव के बीच भारत के वृहद आर्थिक बुनियादी ढांचे पिछले वैश्विक संकटों के मुकाबले काफी मजबूत दिखाई दे रहे हैं। मोतीलाल ओसवाल ने एक रिपोर्ट में कहा, टैरिफ जैसी वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद घरेलू लचीलेपन और बेहतर राजकोषीय सेहत की बदौलत भारत की आर्थिक वृद्धि पर प्रभाव काफी सीमित रहेगा। हालांकि, आईटी क्षेत्र में सुस्ती और करेंसी वार के बीच चीन से उत्पादों की डंपिंग का मामूली असर देखने को मिल सकता है। रिपोर्ट में हाइब्रिड फंडों में एकमुश्त निवेश और अगले दो-तीन महीनों के लिए लार्जकैप, फ्लेक्सी कैप, मिड और स्मॉलकैप फंडों को लेकर चरणबद्ध दृष्टिकोण अपनाने का सुझाव दिया गया है। मोतीलाल ओसवाल ने शेयर बाजार में बड़ी गिरावट आने पर निवेश की सलाह दी है।

**अर्थव्यवस्था के सभी संकेतक पक्ष में**- रिपोर्ट के मुताबिक, मंदी के दौर के बावजूद समग्र आर्थिक संकेतक भारतीय अर्थव्यवस्था के पक्ष में हैं। 2013 के टेपर टैंट्रम जैसे पिछले वैश्विक संकटों से तुलना करें, तो भुगतान संतुलन, राजकोषीय और चालू खाता घाटे जैसे संकेतक मजबूत हैं।

**मिड और स्मॉलकैप शेयर अब भी महंगे**- वैश्विक वित्तीय संकट वाले दौर के विपरीत भारतीय कॉरपोरेट और बैंक इस चरण में स्वस्थ बैलेंस शीट, काफी कम कर्ज और पर्याप्त पूंजी बफर के साथ प्रवेश कर रहे हैं।

**मिडकैप और स्मॉलकैप शेयर अब भी महंगे**- भारतीय शेयर बाजारों पर रिपोर्ट में कहा गया है कि हाल ही में हुए सुधारों ने निफ्टी-50 में शामिल लार्जकैप शेयरों को मूल्य के लिहाज से अधिक आकर्षक बना दिया है। इनकी कीमतें उनके 10 वर्षीय अग्रिम औसत से नीचे आ गई हैं। हालांकि, मिडकैप और स्मॉलकैप शेयर अब भी महंगे बने हुए हैं।

# इरफान खान से तुलना होने पर जयदीप अहलावत ने दी प्रतिक्रिया

अपने शानदार अभिनय से इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाने वाले अभिनेता जयदीप अहलावत इन दिनों अपने आगामी प्रोजेक्ट 'ज्वेल थीफ' को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। अभिनेता अपनी फिल्म की प्रमोशन में व्यस्त हैं। जयदीप अहलावत के अभिनय को देखते हुए उनकी तुलना कई मौकों पर दिग्गज दिवंगत अभिनेता इरफान खान से की जाती है। अब इरफान खान के साथ तुलना किए जाने पर जयदीप ने अपनी प्रतिक्रिया दी है।

**यह एक व्यक्तिगत भावना है**

जयदीप अहलावत इरफान को कितना मानते हैं, ये हर कोई जानता है। हालांकि, उनके अभिनय को देखते हुए कई मौकों पर उनकी तुलना इरफान खान सरीखे कलाकारों से की जाती है। बातचीत में जयदीप अहलावत ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, मुझे क्या कहना चाहिए? यह एक बहुत ही व्यक्तिगत भावना है। गहराई से, बहुत ही अवास्तविक तरीके से जिम्मेदारी की एक बड़ी भावना है। आप बहुत सम्मानित महसूस करते हैं कि कोई आपके काम को इतना पसंद करता है। यह अपने आप में एक बड़ी जिम्मेदारी बन जाती है। मुझे फिल्म निर्माण की कला को तलाशने की इस भावना के प्रति सजग और जागरूक रहना होगा, न केवल अभिनय, बल्कि पूरी प्रक्रिया। अगर मैं तलाश नहीं कर रहा हूं, तो जो लोग मेरा काम देखते हैं, वे भी मेरे साथ तलाश नहीं कर रहे हैं।

**ज्वेल थीफ में नजर आएंगे जयदीप अहलावत**

एक विलेन के रूप में अपना करियर शुरू करने वाले जयदीप अहलावत अपने करियर में चुनौतीपूर्ण किरदारों व अभिनय के लिए जाने जाते हैं। उनकी गिनती अब इंडस्ट्री के दिग्गज कलाकारों में होती है, जिन्होंने अपने काम से बॉलीवुड में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। जयदीप अब जल्द ही नेटफ्लिक्स की फिल्म 'ज्वेल थीफ- द हीस्ट बिगिन्स' में नजर आएंगे। यह फिल्म 25 अप्रैल से ओटीटी पर स्ट्रीम होगी। रॉबी ग्रेवाल और कूकी गुलाटी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में सैफ अली खान, कुणाल कपूर और निकिता दत्ता भी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

# ओटीटी के कई शो को रिजेक्ट कर चुकी हैं भूमि पेडनेकर

## बताया क्यों 'द रॉयल्स' को कहा हां

अभिनेत्री भूमि पेडनेकर इन दिनों अपने आगामी शो 'द रॉयल्स्स' को लेकर इन दिनों चर्चाओं में बनी हुई हैं। ये शो भूमि पेडनेकर का ओटीटी पर डेब्यू शो है। बॉलीवुड में अपने दस साल का सफर पूरा करने के बाद अब भूमि ने ओटीटी की तरफ रुख किया है। जबकि इस दौरान इंडस्ट्री के कई बड़े स्टार्स भी ओटीटी पर कदम रख चुके हैं। अपने शो के प्रमोशन में जुटी भूमि ने बताया कि आखिर क्यों उन्हें ओटीटी पर आने में दस साल का वक्त लगा और उन्होंने इस दौरान क्यों कई शोज को रिजेक्ट किया।

### इसलिए किया 'द रॉयल्स' को हां

बातचीत में भूमि पेडनेकर ने बताया कि आखिर क्यों उन्होंने नेटफ्लिक्स के शो 'द रॉयल्स' को हां कहा और कैसे ये उन शोज से अलग है, जिन्हें भूमि ने मना कर दिया। अभिनेत्री ने कहा, मुझे कुछ बेहतरीन शो ऑफर हुए जो आगे बढ़े और बहुत सफल भी हुए। लेकिन मैं उनसे कभी उस तरह से जुड़ नहीं पाई जिस तरह से मैं रॉयल्स्स से जुड़ी थी। इसका एक कारण यह भी है कि उस समय मैं किस तरह के काम की तलाश में थी।

### मुझे पसंद है रोमांटिक-कॉमेडी

भूमि ने आगे शो की स्क्रिप्ट के बारे में बात करते हुए कहा, रोमांटिक कॉमेडी, निस्संदेह, मुझे सबसे पसंद है। मुझे नहीं लगता कि हम ज्यादा रॉम-कॉम बनाते हैं। मैं 'मिल्स एंड बून' पढ़कर बड़ी हुई हूं। इसलिए मुझे कोरियाई नाटक पसंद हैं, क्योंकि उनमें बहुत रोमांस है। जब मैंने पहली बार शो की स्क्रिप्ट पढ़ी तो मुझे डेंगू था और मैं अस्पताल में थी, और मैंने स्क्रिप्ट पढ़ना शुरू किया, क्योंकि यह मेरी पसंदीदा शैली है, और मैं पढ़ना बंद नहीं कर सकती थी। फिर नेटफ्लिक्स के साथ मेरी आखिरी फिल्म 'भक्षक' बहुत बड़ी सफल थी। इसलिए मैंने तुरंत हां कर दी।

### बाकी किरदारों से अलग है यह किरदार

'द रॉयल्स' में अपनी एक कॉरपोरेट दिग्गज की भूमिका के बारे में बात करते हुए भूमि ने कहा, यह किरदार निभाना मेरे द्वारा किए गए किसी भी किरदार से अलग है। मैंने इस शो के जरिए शहरी ग्लैमर के इस क्षेत्र में कदम नहीं रखा है। 'द रॉयल्स' के बारे में मुझे जो पसंद है, वह यह है कि यह अच्छा दिखता है, इसकी जड़ में रोमांस है, लेकिन यह बहुत बारीक भी है। इसमें बहनचारे, दोस्ती और सभी के लिए प्यार के बारे में खूबसूरत विषय हैं। सभी के लिए कुछ न कुछ होगा।

# फिल्म मेकिंग छोड़ने की अफवाहों पर भड़के अनुराग कश्यप

अनुराग कश्यप को उनकी बेबाक कहानियों और तीखी राय के लिए जाना जाता है। हाल ही में वह उन अफवाहों पर भड़क उठे, जिनमें दावा किया जा रहा था कि उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री छोड़ दी है। मार्च 2025 में अनुराग ने मुंबई को अलविदा कहकर दूसरे शहर में अपना नया ठिकाना बनाया था। इस खबर ने तुरंत हलचल मचा दी और लोग कयास लगाने लगे कि अनुराग ने फिल्म मेकिंग को हमेशा के लिए छोड़ दिया। हालांकि, अब अनुराग ने इन अफवाहों को सिरे से खारिज कर दिया है। एक्स पर अपनी बेबाकी भरे अंदाज में उन्होंने लिखा, मैंने सिर्फ शहर बदला है, फिल्म मेकिंग नहीं छोड़ी। जो लोग सोचते हैं कि मैं हताश होकर चला गया, उन्हें बता दूं कि मैं यहीं हूं और शाहरुख खान से भी ज्यादा व्यस्त हूं। मेरे पास 2028 तक की डेट्स बुक हैं। इस साल मेरी पांच फिल्में रिलीज हो सकती हैं, या शायद तीन इस साल और और दो अगले साल आने की उम्मीद है। मैं हर दिन तीन प्रोजेक्ट्स को मना करता हूं।

### छोड़ चुके हैं मुंबई

इस साल की शुरुआत में एक इंटरव्यू में अनुराग ने मुंबई छोड़ने की वजह बताई थी। उन्होंने कहा था, फिल्म इंडस्ट्री का माहौल अब बहुत जहरीला हो गया है। हर कोई 500 या 800 करोड़ की फिल्म बनाने की होड़ में है। रचनात्मकता कहीं खो गई है। शहर सिर्फ इमारतों से नहीं, बल्कि वहां के लोगों से बनता है। लेकिन यहां लोग आपको नीचे खींचते हैं।

### सीबीएफसी से हैं इस बात पर नाराज

हाल ही में अनुराग ने सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (सीबीएफसी) पर भी जमकर निशाना साधते नजर आए थे। अनंत महादेवन की बायोग्राफिकल ड्रामा 'फुले' की रिलीज में हो रही देरी पर वह काफी ज्यादा नाराज दिखे थे। इस फिल्म में प्रतीक गांधी और पत्रलेखा मुख्य भूमिका में हैं। सीबीएफसी ने कथित तौर पर इस फिल्म पर जातिवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया और कई कट्स लगाने को कहा है। यह फिल्म 25 अप्रैल को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसकी तारीख अनिश्चित है। अनुराग ने सीबीएफसी की इस कार्रवाई को सेंसरशिप का गलत इस्तेमाल करार दिया और इसे रचनात्मक स्वतंत्रता पर हमला कहा।

### अभिनेता के तौर पर भी छोड़ी छाप

मुंबई से दूर जाने के बावजूद अनुराग न सिर्फ निर्देशन में सक्रिय हैं, बल्कि अभिनय में भी अपनी छाप छोड़ रहे हैं। वह जल्द ही एक्शन-ड्रामा फिल्म 'डकैत' में इंस्पेक्टर स्वामी के किरदार में नजर आएंगे। इस फिल्म में मृणाल ठाकुर और आदिवी शेष भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। अनुराग का यह किरदार उनके प्रशंसकों के लिए एक नया सरप्राइज होगा, क्योंकि वह पहले भी 'युध' और 'लियो' और महाराजा जैसी फिल्मों से अपने अभिनय का लोहा मनवा चुके हैं।

# अपनी पुरानी फिल्में देख शर्मिंदा क्यों होती हैं सामंथा?

सामंथा अपने करियर के नए चरण में कदम रख रही हैं, लेकिन इस बार पर्दे के पीछे से अभिनेता से निर्माता बनीं सामंथा अपने बैनर त्रालाला मूविंग पिक्चर्स के तहत तेलुगु हॉरर-कॉमेडी शुभम का समर्थन कर रही हैं। एक प्रमोशनल इवेंट के दौरान उन्होंने खुलकर बताया कि जब वह अपने शुरुआती प्रदर्शनों को याद करती हैं तो उन्हें शर्मिंदगी महसूस होती है। फिल्म के प्रमोशन के लिए शुभम की टीम ने आंध्र प्रदेश के नेल्लोर में एसवी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस का दौरा किया। अपनी शुरुआत के बारे में बताते हुए सामंथा ने कहा- अगर मैं अब अपनी पहली दो फिल्में देखती हूं, तो मुझे शर्मिंदगी महसूस होती है। आश्चर्य होता है कि मैंने इतना खराब प्रदर्शन क्यों किया, लेकिन शुभम में इन युवा बच्चों को उनकी पहली कुछ फिल्मों में देखकर, मुझे इस फिल्म पर गर्व है प्रवीण कंदरेगुला निर्देशित सुभम में हर्षित रेड्डी, गविरेड्डी श्रीनिवास, चरण पेरी, श्रिया कोंथम, श्रावणी लक्ष्मी, शालिनी कोंडेपुडी और वामशीधर गौड़ सहित नए कलाकार शामिल हैं।

# क्या पूजा हेगड़े और अल्लू अर्जुन बड़े पर्दे पर फिर आएंगे साथ?

साउथ सिनेमा के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन ने अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म पुष्पा 2 की सफलता के बाद दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। उनकी आने वाली फिल्मों की चर्चा ने फैंस में काफी ज्यादा उत्साह है। इस बीच उनके साथ फिल्म में काम कर चुकीं पूजा हेगड़े ने अभिनेता के साथ भविष्य में काम करने को लेकर बड़ी बात कह दी है। हाल ही में अपनी आगामी फिल्म रेट्रो के ऑडियो लॉन्च इवेंट में पूजा हेगड़े से अल्लू अर्जुन के साथ दोबारा काम करने के बारे में सवाल किया गया। इस पर पूजा ने साफ और सरल जवाब दिया। उन्होंने कहा, अगर कोई अच्छी कहानी, मजबूत किरदार और सही मौका मिले तो हम जरूर साथ काम करेंगे। पूजा के इस बयान ने फैंस की उम्मीदें जगा दी हैं।

### इन फिल्मों में दिखेंगी पूजा

पूजा हेगड़े साउथ सिनेमा में एक के बाद एक शानदार प्रोजेक्ट्स के साथ छाई हुई हैं। उनकी अगली फिल्म रेट्रो है, जिसमें वह सूर्या के साथ नजर आएंगी। यह फिल्म 1 मई 2025 को रिलीज होने वाली है। इसके अलावा वह दलपति विजय की आखिरी फिल्म जन नायगन में भी काम कर रही हैं। यह फिल्म इसलिए भी खास है, क्योंकि इसके बाद विजय पूरी तरह से राजनीति में कदम रखेंगे। पूजा की ये फिल्में उनके करियर के लिए अहम साबित हो सकती हैं।

### अल्लू अर्जुन के पास भी है ये बड़ा प्रोजेक्ट

अल्लू अर्जुन भी एक के बाद एक बड़े प्रोजेक्ट्स के साथ सुर्खियां बटोर रहे हैं। इसका निर्देशन एटली कर रहे हैं। 8 अप्रैल को इस प्रोजेक्ट की पहली झलक सामने आई, जिसने दर्शकों को उत्साहित कर दिया।

### त्रिविक्रम के साथ भी करेंगे काम

खबरों की मानें तो यह एक सुपरहीरो जॉनर की फिल्म होगी, जिसमें अल्लू अर्जुन एक अनोखे किरदार में नजर आएंगे। फिल्म में हॉलीवुड स्तर के वीएफएक्स का इस्तेमाल होगा, जिसके लिए टीम लॉस एंजिल्स में विशेषज्ञों से मुलाकात कर चुकी है। इसके अलावा, अल्लू अर्जुन डायरेक्टर त्रिविक्रम श्रीनिवास के साथ एक पौराणिक फिल्म पर भी काम कर रहे हैं।

# किरदार में उतरने के लिए इमरान हाशमी करते हैं मेहनत, कभी की बॉडी बिल्डिंग, तो कभी सीखा क्रिकेट

अभिनेता इमरान हाशमी की फिल्म ग्राउंड जीरो जल्द ही रिलीज होने वाली है। फिल्म जम्मू व कश्मीर में आतकंवाद पर आधारित है। खबर है कि फिल्म के लिए इमरान हाशमी ने काफी मेहनत की है। उन्होंने इस फिल्म में बीएसएफ जवान का किरदार अदा करने के लिए ट्रेनिंग भी ली है। इस खबर में हम आपको बताएंगे कि इमरान हाशमी ने कौन-कौन सी फिल्मों के लिए कुछ नया किया है?

### ग्राउंड जीरो

फिल्म ग्राउंड जीरो में इमरान हाशमी ने एक बीएसएफ अधिकारी की भूमिका निभाई है। फिल्म की शूटिंग से पहले इमरान हाशमी ने इस फिल्म के लिए ट्रेनिंग ली। इमरान हाशमी ने एक इंटरव्यू में खुद बताया कि मैंने महीनों तक प्रशिक्षण लिया, सख्त आहार का पालन किया और उनके हिसाब से ढलने के लिए अपनी दिनचर्या को पूरी तरह से बदल दिया। यह सिर्फ वर्दी पहनने तक सीमित नहीं था। बल्कि वर्दी पहनने वाले के रूप में ढलना था।

### अजहर

इमरान हाशमी ने अजहर फिल्म में क्रिकेटर मोहम्मद अजहरुद्दीन का किरदार निभाया। यह फिल्म क्रिकेटर अजहरुद्दीन की जिंदगी पर बनी है। इस फिल्म में अभिनय करने से पहले इमरान हाशमी ने क्रिकेट की बारीकियां सीखीं। खुद अजहरुद्दीन ने इमरान हाशमी को क्रिकेट का प्रशिक्षण दिया क्योंकि इमरान को अजहर के अनोखे खेलने के तरीके में फुटवर्क सीखने में दिक्कत हो रही थी। यह फिल्म 13 मई 2016 को रिलीज हुई थी।

### टाइगर 3

सलमान खान की फिल्म टाइगर 3 12 नवंबर 2023 को रिलीज हुई थी। इस फिल्म में काम करने के लिए इमरान हाशमी ने अपने आपको काफी फिट किया था। इस फिल्म में इमरान हाशमी ने आईएसआईएस का किरदार निभाया था।

टाइगर में सलमान खान का किरदार पहले से स्टैब्लिश था लेकिन फिल्म निर्माता इस फिल्म में इमरान हाशमी की एंट्री को जबरदस्त दिखाना चाहते थे इसलिए इमरान ने अपने किरदार पर मेहनत की।

### बादशाहो

अजय देवगन और इमरान हाशमी के किरदार से सजी फिल्म बादशाहो एक सितंबर 2017 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में काम करने से पहले इमरान हाशमी ने ट्रेनिंग ली थी। उन्होंने घंटों जिम में पसीना बहाया था। अपने आपको फिट रखने के लिए वैसे तो इमरान हाशमी वर्कआउट करते हैं लेकिन इस फिल्म में काम करने से पहले उन्होंने बॉडी बिल्डिंग की थी।

# दीपिका पादुकोण के बाद किंग में हुई अरशद वारसी की एंट्री!

शाहरुख खान की फिल्म किंग एक वजह से सुर्खियों में है और वो है कास्टिंग। हालांकि फिल्म की अभी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन शुरुआत में ऐसी खबरें थीं कि शाहरुख के अलावा इस फिल्म में उनकी बेटी सुहाना खान, अभिषेक बच्चन और मुंजा फेम एक्टर अभय वर्मा भी हैं। हालांकि, पिछले कुछ हफ्तों से एक बार फिर फिल्म की कास्टिंग को लेकर कई खबरें आ रही हैं। अब खबर है कि फिल्म में एक और कलाकार की एंट्री हुई है। अब पीपिंग मून की एक रिपोर्ट के मुताबिक, किंग की कास्ट में अरशद वारसी भी शामिल हो गए हैं। कथित तौर पर अभिनेता इस फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए नजर आएंगे और उनके किरदार के बारे में ज्यादा जानकारी गुप्त रखी गई है। 2005 में शाहरुख खान ने अरशद की फिल्म कुछ मीठा हो जाए में कैमियो किया था, लेकिन दोनों ने एक साथ ऐसी कोई फिल्म नहीं की है जिसमें उन्होंने पूरी भूमिका निभाई हो।

# दो जीत हासिल कर हुआ शुभमन का दिल गार्डन-गार्डन, बोले-आज मैं बहुत खुश हूं

**हम जब भी मैदान पर उतरते हैं तो अपना सर्वश्रेष्ठ खेल खेलना चाहते हैं : गिल**

**नई दिल्ली, एजेंसी।** कोलकाता नाइट राइडर्स को इंडियन प्रीमियर लीग में सोमवार को एकतरफा मुकाबले में 39 रन से हराने के बाद गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने कहा कि आज मैं बहुत खुश हूं। हमने इन दो मैचों के बारे में बात की थी। हमने तय करना था कि हम तालिका में कहां खड़े हैं। लगातार दो जीत हासिल करके बहुत खुश हूं। हम जब भी मैदान पर उतरते हैं तो अपना सर्वश्रेष्ठ खेल खेलना चाहते हैं। जीत के मंत्र पर बात करते हुए शुभमन ने कहा कि हम कभी इस बारे में बात नहीं करते कि हममें से किसी एक को अंत तक टिके रहना है। हम सिर्फ इस बारे में बात करते हैं कि हम इन परिस्थितियों में कैसे रन बना सकते हैं और खेल को कैसे आगे ले जा सकते हैं। हम खेल में आगे थे, लेकिन आगे रहना एक बात है और खेल को खत्म करना दूसरी बात है। वहीं, वेंकी अय्यर के विकेट के बाद उत्साहित जश्न पर बोलते हुए शुभमन ने कहा कि ये मेरी कुछ भावनाएं थीं जो बाहर आ रही थीं। इस प्रारूप में एक आदर्श खेल होना मुश्किल है। हमेशा कुछ क्षेत्र होंगे। अगर मैं वहां रहता तो हम 10 रन और बना सकते थे। हमने गेंदबाजी में कुछ अप्रत्याशित गलतियां कीं लेकिन मुख्य बात यह है कि भले ही आप आदर्श खेल नहीं खेल रहे हों, आपको जीतने का तरीका खोजना होगा और हम इसमें वास्तव में इसमें अच्छे हैं। शुभमन गिल को 90 रन बनाने पर प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया।

गुजरात टाइटंस ने आखिरकार सीजन में 8 मैचों में अपनी छठी जीत हासिल कर ली। इसी के साथ वह अंक तालिका में पहले नंबर पर बरकरार है। उनके बाद दिल्ली कैपिटल्स सात में से पांच मैच जीतकर दूसरे स्थान पर बनी हुई है। गुजरात ने सीजन में पंजाब (11 रन) और लखनऊ (6 विकेट) से ही मैच गंवाया है। इसके अलावा वह मुंबई, आरसीबी, हैदराबाद, राजस्थान, दिल्ली और अब कोलकाता से मैच जीत चुके हैं। वहीं, गत चैंपियन कोलकाता सातवें स्थान पर आ गई है। उन्हें 8 मैचों में 5वीं हार मिली है। उनके अब 6 अंक ही हैं। उन्हें प्लेऑफ की रेस में आगे बढ़ने के लिए आगामी सभी मैच जीतने होंगे।

**रोहित पर स्टीव वॉ की तीखी टिप्पणी**

## उन्हें खुद को आईने में देखना होगा

**मैड्रिड, एजेंसी।** ऑस्ट्रेलिया के महान क्रिकेटर स्टीव वॉ का मानना है कि आलोचनाओं का सामना कर रहे रोहित शर्मा अगर भारतीय क्रिकेट की सेवा करना जारी रखना चाहते हैं तो उन्हें आत्ममुग्ध नहीं होना चाहिए और आराम नहीं करना चाहिए। इसमें इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट श्रृंखला से पहले कप्तानी पर फैसला लेना भी शामिल है। रोहित के भविष्य को लेकर उठ रहे सवालों के बीच वॉ ने कहा कि भारत की कप्तानी का फैसला रोहित को खुद करना चाहिए। भारत जून में इंग्लैंड के साथ श्रृंखला की शुरुआत के साथ 2025-27 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र की शुरुआत करेगा। वॉ ने कहा कि यह पूरी तरह से उन पर निर्भर है। उन्होंने कहा कि वह अकेले ही इस समस्या का समाधान कर सकते हैं। उन्हें खुद को आईने में देखना होगा और कहना होगा कि क्या मैं अब भी कप्तान बनना चाहता हूं या भारत के लिए खेलना चाहता हूं? क्या मैं प्रतिबद्ध हूं? क्या मैं इसके लिए पर्याप्त समय और प्रयास कर रहा हूं? अपने देश के लिए खेलना एक सौभाग्य और सम्मान की बात है। लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अकादमी के सदस्य वॉ ने कहा कि आप आत्मसंतुष्ट या आराम से नहीं रह सकते। रोहित 30 अप्रैल को 38 वर्ष के हो जाएंगे। बांग्लादेश, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछली तीन टेस्ट श्रृंखला में उनका प्रदर्शन खराब रहा था। उन्होंने खराब फॉर्म का हवाला देते हुए सिडनी टेस्ट से बाहर होने का फैसला किया जिसमें भारत इस साल की शुरुआत में 1-3 से श्रृंखला हार गया था।

## पूर्व क्रिकेटर अमित मिश्रा पर पत्नी ने लगाया घरेलू हिंसा का आरोप, मांगा 1 करोड़ का मुआवजा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** उत्तर प्रदेश के कानपुर से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। भारतीय क्रिकेटर अमित मिश्रा और उनके परिवार के खिलाफ उनकी पत्नी ने घरेलू हिंसा का मुकदमा दर्ज कराया है। अमित मिश्रा की पत्नी ने सातवें न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में घरेलू हिंसा का परिवाद दायर किया है और इसके साथ ही एक करोड़ रुपये के मुआवजे की मांग की है।भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ी अमित मिश्रा की पत्नी गरिमा ने अपने सास-ससुर बीना मिश्रा और शशिकांत मिश्रा, जेठ अमर मिश्रा, जेठानी रितु मिश्रा और ननद स्वाती मिश्रा को भी इस मामले में आरोपी बनाया है। गरिमा का आरोप है कि ससुराल पक्ष ने दहेज के रूप में 10 लाख रुपये नकद और एक कार की मांग की थी।

गरिमा तिवारी ने न्यायिक मजिस्ट्रेट सप्तम की अदालत में घरेलू हिंसा का परिवाद दायर किया है और एक करोड़ रुपये के मुआवजे की मांग की है। बिरहाना रोड, कानपुर निवासी गरिमा ने अपने पति और ससुराल वालों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। कोर्ट ने सभी आरोपियों को नोटिस जारी किया है और अगली सुनवाई 26 मई 2025 को निर्धारित की गई है। गरिमा ने इसके साथ ही एक करोड़ रूपए की क्षतिपूर्ति की मांग की है, स्त्रीधन का अधिकार और साझा गृहस्थी में रहने की मांग भी की है। गरिमा ने दावा किया है कि दहेज की मांग पूरी न होने पर ससुराल वालों ने उनकी विदाई रोक दी थी। ढाई लाख रुपये देने के बाद ही विदाई हो सकी। गरिमा ने बताया कि उनके पति अमित उन्हें तिलक नगर स्थित आरबीआई कॉलोनी के एक घर में ले गए जहां ससुराल के लोग आकर उन्हें परेशान करते थे। गरिमा ने यह भी आरोप लगाया कि अमित उनके बहकावे में आकर गाली-गलौच और मारपीट करते थे। उन्होंने कहा कि मॉडलिंग से कमाए गए उनके पैसे भी अमित छीन लेते थे। इसके अलावा गरिमा ने आरोप लगाया कि अमित इंस्टाग्राम पर अन्य लड़कियों से बात करते थे और उन्हें तलाक की धमकी देते थे।

# आईपीएल में फूटा मैच फिक्सिंग का बम !

**लखनऊ से हार के बाद राजस्थान रॉयल्स पर लगे आरोप**

**नई दिल्ली, एजेंसी।** आईपीएल 2025 के एक रोमांचक मैच में राजस्थान रॉयल्स को लखनऊ सुपर जायंट्स से मिली हार मिली थी, अब इसी अब विवाद शुरू हो गया है. राजस्थान रॉयल्स की हार पर मैच फिक्सिंग के आरोप लगने लगे हैं. राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की एडहॉक कमेटी के कन्वेनर ने जयदीप बिहाणी का कहना है कि इस मैच में कुछ गड़बड़ जरूर हुई है. मैच की बात करें तो राजस्थान को 181 रन का टारगेट मिला था, और आखिरी ओवर में उन्हें जीत के लिए सिर्फ 9 रन चाहिए थे, वो भी तब जब उनके 6 विकेट बचे थे. लेकिन लखनऊ के बॉलर आवेश खान ने कमाल की बॉलिंग की और राजस्थान दो रन से हार गया. इस हार के बाद ही राजस्थान टीम पर सवाल उठे हैं. जयदीप बिहाणी को इस हार पर शक हुआ है. उन्होंने सवाल उठाया कि अपने ही होम ग्राउंड पर टीम ऐसे कैसे हार गई. एक इंटरव्यू में उन्होंने याद दिलाया कि पहले भी 2013 में राजस्थान के कुछ खिलाड़ी स्पॉट फिक्सिंग में फंसे थे, और टीम का इतिहास थोड़ा विवादित रहा है.

उन्होंने ये भी आरोप लगाया कि फ्रेंचाइजी के मालिक राज कुंद्रा भी पहले सट्टेबाजी के मामले में पकड़े जा चुके हैं, और इसके चलते टीम को दो साल के लिए बैन भी झेलना पड़ा था. इस बार भी उन्होंने बीसीसीआई से मांग की है कि मामले की जांच होनी चाहिए. फ्रेंचाइज़ी के मालिक राज कुंद्रा जब सट्टेबाजी में पकड़े गए थे चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के साथ-साथ राजस्थान की टीम पर भी 2016 और 2017 में दो सेशन लिए प्रतिबंध लगा दिया गया था. इसके अलावा जयदीप बिहाणी का आरोप है कि आईपीएल की मेजबानी से राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन को बिना किसी ठोस वजह के दूर रखा गया उन्होंने कहा कि स्पोर्ट्स काउंसिल और राजस्थान रॉयल्स ने ये कहकर बहाना बनाया कि एसोसिएशन के पास सवाई मानसिंह स्टेडियम से कोई करार नहीं है. लेकिन सवाल ये है कि अगर करार नहीं भी था, तो क्या स्पोर्ट्स काउंसिल को हर मैच के पैसे नहीं मिल रहे?

### राजस्थान की आईपीएल 2025 में हालत खराब

वैसे ये पहली बार नहीं है जब राजस्थान ने आखिरी ओवर में हार का सामना किया हो, इससे पहले भी दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ वो 9 रन नहीं बना पाए थे और मैच सुपर ओवर में हार गए थे. अब तक राजस्थान ने 8 में से सिर्फ 2 मैच जीते हैं और पॉइंट्स टेबल में आठवें नंबर पर है. उनका अगला मैच 24 अप्रैल को आरसीबी से होगा.

## बीमारी के कारण सुदीरमन कप से हटी सात्विक-चिराग की जोड़ी, बीएआई ने की पुष्टि

**नई दिल्ली, एजेंसी।** बीएआई ने सोमवार को कहा, पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने बीमारी के कारण बीडब्ल्यूएफ सुदीरमन कप फाइनल 2025 से नाम वापस ले लिया है। उनकी जगह टीम में किसी अन्य जोड़ी को नहीं भेजा जाएगा। भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने सोमवार को बीमारी के कारण बीडब्ल्यूएफ सुदीरमन कप फाइनल्स से हटने का फैसला किया। ऐसे में 27 अप्रैल से चार मई तक चीन के शियामेन में होने वाली मिश्रित टीम चैंपियनशिप में देश की संभावनाओं को बड़ा झटका लगा है। एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता और दुनिया की 11वें नंबर की भारतीय जोड़ी को चोट के बाद वापसी करनी थीस लेकिन भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) ने घोषणा की कि सात्विक और चिराग इस टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेंगे। बीएआई ने सोमवार को कहा, पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने बीमारी के कारण बीडब्ल्यूएफ सुदीरमन कप फाइनल 2025 से नाम वापस ले लिया है।

## पंचकुला नहीं, अब इस शहर में होगा नीरज चोपड़ा का मुकाबला; किस कारण किया गया परिवर्तन

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा का मुकाबला अब पंचकुला के बजाए बंगलूरू में होगा। नीरज चोपड़ा क्लासिक प्रतियोगिता का पहला चरण पर्याप्त रोशनी की कमी के कारण 24 मई को बंगलूरू के कांतिरावा स्टेडियम में होगा। इस टूर्नामेंट में नीरज के अलावा कई स्टार एथलीट हिस्सा लेंगे जिसमें एंडरसन पीटर्स और थॉमस रोहलर शामिल हैं। विश्व एथलेटिक्स द्वारा इस प्रतियोगिता को श्रेणी ए का दर्जा दिया गया है।

नीरज ने अरशद नदीम को किया आमंत्रित

ग्रेनेडा के पीटर्स दो बार के विश्व चैंपियन हैं और रोहलर 2016 ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता हैं। नीरज ने कहा कि उन्होंने पाकिस्तानी ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम को भी आमंत्रित किया है जिन्होंने अभी तक भागीदारी की पुष्टि नहीं की है। नीरज ने कहा, मैंने अरशद को निमंत्रण भेजा है और उन्होंने कहा है कि वह अपने कोच से चर्चा करने के बाद मुझसे संपर्क करेंगे। अभी तक उन्होंने भागीदारी की पुष्टि नहीं की है।

नीरज ने कहा, मैं चाहता था कि यह प्रतियोगिता पंचकुला में आयोजित हो, लेकिन वहां स्टेडियम में रोशनी की व्यवस्था से संबंधित कुछ मुद्दे हैं। विश्व एथलेटिक्स 600 लक्स चाहती थी लेकिन पंचकुला में इतनी रोशनी उपलब्ध नहीं थी और इसे तैयार करने में समय लगेगा। इसलिए हमने प्रतियोगिता को बंगलूरू के कांतीरवा स्टेडियम में स्थानांतरित करने का फैसला किया है। हमारे पास वहां एक टीम है और वहां इसका आयोजन करना बहुत आसान होगा। इस कार्यक्रम का आयोजन नीरज और जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स द्वारा भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) और विश्व एथलेटिक्स के सहयोग से संयुक्त रूप से किया जाएगा, जिसमें शीर्ष वैश्विक और भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी भाग लेंगे।

## विश्व कप में 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में पदक से चूकीं ओलंपिक पदक विजेता भाकर, सिमरनप्रीत को रजत

**लीमा (पेरू), एजेंसी।** भारत की 20 वर्षीय सिमरप्रीत ने 10 रेपिड फायर सीरीज में 33 हिट लगाए और वह चीन की सुन युजी से सिर्फ एक शॉट पीछे रहीं जिन्होंने इस स्पर्धा में अपना लगातार दूसरा विश्व कप स्वर्ण जीता। भारतीय निशानेबाज सिमरनप्रीत कौर बरार ने महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक के साथ अपना पहला सीनियर अंतरराष्ट्रीय पदक जीता, जबकि पेरिस ओलंपिक की दोहरी पदक विजेता मनु भाकर पेरू के लीमा में जारी आईएसएसएफ विश्व कप में सोमवार को चौथे स्थान पर रहीं और पदक से चूक गईं।

### सिमरनप्रीत को रजत पदक

भारत की 20 वर्षीय सिमरनप्रीत ने 10 रेपिड फायर सीरीज में 33 हिट लगाए और वह चीन की सुन युजी से सिर्फ एक शॉट पीछे रहीं जिन्होंने इस स्पर्धा में अपना लगातार दूसरा विश्व कप स्वर्ण जीता। चीन की एक अन्य निशानेबाज याओ कियानशुन ने 29 हिट के साथ कांस्य पदक हासिल किया। यह भारत का प्रतियोगिता में चौथा रजत है। इसके अलावा दो स्वर्ण और एक कांस्य पदक भी भारत ने जीते हैं।

### दिलचस्प रहा मुकाबला

अर्जेंटीना में पिछले विश्व कप में रजत पदक जीतने वाली ईशा सिंह छठे स्थान पर रहीं। पहली सीरीज के बाद ही चीन की खिलाड़ी शीर्ष पर पहुंच गईं जबकि भारतीय निशानेबाजों ने दूसरी सीरीज से ही अपनी लय हासिल कर ली। छठी सीरीज में मनु

और सिमरनप्रीत दोनों ने पांच-पांच शॉट लगाए जबकि ईशा ने चार निशाने लगाए। इसके बाद मनु, ईशा और जर्मनी की डोरेन वेनकेम्प के बीच शूट ऑफ हुआ। ईशा सबसे पहले बाहर हो गईं। इसके बाद मनु ने दूसरे शूट ऑफ में डोरेन को पछाड़कर शीर्ष चार में जगह बनाई।

### पदक से चूकीं मनु भाकर

मनु हालांकि अगली सीरीज के बाद एक अंक से पिछड़कर बाहर हो गईं। इससे पहले मनु, मिश्रित टीम पिस्टल विश्व चैंपियन ईशा और सिमरनप्रीत की तिकड़ी ने फाइनल में जगह सुनिश्चित की। मनु 585 अंक के साथ क्वालिफाइंग में दूसरे स्थान पर रहीं जबकि सिमरनप्रीत ने 580 अंक के साथ पांचवां स्थान हासिल किया। ईशा ने 575 अंक हासिल कर आठवां और अंतिम क्वालिफाइंग स्थान अपने नाम किया।

### मनु को 10 मीटर एयर पिस्टल में मिला था रजत

इससे पहले मनु 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में भी स्वर्ण से चूक गई थीं। युवा निशानेबाज सुरुचि इंदर सिंह ने मनु को हराकर लगातार दूसरा स्वर्ण पदक जीता था। 18 साल की सुरुचि ने हाल ही में ब्यूनस आयर्स में साल के पहले विश्व कप में स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। उन्होंने लीमा विश्व कप में 24 शॉट के फाइनल में 243.6 का स्कोर बनाया और मनु को 1.3 अंक से हराकर स्वर्ण पर कब्जा जमाया था।

## संक्षिप्त समाचार

### दिल्ली से पिथौरागढ़ की हवाई यात्रा सस्ती

**नई दिल्ली, एजेंसी।** उत्तराखंड के पिथौरागढ़ से दिल्ली का हवाई सफर करने वालों के लिए अच्छी खबर है। दोनों शहरों के बीच हवाई यात्रा का किराया घटा दिया गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी के निर्देश पर पिथौरागढ़ से दिल्ली के बीच का हवाई किराया घटाया गया है। फ्लाइट से सफर करने के लिए यात्रियों के लिए प्रति सीट 2447 रुपये की कटौती कर दी गई है। सचिव उड्डयन सचिन कुर्वे ने इसके आदेश कर दिए हैं। उत्तराखंड हवाई संपर्क योजना के तहत दिल्ली से पिथौरागढ़ और पिथौरागढ़ से दिल्ली हवाई सेवा संचालित होती है। एलायंस एयर प्राइवेट लिमिटेज की तरफ से यह सेवा संचालित होती है। अभी दिल्ली से पिथौरागढ़ आने पर प्रति पैसेंजर 6,999 रुपये जबकि पिथौरागढ़ से दिल्ली जाने पर 7,447 रुपये किराया लेती है। क्षेत्र के कई लोगों ने मुख्यमंत्री से इस हवाई रूट पर किराया ज्यादा होने की शिकायतें की थी। मुख्यमंत्री धामी ने मुख्य सचिव को पिछले दिनों इस रूट के किराया का आंकलन करते हुए उसे निर्धारित करने के निर्देश दिए थे। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई हाई पावर कमेटी की बैठक में पिथौरागढ़ से दिल्ली हवाई सेवा का प्रति पैसेंजर किराया 5000 हजार रुपये (एक तरफ) निर्धारित किया गया है। इसका विधिवत आदेश भी जारी कर दिया गया है।

### गर्मी में ठंडक देगी रेखा गुप्ता सरकार

**नई दिल्ली, एजेंसी।** मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को दिल्ली हीट एक्शन प्लान 2025 लॉन्च किया। इसके तहत दिल्ली में तीन हजार वॉटर कूलर डिस्पेंसर लगाए जाएंगे। वहीं, फुटपाथ पर राहगीरों के लिए कूलिंग शेड बनेंगे। दिल्ली सचिवालय में आयोजित कार्यक्रम में रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्लीवासियों को अत्यधिक गर्मी और हीटवेव से बचाने के लिए वैज्ञानिक तरीकों के साथ योजना जमीन पर उतारी जाएगी। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री प्रवेश वर्मा के साथ स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह और मुख्य सचिव भी मौजूद रहे। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने 'कूल रूफ तकनीकी और 'डिजिटल कोल्ड वॉटर डिस्पेंसर' की भी शुरुआत की। कूल रूफ तकनीकी की पायलट योजना की शुरुआत दिल्ली सचिवालय की बिल्डिंग के साथ कश्मीरी गेट और आनंद विहार बसअड्डे से की गई है। रेखा गुप्ता ने कहा कि योजना के तहत तीन हजार वॉटर कूलर प्रमुख सड़कों, सरकारी इमारतों और दिल्ली देहात के दूर दराज के इलाकों में लगेंगे। सरकारी भवनों और निजी इमारतों पर कूल रूफ और ग्रीन रूफ टेक्नोलॉजी को अपनाया जाएगा। दिल्ली के 5500 से अधिक स्कूलों के 14 लाख बच्चों को आपदा प्रबंधन और हीटवेव से बचाव के लिए जागरूक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पतालों में विशेष हीटवेव वार्ड भी बनाया जाएगा। सार्वजनिक स्थलों जैसे बस स्टॉप और रेलवे स्टेशनों पर ठंडे पानी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हीटवेव अब सिर्फ मौसम की स्थिति नहीं, बल्कि एक जानलेवा संकट बन चुकी है। इसी चुनौती का समय रहते मुकाबला करने के लिए दिल्ली सरकार ने यह कार्ययोजना शुरू की है।

# दो डर और एक फायदे की उम्मीद में छोड़ा चुनाव, केजरीवाल को उलटा भी पड़ सकता है दांव

**नईदिल्ली, एजेंसी।**
दिल्ली में विधानसभा चुनाव की हार के बाद आम आदमी पार्टी (आप) ने एक चौंकाने वाला फैसला लेते हुए एमसीडी (दिल्ली नगर निगम) में मेयर चुनाव नहीं लड़ने का ऐलान कर दिया है। अरविंद केजरीवाल की अगुआई वाली पार्टी के इस कदम से दिल्ली में भाजपा की ट्रिपल इंजन सरकार का रास्ता साफ हो गया है। भाजपा के खिलाफ बेहद आक्रामक रुख रखने वाली आप ने आखिर क्यों बिना लड़े ही उसके सामने हथियार डाल दिया, राजनीतिक विश्लेषक इसका जवाब तलाशने में जुटे हैं। फिलहाल इतना कहा जा रहा है कि आप ने दो डर और एक फायदे की उम्मीद में एमसीडी की सत्ता आसानी से अपने हाथ से जाने देने का फैसला किया है। हालांकि, 2 साल बाद एमसीडी चुनाव में आप के लिए यह दांव उलटा भी पड़ सकता है।

आप ने भले ही यह कहकर हाई मोरल ग्राउंड लेने की कोशिश की कि चुनाव जीतने के लिए उन्हें जोड़तोड़ करना पड़ता, जो वह करना नहीं चाहती, पर सच्चाई यह है कि पार्टी जानती है कि 2022 में मिली बहुमत अब उसके हाथ से फिसल चुकी है। पार्टी अपने पार्षदों को एकजुट रखने में नाकामयाब रही। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि पार्टी कुछ महीने पहले ही विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद लगातार दूसरी पराजय का सामना करने से डर गई। संभवतः पार्टी को इस बात की आशंका रही होगी कि लगातार दूसरी हार की खबरों से उसके कार्यकर्ताओं के मनोबल पर असर होगा और इसका प्रभाव पंजाब तक हो सकता है, जहां पार्टी अभी से विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुट गई है। 2022 के अंत में हुए हुए एमसीडी चुनाव में आप ने भाजपा से 15 साल पुरानी सत्ता छीनते हुए 134 पार्षद जीते थे, जबकि भाजपा को 104 वार्ड में जीत मिली थी। करीब ढाई साल तक चले दलबदल के खेल के बाद अब भाजपा के पास 117 पार्षद हैं। जबकि आम आदमी पार्टी के पास 113 पार्षद हैं। बताया जा रहा है कि 25 तारीख को होने जा रहे मेयर चुनाव में आप को ना सिर्फ हार साफ दिख रही थी बल्कि उसे कुछ और पार्षदों के क्रॉस वोटिंग का डर था। ऐसा होने पर पार्टी की एकजुटता पर भी नए सवाल खड़े हो जाते। दिल्ली में

विधानसभा चुनाव की हार के बाद आम आदमी पार्टी (आप) ने एक चौंकाने वाला फैसला लेते हुए एमसीडी (दिल्ली नगर निगम) में मेयर चुनाव नहीं लड़ने का ऐलान कर दिया है। अरविंद केजरीवाल की अगुआई वाली पार्टी के इस कदम से दिल्ली में भाजपा की ट्रिपल इंजन सरकार का रास्ता साफ हो गया है। भाजपा के खिलाफ बेहद आक्रामक रुख रखने वाली आप ने आखिर क्यों बिना लड़े ही उसके सामने हथियार डाल दिया, राजनीतिक विश्लेषक इसका जवाब तलाशने में जुटे हैं। फिलहाल इतना कहा जा रहा है कि आप ने दो डर और एक फायदे की उम्मीद में एमसीडी की सत्ता आसानी से अपने हाथ से जाने देने का फैसला किया है। हालांकि, 2 साल बाद एमसीडी चुनाव में आप के लिए यह दांव उलटा भी पड़ सकता है। आप ने भले ही यह कहकर हाई मोरल ग्राउंड लेने की कोशिश की कि चुनाव जीतने के लिए उन्हें जोड़तोड़ करना पड़ता, जो वह करना नहीं चाहती, पर सच्चाई यह है कि पार्टी जानती है कि 2022 में मिली बहुमत अब उसके हाथ से फिसल चुकी है।

# तब्लीगी जमात के विदेशियों को शरण देने का मामला, दिल्ली हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली हाईकोर्ट ने 2020 के कोविड-19 महामारी के दौरान तब्लीगी जमात से जुड़े विदेशी नागरिकों को शरण देने के मामले में सोमवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। इस मामले में आरोपी 70 भारतीय नागरिकों द्वारा हाईकोर्ट में याचिकाएं दायर की गई थीं। आरोपी भारतीय नागरिकों के खिलाफ आईपीसी, एपिडेमिक डिजीज एक्ट, डिजास्टर मैनेजमेंट एक्ट और फॉरेनर्स एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई थीं।

जस्टिस नीना बंसल की बेंच ने तब्लीगी जमात से जुड़े 70 भारतीय नागरिकों से जुड़े 16 एफआईआर के मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया है। आरोपियों पर कोविड-19 महामारी के दौरान 24 मार्च 2020 से 30 मार्च 2020 के बीच अलग-अलग मस्जिदों में विदेशी नागरिकों को शरण देने के लिए आईपीसी की धारा 188/269/270/120-बी के तहत चार्जशीट दायर की गई थी।

इन भारतीय नागरिकों द्वारा शरण पाने वाले 195 विदेशी नागरिकों के नाम भी एफआईआर में दर्ज हैं। हालांकि, अधिकांश चार्जशीट में उनके खिलाफ चार्जशीट दाखिल नहीं की गई या ट्रायल कोर्ट ने दोहरे खतरे के सिद्धांत पर संज्ञान लेने से इनकार कर दिया था। क्योंकि विदेशी नागरिकों के एक ही ग्रुप पर एक ही तरह के अपराधों के लिए चार्जशीट दाखिल की गई थीं।

याचिकाकर्ताओं की ओर से वकील आशिमा मंडला और मंदाकिनी सिंह हाईकोर्ट में पेश हुईं। वकील आशिमा मंडला ने इस घटना के संबंध में अन्य अदालतों द्वारा दिए फैसलों को भी रिकॉर्ड पर रखा।

तब्लीगी जमात के आयोजन से जुड़ा यह मामला पब्लिक हेल्थ पर इसके कथित प्रभाव और महामारी के दौरान रेगुलेटरी गाइडलाइंस के पालन के कारण कानूनी जांच के अधीन है। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने कोविड-19 महामारी के दौरान कथित उल्लंघन के संबंध में आईपीसी, एपिडेमिक डिजीज एक्ट, डिजास्टर मैनेजमेंट एक्ट और फॉरेनर्स एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत भारतीय और विदेशी नागरिकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थीं।

# दोगुना जल मिले तभी बच सकता है दिल्ली में यमुना का जीवन, डीपीसीसी की रिपोर्ट

**नई दिल्ली, एजेंसी।** राजधानी दिल्ली में यमुना नदी का जीवन दोगुना जल मिलने पर ही बच सकता है। यह बात दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति द्वारा तैयार एक रिपोर्ट में कही गई है। रिपोर्ट के मुताबिक मई जैसे सूखे महीने में भी नदी का नैसर्गिक बहाव (एंवायरमेंटल फ्लो) 23 क्यूमेक्स होना चाहिए। जबकि, अभी नदी का बहाव सिर्फ 10 क्यूमेक्स रहता है। यानी, नैसर्गिक बहाव के लिए कम से कम 13 क्यूमेक्स जल और होना चाहिए। राजधानी से गुजरने वाली एकमात्र बड़ी नदी यमुना है। दिल्ली के सांस्कृतिक और प्राकृतिक जीवन पर यमुना का सदियों से महत्व रहा है। लेकिन, हाल के वर्षों में यमुना का जीवन दिल्ली में समाप्त जैसा हो गया है। दिल्ली के बड़े-बड़े नालों से सीधे यमुना में गिरने वाले गंदे पानी के चलते प्रदूषण का स्तर इतना ज्यादा होता है कि नदी का जलीय जीवन काफी हद तक नष्ट हो चुका है। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति द्वारा तैयार रिपोर्ट में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाइड्रोलॉजी रुड़की के हवाले से बताया गया है कि नदी का एंवायरमेंटल फ्लो बनाए रखने के लिए जितने जल की जरूरत है।

# अब शरबत जिहाद पर फंसे बाबा रामदेव, दिल्ली हाईकोर्ट ने जमकर लगाई फटकार

**नई दिल्ली, एजेंसी।** हमदर्द रूह अफजा पर टिप्पणी कर योग गुरु बाबा रामदेव मुश्किलों में फंस गए हैं। मंगलवार को दिल्ली हाईकोर्ट ने शरबत जिहाद के मामले में उन्हें कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने कहा है कि रामदेव की इस बात का कोई बचाव नहीं है। टिप्पणी के बाद कंपनी ने हाईकोर्ट का रुख किया था।

उच्च न्यायालय ने कहा है कि इस बात ने अदालत की अंतरात्मा को झकझोर कर रख दिया है। साथ ही कहा है कि इसकी कोई माफी नहीं है। कोर्ट ने रामदेव की तरफ से पेश हुए वकील को उपस्थित रहने के लिए कहा है। कंपनी ने आरोप लगाए हैं कि यह सांप्रदायिक विभाजन फैलाने का मामला है। साथ ही इसे नफरत भरे भाषण के जैसा बताया है। हमदर्द की तरफ से कोर्ट पहुंचे सीनियर एडवोकेट मुकुल रोहतगी ने कहा, यह केस हैरान करने वाला है। यह मामला सांप्रदायिक विभाजन कराने वाला है और हेट स्पीच के समान है। इसे मानहानि के कानून के तहत संरक्षण नहीं मिल सकेगा। उन्होंने कहा है कि देश में पहले ही काफी समस्याएं हैं और इसे एक पल के लिए भी अनुमति नहीं मिलनी चाहिए।

3 अप्रैल को बाबा रामदेव ने रूह अफजा बनाने वाली कंपनी हमदर्द को लेकर टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि दवा और खाद्य सामग्री बनाने वाली कंपनी अपने धन का इस्तेमाल मस्जिद और मदरसा बनाने में कर रही है। इसके बाद कंपनी ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। रामदेव का एक वीडियो पिछले कई दिनों से सोशल मीडिया पर वायरल है। इसमें वह पतंजलि के शरबत का प्रचार करने के दौरान यह कहते हुए देखे और सुने जा सकते हैं कि शरबत के नाम पर एक कंपनी है जो शरबत तो देती है लेकिन शरबत से जो पैसा मिलता है। उससे मदरसे और मस्जिदें बनवाती है।

रामदेव ने कहा था, अगर आप वो शरबत पिएंगे तो मस्जिद और मदरसे बनेंगे और पतंजलि का शरबत पिएंगे तो गुरुकुल बनेंगे, आचार्य कुलम बनेगा, पतंजलि विश्वविद्यालय और भारतीय शिक्षा बोर्ड आगे बढ़ेगा। इसलिए मैं कहता हूं ये 'शरबत जेहाद' है। जैसे 'लव जेहाद', 'वोट जेहाद' चल रहा है वैसे ही 'शरबत जेहाद' भी चल रहा है।

# हिंदुओं को बचाने के लिए स्कॉटलैंड लाया ऐतिहासिक बिल, पहली बार हिंदूफोबिया पर उठी आवाज

**एडिनबरा, एजेंसी।** यूरोपीय देश स्कॉटलैंड की संसद में पहली बार हिंदू समुदाय के खिलाफ बढ़ते भेदभाव और हाशिए पर डाले जाने को लेकर एक ऐतिहासिक प्रस्ताव पेश किया गया है। एल्बा पार्टी की सांसद ऐश रीगन ने यह प्रस्ताव ग्लासगो की गांधीवादी शांति संस्था की रिपोर्ट के आधार पर पेश किया है। यह कदम न केवल स्कॉटलैंड बल्कि पूरे यूरोपीय संघ में अपनी तरह का पहला प्रस्ताव है। यह प्रस्ताव स्कॉटलैंड के हिंदू समुदाय के सामने आ रही चुनौतियों, जैसे कि धार्मिक नफरत, मंदिरों पर हमले और सांस्कृतिक असहिष्णुता को प्रमुखता से उजागर करता है।

**प्रस्ताव में क्या है?:** स्कॉटिश संसद ने गांधीवादी शांति संस्था के कार्यों की सराहना की है। प्रस्ताव में 'हिंदूफोबिया इन स्कॉटलैंड' रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया गया है कि किस तरह से हिंदू समुदाय को भेदभाव, बहिष्करण और दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ रहा है। यह प्रस्ताव अंतर-धार्मिक संवाद, सामाजिक समरसता और विविधता को बढ़ावा देने के प्रयासों को आगे बढ़ाने की अपील करता है। यह रिपोर्ट स्कॉटलैंड में हिंदू समुदाय पर केंद्रित पहली व्यापक अध्ययन है। इसके अनुसार, 5.4 मिलियन की जनसंख्या वाले स्कॉटलैंड में हिंदुओं की संख्या महज 0.3प्रतिशत है और इस छोटे समुदाय को असमानता, मंदिरों पर हमले, जातिगत टिप्पणियां और दुर्व्यवहार जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। सरकार द्वारा पेश किए गए इस बिल को लेकर भारतीय मूल के नेताओं की प्रतिक्रिया आई है।

भारतीय काउंसिल ऑफ स्कॉटलैंड के अध्यक्ष नील लाल ने कहा, जब मंदिरों पर हमला होता है या हिंदू परिवारों पर फब्तियां कसी जाती हैं, तो यह केवल समुदाय पर हमला नहीं होता, बल्कि यह स्कॉटलैंड के सहिष्णुता मूल्यों पर आघात होता है। गांधीवादी संस्था ने इसे धार्मिक समानता की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया है।

# चीन ने धरती फाड़ी तो निकली सोने की खान! वैज्ञानिकों की आंखें फटी रह गई

**बीजिंग, एजेंसी।** 1,000 टन सोने का विशाल भंडार मिला, जिसकी कीमत अरबों डॉलर में बताई जा रही है। चीन के इस खुलासे के बाद भारत के पड़ोस में खनिज शक्ति का नया केंद्र बनता दिख रहा है। चीन के लिओनिंग प्रांत में भूगर्भशास्त्रियों ने 1,000 टन सोने का भंडार खोजा है। यह इलाका पूर्व से पश्चिम 3 किलोमीटर और उत्तर से दक्षिण 2.5 किलोमीटर में फैला है। यानी ये कोई छोटा-मोटा खजाना नहीं बल्कि 'धरती की तिजोरी' है जो अब खुल चुकी है।

वैज्ञानिकों का कहना है कि जहां-जहां ड्रिल की जा रही है, वहां-वहां सोने का अयस्क मिल रहा है। इससे ये साफ है कि सोने की सांद्रता बहुत अधिक हैऔर इसे निकालना भी बेहद आसान होगा। मतलब यह सोना केवल कागज पर नहीं, बल्कि वाकई जमीन के अंदर भरा पड़ा है।

ये खोज उस समय सामने आई है जब केवल कुछ महीने पहले ही चीन के हुनान प्रांत में भी 80 अरब डॉलर कीमत का सोना मिलने का दावा किया गया था। वहां सतह से करीब एक मील नीचे 40 सोने की नसें मिली थीं। अब लिओनिंग में ये नई खोज सामने आकर पूरे देश को संसाधनों के मामले में मजबूत कर रही है। चीन पहले से ही दुनिया का सबसे बड़ा सोना उत्पादक देश है, लेकिन भंडार के मामले में वो अब भी दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया से पीछे है। लिओनिंग और हुनान में हुई ये खोजें उसे इस दौड़ में आगे बढ़ाने का काम कर सकती हैं। 2024 में चीन ने करीब 380 टन सोने का उत्पादन किया था, लेकिन ये नया खजाना उस आंकड़े को बहुत तेजी से बढ़ा सकता है। सोना सिर्फ गहनों या निवेश का साधन नहीं है, बल्कि यह एक देश की आर्थिक स्थिरता में भी बड़ी भूमिका निभाता है। जब वैश्विक स्तर पर वित्तीय संकट आता है तब सोना ही एक मजबूत बैकअप बनता है। इसके अलावा ये बैटरी और इलेक्ट्रॉनिक सामान बनाने में भी उपयोगी होता है – और ये क्षेत्र चीन की औद्योगिक नीति के केंद्र में हैं। भारत के पड़ोस में इतनी बड़ी मात्रा में सोने का मिलना सिर्फ खनिज दृष्टि से नहीं बल्कि रणनीतिक रूप से भी चिंताजनक हो सकता है।

# चीन की अर्थव्यवस्था ने 2025 की शुरुआत में जबरदस्त छलांग लगाई

**बीजिंग, एजेंसी।** चीन की अर्थव्यवस्था ने 2025 की पहली तिमाही में मजबूत शुरुआत की है। दुनियाभर में चल रही उथल-पुथल, अमेरिका के साथ व्यापार तनाव और वैश्विक मंदी की आशंकाओं के बावजूद चीन की वृद्धि उम्मीद से बेहतर रही। नवीनतम सरकारी आंकड़ों के अनुसार, जनवरी से मार्च के बीच चीन की जीडीपी में 5.4प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि है। इस तिमाही में चीन की जीडीपी 31.875 ट्रिलियन युआन थी, जो लगभग 4.3 ट्रिलियन डॉलर के बराबर है। इस वृद्धि के पीछे कई सकारात्मक कारक रहे हैं, जिनमें लोगों की बढ़ती क्रय शक्ति, मजबूत कृषि उत्पादन, उच्च तकनीक विनिर्माण, बेहतर रोजगार और बाजार का भरोसा शामिल है। त्योहारी सीजन में लोगों ने खूब खर्च किया, जिससे सेवा क्षेत्र को भी बढ़ावा मिला।

मार्च में औद्योगिक उत्पादन में 7.7प्रतिशत और पूरी तिमाही में 6.5प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। वहीं, उच्च तकनीक और उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में भी मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। चीनी सरकार पारंपरिक उद्योगों को आधुनिक तकनीक से उन्नत करने का लगातार प्रयास कर रही है। नई गुणवत्ता वाली उत्पादक शक्तियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, चीन अपने विनिर्माण आधार को विज्ञान और नवाचार से जोड़ रहा है। डीपसीक एआई जैसे उदाहरण बताते हैं कि कैसे स्टार्टअप और नवीन तकनीक को अपनाने से देश की अर्थव्यवस्था को नई गति मिल रही है। तकनीक ने न केवल विनिर्माण बल्कि कृषि में भी अपना जादू दिखाया है। पहली तिमाही में फसल उत्पादन में 4 प्रतिशत की वृद्धि हुई। शहरों में बेरोजगारी दर भी फरवरी के 5.4प्रतिशत से घटकर मार्च में 5.2प्रतिशत हो गई। वहीं, खुदरा बिक्री यानी उपभोक्ता वस्तुओं की बिक्री में भी 4.6प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो साफ तौर पर दर्शाता है कि लोग खरीदारी करने से नहीं हिचकिचा रहे हैं। विदेशी व्यापार की बात करें तो चीन का कुल व्यापार 1.3प्रतिशत बढ़कर 10.3 ट्रिलियन युआन हो गया। मुख्य रूप से, आसियान और बीआरआई देशों के साथ व्यापार संबंधों ने चीन की वृद्धि का समर्थन किया है। आसियान के साथ व्यापार में 7.1प्रतिशत की वृद्धि हुई और बीआरआई देशों का योगदान चीन के कुल विदेशी व्यापार में 51.1प्रतिशत रहा। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग की वियतनाम, मलेशिया और कंबोडिया की हालिया यात्राओं ने भी व्यापार संबंधों को नई ऊर्जा दी है। चीनी सरकार ने विदेशी निवेश को बढ़ावा देने के लिए 2025 के लिए एक विशेष योजना भी शुरू की है, जिसमें विदेशों से अधिक निवेश आकर्षित करने के लिए 20 ठोस कदम शामिल हैं। भले ही संरक्षणवाद, भू-राजनीतिक तनाव और अमेरिकी दबाव जैसी अंतरराष्ट्रीय चुनौतियां बनी हुई हैं, लेकिन चीन की अर्थव्यवस्था में लचीलापन दिख रहा है। नीति निर्माता इस साल के विकास लक्ष्य को हासिल करने के लिए सक्रिय मोड में हैं और बाजार के अनुकूल निर्णय ले रहे हैं। हालांकि, आगे का रास्ता बिल्कुल आसान नहीं है। ग्लोबल अनिश्चितता और अंदरूनी चुनौतियों से निपटने के लिए चीन को लगातार स्मार्ट फैसले लेने होंगे। लेकिन, जो रफ्तार अब तक दिखी है, वो बताती है कि चीन फिलहाल अपने आर्थिक मिशन में सही ट्रैक पर है।

# सिंधु नहर परियोजना के खिलाफ सिंध में सड़कों पर जनता

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान में सिंधु नदी से छह नई नहरें खोदने के संघीय सरकार के प्रस्ताव के खिलाफ राष्ट्रवादी दल, वकील, किसान, लेखक और नागरिक समाज के सदस्यों समेत करीब 50 हजार लोग पूरे सिंध प्रांत में विरोध प्रदर्शन और धरना दे रहे हैं। उनका दावा है कि सरकार राज्य के जल संसाधनों को बर्बाद करने का प्रयास कर रही है। इस प्रयास के खिलाफ सिंध प्रांत में जन आंदोलन लगातार बढ़ता जा रहा है। खैरपुर में वकील लगातार तीन दिनों से धरना दे रहे हैं, जिससे पंजाब और सिंध के बीच यातायात जाम हो गया है। द बलूचिस्तान पोस्ट (टीबीपी) की एक रिपोर्ट के अनुसार, 72 करोड़ डॉलर की यह नहर परियोजना ग्रीन पाकिस्तान प्रयास का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य चोलिस्तान रेगिस्तान में सैन्य-संचालित कृषि व्यवसाय के लिए कृषि भूमि बनाने के लिए सिंधु से पानी निकालना है। टीबीपी के अनुसार, विरोधियों का दावा है कि यह योजना सिंध के जल अधिकारों का उल्लंघन करती है और राज्य के कृषि उद्योग को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाने की क्षमता रखती है। इसे लेकर सिंध के सभी शहरों में विरोध शिविर, शटडाउन हड़ताल और प्रदर्शन बढ़ गए हैं। राष्ट्रवादी समूहों ने रेल परिचालन भी रोक दिया है। यहां तक कि सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के नेता बिलावल भुट्टो जरदारी ने परियोजना का विरोध कर गठबंधन छोड़ने की धमकी दी है।

# पृथ्वी दिवस पर बीएसएल परिसर में पौधारोपण

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। 22 अप्रैल पृथ्वी दिवस 'हमारी शक्ति, हमारा ग्रह' थीम के साथ मनाया गया. इस वर्ष का विषय समुदायों, व्यक्तियों और राष्ट्रों की सामूहिक शक्ति पर प्रकाश डालता है ताकि टिकाऊ समाधानों के माध्यम से इसकी रक्षा और पुनर्स्थापना की जा सके. बीएसएल में पृथ्वी दिवस के अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (नगर सेवा) श्री कुंदन कुमार के नेतृत्व में सेक्टर 05 लाइब्रेरी ग्राउंड के पास वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस मौके पर महाप्रबंधक (ई सी एस) श्री नवीन प्रकाश श्रीवास्तव, महा प्रबंधक नगर सेवा श्री ए के अविनाश, उप महा प्रबंधक नगर सेवा श्री पी एस सिंह के साथ वरीय अधिकारी तथा कर्मचारी उपस्थित थे.

उल्लेखनीय है कि बीएसएल ने वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान लगभग 1.10 लाख पौधों का सफलतापूर्वक रोपण किया है। यह व्यापक वृक्षारोपण अभियान न केवल संयंत्र परिसर तक सीमित रहा, बल्कि बोकारो टाउनशिप क्षेत्र में भी प्रभावी रूप से संचालित किया गया। इस प्रयास ने बीएसएल की हरित पर्यावरण एवं सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता को प्रमाणित किया है. विगत वित्तीय वर्ष में, टाउनशिप क्षेत्र में कुल 1,00,873 पौधों का रोपण किया गया। इनमें से सर्वाधिक लगभग 70,000 पौधे उकरीद मोड़ के निकट, जबकि 28,500 पौधे सिटी कॉलेज क्षेत्र में लगाए गए। इसके अतिरिक्त, आशालता केंद्र के समीप 1,375 तथा बीजीएच परिसर के पास 998 पौधों का रोपण किया गया। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप टाउनशिप क्षेत्र में हरियाली को एक नया आयाम दिया गया है। संयंत्र परिसर के भीतर भी पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए 9,300 से अधिक पौधों का रोपण किया गया है। इस अभियान के तहत मुख्य रूप से सभी उत्पादन इकाइयों के आसपास व्यापक रूप से वृक्षारोपण किया गया, जो बीएसएल की औद्योगिक प्रगति के साथ-साथ पर्यावरणीय उत्तरदायित्व के प्रति उसकी संवेदनशीलता एवं प्रतिबद्धता को दशार्ता है. ज्ञातव्य है कि बीएसएल द्वारा गरगा डैम के बेसिन क्षेत्र में 'कार्बन सिंक' का सृजन किया गया है, जहां पूर्व में लगभग 1.6 लाख पौधों का रोपण किया गया था। यह अभिनव पहल न केवल वायुमंडलीय कार्बन को अवशोषित करने की क्षमता को सशक्त बना रही है, बल्कि जल स्तर के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। साथ ही, यह जैव विविधता को समृद्ध करने एवं भविष्य में जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों को न्यूनतम करने की दिशा में एक प्रभावशाली प्रयास के रूप में उभर रही है. बीएसएल द्वारा उठाए गए ये पर्यावरणीय पहलें न केवल टाउनशिप एवं संयंत्र परिसर के हरित आवरण को सुदृढ़ कर रही हैं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर सतत विकास और जलवायु परिवर्तन से निपटने की दिशा में भारत के संकल्पों के प्रति अपनी सक्रिय भागीदारी को भी दर्शा रही हैं.

**आंतरिक संसाधनों से हॉट स्ट्रिप मिल के क्रेन संख्या #17 का नवीनीकरण**

बीएसएल के हॉट स्ट्रिप मिल के नवीनीकृत क्रेन संख्या #17 का उद्घाटन 22 अप्रैल को अधिशासी निदेशक (संकार्य) श्री सी आर महापात्रा द्वारा किया गया. उद्घाटन के मौके पर मुख्य महाप्रबंधक (मैकेनिकल) श्री प्रकाश कुमार तिवारी एवं हॉट स्ट्रिप मिल के मुख्य महा प्रबंधक विपिन कुमार सिंह के साथ वरीय अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे. मुख्य महाप्रबंधक (हॉट स्ट्रिप मिल) विपिन कुमार सिंह के नेतृत्व यांत्रिकी अनुभाग के महाप्रबंधक (प्रभारी) एसएन भगत के दिशा निर्देशन में क्रेन 17 के 110 टन क्षमता वाले पुराने एवं क्षतिग्रस्त टोंग का जीणोर्धार किया गया. क्रेन 17 के क्षतिग्रस्त टोंग की मरम्मत एवं नवीनीकरण की जिम्मेदारी एस.सी. मोहापात्रा के नेतृत्व में सहायक महाप्रबंधक एस के रॉय, वरीय प्रबंधक एस एस यादव और क्रेन अनुभाग के कर्मियों ने उठाई जिसे उन्होंने रिकॉर्ड समय में पूरा किया.

इस चुनौतीपूर्ण कार्य को पूर्ण करने में हॉट स्ट्रिप मिल के महाप्रबंधक श्री एस के सेन ने न केवल कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाया, बल्कि तकनीकी सलाह भी प्रदान की. सामान्य अनुरक्षण विभाग के श्री एन के बेहरा, महाप्रबंधक तथा श्री राजेश यादव की टीम के द्वारा मात्र 16 घंटे में इसे स्थापित कर एक नया कीर्तिमान बनाया गया है. अधिशासी निदेशक (संकार्य) श्री सी आर महापात्रा ने इस कार्य से सम्बंधित सभी विभागों तथा कार्मिकों के प्रयास की सराहना की और भविष्य में भी इस प्रकार के अभिनव पहल करने की अपील की.

**बोकारो स्टील प्लांट के यूटिलिटीज विभाग में सुझाव मेला का आयोजन**

22 अप्रैल को बोकारो स्टील प्लांट के यूटिलिटीज विभाग तथा औद्योगिक इंजीनियरिंग विभाग (आई ई डी) के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित सुझाव मेला का उद्घाटन श्री संजीव रंजन सिंह, मुख्य महा प्रबंधक (यूटिलिटीज) के द्वारा किया गया. कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों को संगठनात्मक सुधार हेतु नवीन विचारों और रचनात्मक सुझावों के लिए प्रेरित करना था. सुझाव मेला में कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक संचालन दक्षता, सुरक्षा सुधार, ऊर्जा संरक्षण तथा उपभोक्ता सेवा में सुधार से संबंधित कई प्रभावशाली सुझाव प्रस्तुत किए. औद्योगिक इंजीनियरिंग विभाग के महा प्रबंधक हिमांशु गुप्ता एवं वरीय प्रबंधक श्रीमती प्रीति प्रिया, ने सुझाव मेला में समन्वयक की भूमिका निभाई. सुझाव मेला में कुल 200 से ज्यादा सुझाव प्राप्त हुए, जिनमें से 20 सुझावों को व्यावहारिकता और प्रभाव के आधार पर चयनित किया गया. श्रेष्ठ सुझाव देने वाले कर्मचारियों को प्रमाण पत्र और सम्मान स्वरूप उपहार प्रदान किए गए. मुख्य महा प्रबंधक (यूटिलिटीज) श्री संजीव रंजन सिंह ने सुझाव मेला आयोजन के महत्व को रेखांकित करते हुए प्लांट की समृद्धि के लिए कर्मचारियों को सुझाव मेला में बढ-चढ कर हिस्सा लेने और रचनात्मक सुझाव देने का आह्वाहन किया. उन्होंने कहा कि संयंत्र की बेहतरी के लिए प्रत्येक कार्मिक का रचनात्मक सुझाव जरूरी है. कार्यक्रम का संचालन तथा धन्यवाद ज्ञापन श्री अमन कुमार मिश्रा, प्रबंधक (गैस उपयोगिताएँ) द्वारा किया गया.

## पृथ्वी दिवस पर की पूजा अर्चना, ली शपथ

**बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो।** पृथ्वी दिवस के शुभ अवसर पर बोकारो के पर्यावरण-मित्र चौक स्थित पर्यावरण-मित्र वाटिका में स्वस्थ एवं पर्यावरण संरक्षण संस्थान द्वारा पृथ्वी बचाओ संकल्प पूजा का आयोजन कर पृथ्वी को बचाने का संकल्प लिया गया है ये सब हम धरती पर प्रदूषण को बढ़ाने का ही काम कर रहे हैं। धरती की बढ़ती गर्मी से ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना, असमय मौसम का परिवर्तन सब तो आने वाले समय में अनेक समस्याओं को ही जन्म देगा । अगर हम चाहते हैं कि हमारा जीवन

। इस अवसर पर संस्थान के महासचिव शशि भूषण ओझा ने पृथ्वी मां की विधिवत पूजा किया। कहा कि दुनिया का अस्तित्व तभी है जब पृथ्वी मां सुरक्षित हैं । अपने स्वार्थ के वशीभूत होकर विकास के नाम पर मानव प्रकृति को अंधाधुंध मिटाने पर लगा हुआ है । जंगल काटे जारहे हैं, नदियों के किनारों को अतिक्रमित कर उनमें घरों और कल कारखानों के गंदे पानी को प्रवाहित किया जा रहा है, पहाड़ों को तोड़ा जा रहा है और वातावरण में जिस प्रकार जहरीली और ग्रीन गैसों को उत्सर्जित किया जा रहा सुरक्षित रहे, आने वाली पीढ़ियों को विपदाओं का सामना नहीं करना पड़े तो सबों को पृथ्वी मां को बचाने के लिए संकल्पित होना होगा और प्रकृति को बचाना होगा । बैठक में शशि भूषण ओझा 'मुकुल', पं. चंदन शास्त्री, वैद्य गणेश साव, अधिवक्ता रमण ठाकुर, मृणाल चौबे, वीरेंद्र चौबे, लक्ष्मण शर्मा, गौरी शंकर सिंह, जादूगर दयाराम परमार, मिली मनी चौबे, ललित कुमार, शिवजी ओझा, ललन दुबे, राम लखन द्विवेदी, प्रो. गणेश सिंह, अक्षय दुबे, गोलू, अनुराग मिश्र सहित कई पर्यावरण संरक्षक उपस्थित हुए ।

## वन भूमि व गैरमजुरुआ जमीन घोटाले के मामले में ईडी ने बोकारो में कई जगहों पर की छापेमारी

### सरकारी कार्यालयों से कागजात किए जप्त, प्रशासनिक अमले में हड़कंप

**बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो।** बोकारो के चर्चित तेतुलिया वन भूमि कथित घोटाला और चास अंचल के योगीडीह मौज के खाता 29 एवं 40 खाता के लगभग 100 एकड़ गैरमजूरआ जमीन में गड़बड़झाला के मामले में आज प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने बोकारो में एक साथ कई जगहों पर छापेमारी की। ईडी की टीम ने अहले सुबह ही छापेमारी शुरू की जो खबर लिखे जाने तक जारी थी। खबर है कि जमीन के इस मामले के तार झारखंड बिहार के कई शहरों से जुड़े हैं। ईडी की कार्रवाई बोकारो के अलावा रांची, धनबाद और पटना में भी एक ही समय पर चले कि खबर है। चर्चा है कि इस मामले में कई वरीय अधिकारियों पर ईडी की गाज गिरने की चर्चा है। तेतुलिया वन भूमि और योगीडीह जमीन घोटाले के मामले में कई तत्कालीन अधिकारियों से जुड़े हैं। ईडी की आज की कार्रवाई से प्रशासनिक अमले ने हड़कंप मचा हुआ है। ईडी इन जमीनो से संबंधित कागजातों को खंगालने के लिए आज सुबह सबसे पहले तेतुलिया मौजा स्थित उमायुष मल्टीकॉम प्राइवेट लिमिटेड के प्रोजेक्ट कार्यालय पहुंची। ईडी की दूसरी टीम उमायुश कंपनी के प्रोजेक्ट हेड किशोर किस्कू के घर पर भी छापेमारी की। रैयत इजहार हुसैन और अख्तर हुसैन के उकरीद स्थित घर पर भी ईडी ने दबिश दी। साथ ही बोकारो वन प्रमंडल कार्यालय और रजिस्टार कार्यालय में भी ईडी ने घंटों कागजातों को खंगाल। दूसरी तरह योगीडीह के एक सौ एक- गैरमंजूरवा जमीन घोटाला को लेकर ईडी ने चास अंचल कार्यालय में भी घंटों कागजातों की जांच की। खबर है कि यहां ईडी ने कई आवश्यक कागजात जप्त भी किए हैं। सूत्रों से जानकारी मिली है कि चास अंचल कार्यालय में कार्यरत हल्का 7 के कर्मचारी को जमीन का भौतिक सत्यापन हेतु अपने साथ ले गई थी। बहरहाल बोकारो में ईडी की कार्रवाई की चर्चा पूरे प्रदेश है। ईडी की कार्रवाई की खबर राष्ट्रीय स्तर चल रही है। दूसरी तरफ किसी भी तरह से इन जमीनों से जुड़े अधिकारी और कर्मचारी सकते में हैं।

## बोकारो इस्पात जनता मजदूर संघ करेगा कार्यशाला का आयोजन

**बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो।** बोकारो इस्पात जनता मजदूर संघ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों की एक आवश्यक बैठक तारकेश्वर महतो 'तारा बाबू' की अध्यक्षता में सेक्टर 3 टूडेन गार्डेन में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। अध्यक्ष ने कहा कि गत प्लांट एपरेंटिस दूर्घटना में घायल लोगों के लिए 20000/- रुपये का घोषित मुआवजा अभी तक नहीं मिला है, एवं दूर्घटना में घायल लोगों के मरहम पट्टी के लिए बी जी एच अब चार्ज कर रहा है,जो गलत है। महामंत्री सुमन सिंह ने कहा कि 1मई मजदूर दिवस के उपलक्ष्य में मजदूरों के लिए एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया है जिसमें मजदूरों का हित,अधिकार आदि पर विशेष चर्चा होगी। उपाध्यक्ष नवीन सिंह ने कहा कि बी एस एल प्लाटधारियों से प्रतिमाह साफसफाई के नाम पर 3500/- रुपया लिया जाता है लेकिन काम नहीं हो रहा है। बी एस

एल आवास के सामने वाले रोड पर स्ट्रीट लाइट नहीं रहने से कर्मचारियों को काफी कष्ट का सामना करना पडता है।अंधेरे में पैदल यातायात में कर्मचारी एवं उनके परिवार को काफी दिक्कत होती है।कार्यालय सचिव गंगेश कुमार पाठक ने कहा कि नया मोड़ मुख्य चौराहे पर हम्प (गति अवरोधक) नहीं रहने से दूर्घटना हूई एवं हमेशा दूर्घटना की संभावना बनी रहती है। बीएसएल नगर प्रशासन एवं प्रबंधन को ध्यान देना चाहिए।जल्द ही संघ के सदस्यों को पहचान पत्र दे दिया जाएगा। उपस्थित पदाधिकारियों में मुख्य रुप से पुष्पा मिश्रा,प्रतिमा शर्मा, लक्ष्मण शर्मा, गुलाम जिलानी,सुमीत सिंह, श्याम कुमार, गोकुल प्रसाद,हरिश्चन्द्र गांधी, विश्वेसर बम, भोला प्रसाद, लक्ष्मण सिंह आदि अन्य थे।

## रोजगार सेवकों का हुआ विभिन्न पंचायतों में स्थानांतरण

**बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो।** बोकारो जिले के अलग अलग ग्राम पंचायतों में विगत 15 वर्षो से एक ही ग्राम पंचायत में जमे रोजगार सेवकों का चंदनकियारी प्रखंड में ही अलग अलग पंचायतों में ट्रांसफर किया गया है। बीडीओ अजय कुमार वर्मा ने जारी आदेश में बताया कि पंचायत समिति में पारित प्रस्ताव के अनुपालन में जनहित एवं प्रशासनिक दृष्टिकोण से रोजगार सेवकों का स्थानांतरण किया गया है. विगत 15 साल से चंद्रा पंचायत में पदस्थापित संजय कुमार का स्थानांतरण कुसुमकियारी पंचायत में किया गया है. इसी प्रकार बैद्यनाथ गोराई को मोहाल पुर्वी से लालपुर, ज्ञानचन्द्र विद्यार्थी को महाल पश्चिमी से अमाईनगर, संजीव ओझा लालपुर से सहारजौरी,अमर कुमार बाउरी पोलकिरी से महाल पश्चिमी, अरूण कुमार माढ़रा से बड़ाजौर, मो. आलम खुर्शीद जो विगत 15 सालों से कुसुमकियारी में पदस्थापित थे।

## बच्चों ने पृथ्वी दिवस पर निकाली अनूठी जागरूकता रैली

**धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो।** बच्चों ने अपने सिर पर पृथ्वी का मॉडल रखा और नारे लगाए धरती मां क्या चाहती है, मेरा पुराना रूप लौटा दो,धरती मां क्या चाहती है,मेरी हवा को शुद्ध कर दो। पेड़ लगाओ और धरती बचाओ आदि। रैली की अवधारणा पृथ्वी सबके लिए है, कुछ बच्चे पशुओं की मुखटा पहन कर रैली में चल रहे थे, कुछ बच्चें पृथ्वी दिवस की तख्तियां लिए हुए थे। कुछ रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित किए गए। सुबह में रैली राजापुर कोलियरी क्षेत्र के पास रजवार बस्ती और कोरीबांध और सहनपहाड़ी क्षेत्र से गुजरी, जहां भूमि पूरी तरह से विनाश हो चुका है। रैली के उपरांत एक कार्यक्रम वसुंधरा वंदना आयोजित किया गया,जहां पृथ्वी के पांच तत्वों वायु, पृथ्वी, जल, अग्नि और आकाश को नमन किया गया। कोलफील्ड चिल्ड्रन क्लासेस के संस्थापक पिनाकी रॉय ने कहा यह एक रैली नहीं है यह

अगली पीढ़ी का आग्रह है, यह पृथ्वी को बचाने की पुकार है। सभी को लगता है कि प्लास्टिक के अत्यधिक उपयोग और असंतुलित कोयला खनन अभ्यास से पृथ्वी बर्बाद हो रही है। यदि पृथ्वी का स्वास्थ्य ठीक रहेगा तो मानव का स्वास्थ्य भी ठीक रहेगा।कार्यक्रम में पिनाकी रॉय, कला शिक्षक संजय पंडित, शिक्षिका मौसमी रॉय के अलावा केंदुआ इकाई के बच्चे सुमन कुमारी, दुर्गा कुमारी, राजवीर कुमार, राधिका कुमारी, अंजलि कुमारी, मुस्कान कुमारी, दुर्गी कुमारी। सहानापहाड़ी की छात्रा सोनाली कुमारी, सपना कुमारी और खुशी कुमारी, तथा दीपुधोरहा( लोदना) के बच्चे मोनू कुमार, कोमल कुमारी, रिंकी कुमारी, सिमरन कुमारी, अमन कुमार, देव कुमार, ललिता कुमारी, जबकि झरिया के तानिया कुमारी, नंदनी कुमारी, सोनू निगम, पंकज कुमार, नंदन कुमार एवं बस्ताकोला से पायल कुमारी, निधि कुमारी, लवली कुमारी, काजल कुमारी खुशी कुमारी उपस्थित थे। 50 से अधिक बच्चों ने पृथ्वी दिवस मनाई।

## संक्षिप्त समाचार

### राष्ट्रीय जनता श्रमिक संघ के क्षेत्रीय सचिव पद पर उदय शर्मा हुए मनोनीत

**धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो।** राष्ट्रीय जनता श्रमिक संघ के महामंत्री अवधेश कुमार ने केन्दुआ बाजार निवासी संघ के केंद्रीय संयुक्त महामंत्री उदय शर्मा को भारत कोकिंग कोल लिमिटेड कुसुंडा का क्षेत्रीय सचिव मनोनीत किया है। उन्होंने बीसीसीएल कुसुंडा के महाप्रबंधक को पत्र प्रेषित कर इसकी जानकारी दी है।उन्होंने औद्योगिक संबंध को सौहार्द पूर्ण बनाए रखने हेतु संघ के क्षेत्रीय सचिव को आवश्यक सहयोग करने का महाप्रबंधक से आग्रह की है।उदय शर्मा के मनोनयन पर केंद्रीय उपाध्यक्ष सुनील सिंह, कामेश्वर सिंह, जीतपुर शाखा सचिव रंजीत कुमार यादव उर्फ गुड्डू, सुमेश कुमार, संजय बहादुर, राजीव रंजन, हसन खान नन्हे आदि ने हर्ष व्यक्त किया तथा उन्हें हार्दिक बधाई दी है। केंद्रीय उपाध्यक्ष सुनील सिंह ने कहा की उदय शर्मा के मनोनयन से श्रमिकों में आशा की नई किरण जगी है। श्रमिको को इनके अनुभव का लाभ मिलेगा।

### रेडक्रास ने विभिन्न स्थानों पर लगाया रक्तदान शिविर

**बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो।** उपायुक्त विजया जाधव के निदेर्शानुसार भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी बोकारो के तत्वावधान में आयोजित रक्तदान शिविर का शुभारंभ समाहरणालय परिसर में डीपीएलआर निदेशक मेनका ने फिता काटकर किया। मौके पर जिला परिवहन पदाधिकारी वंदना शेजवलकर, डीसीएलआर चास प्रभाष दत्ता, जिला सहकारिता पदाधिकारी श्वेता गुड़िया, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, रेड क्रास के चिकित्सक व टीम के सदस्य आदि उपस्थित थे। शिविर में कई अधिकारियों व कर्मियों ने रक्तदान किया। मौके पर डीपीएलआर निदेशक ने कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है। रक्तदान कर हम एक - दूसरे की जान बचाते है। उन्होंने कहा कि रक्तदान करने से जहां दूसरे की मदद होती है वहीं खुद के स्वास्थ्य में भी सुधार होता है। रक्तदान करने से शरीर ने रक्त की कमी नहीं होती हैं। स्वस्थ मनुष्य को समय-समय पर रक्तदान करना चाहिए। उन्होंने आमजनों से भी आयोजित शिविर में शामिल होकर रक्तदान करने का अपील किया। मौके पर जिला सहकारिता पदाधिकारी श्रीमती श्वेता गुड़िया ने बताया कि उपायुक्त के निदेर्शानुसार अप्रैल - मई - जून व जुलाई माह तक अंतराल वार अलग झ्र अलग स्थानों पर रेड क्रास द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। आज से इस शिविर का शुभारंभ हुआ। आगे यह निरंतर जारी रहेगा। आयोजित रक्तदान शिविर में कुल 30 यूनिट रक्तदान किया गया।

## भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी में बाह्य विभाग की स्वास्थ्य सेवा शुरू

**धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो।** मंगलवार से भारतीय रेडक्रास सोसाइटी धनबाद में बाह्य विभाग की निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा डा. जिम्मी अभिषेक के द्वारा सुचारू रूप से शुरू की गई जिसमें 9 पेशेंट ने परामर्श एवं मुफ्त में आवश्यकता एवं उपलब्धता के अनुसार दवा और मलहम लिया।इसी क्रम में गणेश चक्रवर्ती ने अपने द्वारा ऑडियोमेट्री परीक्षण का निःशुल्क सेवा देने का एलान किया। वो प्रत्येक गुरुवार को निःशुल्क बहरेपन की जांच, ऑटिज्म बच्चे एवं हकलेपन के लिए स्पीच थैरेपी की सेवा देंगे।प्रत्येक बुधवार को डाक्टर मेजर चंदन के द्वारा वाह्य विभाग की निःशुल्क सुविधा उपलब्ध रहेगी। इस भारतीय रेडक्रास समिति धनबाद के निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा में चेयरमैन कौशलेंद्र कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष श्वेताम्बरा पाठक, कार्यकारिणी सदस्य सह चेयरमैन सलाहकार कुमार मधुरेन्द्र सिंह एवं आजीवन सदस्य लीला मांजी एवं गणेश चक्रवर्ती एवं अन्य उपलब्ध रहें।

## झारखंड विधानसभा की पर्यावरण एवं प्रदूषण नियंत्रण समिति ने अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

### सभापति ने पदाधिकारियों को अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन के दिये निर्देश

**बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो।** झारखंड विधानसभा की पर्यावरण एवं प्रदूषण नियंत्रण समिति ने बोकारो परिसदन सभागार में दूसरे दिन भी कुछ विभागों एवं विभिन्न औद्योगिक इकाईयों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक किया। बैठक की अध्यक्षता समिति के सभापति उदय शंकर सिंह ने किया। उनके साथ समिति के सदस्य जिगा सुसारण होरो, संजीव सरदार, श्वेता सिंह उपस्थित थे। मौके पर डीपीएलआर मेनका, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, जिला परिवहन पदाधिकारी श्रीमती वंदना शेजवलकर, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा पियूष, आरसीडी के कायार्पालक अभियंता, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह समेत विभिन्न विभागों के पदाधिकारी/कर्मी एवं विभिन्न औद्योगिक इकाईयों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। समिति ने क्रम में विभिन्न औद्योगिक इकाईयों के भ्रमण के दौरान इकाईयों में पर्यावरण एवं प्रदूषण नियंत्रण को लेकर तय मानकों का शतप्रतिशत अनुपालन नहीं पाया। इसे सुनिश्चित करने को लेकर प्रदूषण बोर्ड के आरओ, श्रम अधीक्षक बोकारो एवं करखाना निरीक्षक से विभिन्न बिंदुओं/किए गए कार्यों की जानकारी ली। सभी संबंधित पदाधिकारियों द्वारा कार्य/दायित्व में लापरवाही बरतने को लेकर कार्यवाही करने के लिए समिति ने अनुशंसा करने का निर्देश दिया। वहीं, अन्य विभागों की भी समीक्षा क्रम में समिति सभापति ने पदाधिकारियों को अपने कार्य/दायित्व को ईमानदारी से निर्वहन करने की बात कहीं। समिति ने क्रमवार बीएसएल, डीवीसी-सीटीपीएस, ईस्टर्न, इंद्राणी, बीपीसीएल आदि इकाईयों के प्रतिनिधियों से पर्यावरण एवं प्रदूषण नियंत्रण को लेकर प्रबंधन के इंतजाम पर असंतोष जताते हुए तय मानकों का अनुपालन करने को कहा। इसके अलावा कई अन्य बिंदुओं पर भी चर्चा कर जरूरी दिशा- निर्देश दिया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145665 8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com

CMYK